पारा आपडेट
मैक्सिमम 36.00 | मिनीमम 19.00
सूर्यास्त (आज) 17.57
सूर्योदय (कल) 06.00
बोकारो से प्रकाशित

सेंसेक्स 74,563.92 ● निफ्टी 23,151.10 ● डॉलर 92.38 ₹ ●सोना 1,56,770 ₹ ● चांदी 2,90,000 ₹

पेज 06 भावनाओं के सैलाब में उमड़ा इच्छा... पेज 08 नगड़ापहाड़ी में पेयजल संकट से...

हिन्दी दैनिक

# झारखंड दर्शन

हर खबर पर नजर

चैत्र कृष्ण पक्ष दशमी संवत 2082

पेज 12

RNI No. : JHAHIN/2018/76658 | बोकारो, शनिवार 14 मार्च 2026 ● पृष्ठ : 12 मूल्य : 3/- रुपया ● वर्ष : 08 अंक : 248 Email : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

झारखंड दर्शन के पाठकों व शुभेच्छुओं से आग्रह है कि किसी भी प्रकार के विज्ञापन देने के लिए आप फोन नंबर 9262578999 पर सम्पर्क कर सकते हैं। साथ ही अगर आप तक हमारे अखबार की प्रति नहीं पहुंच रही है तो भी उपरोक्त नंबर पर सम्पर्क कर सकते हैं।

प्रबंधक

आवश्यकता

हमारे हिंदी दैनिक झारखंड दर्शन को अपने लेखा विभाग के लिए एक योग्य और अनुभवी अकाउंटेंट और मार्केटिंग के लिए व्यक्ति की आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति अपना रिज्यूमे इस ईमेल एवं फोन नंबर पर भेज सकते हैं।
email - jharkhanddarshan405@gmail.com
Phone - 91025 69636, 92625 78999

## झारखंड विधानसभा : गैस की किल्लत और बढ़ती कीमत पर सत्ता पक्ष का सदन में हंगामा

# केंद्र सरकार के खिलाफ की नारेबाजी, आपूर्ति व्यवस्था पर उठाये सवाल

एजेंसी

**रांची।** झारखंड विधानसभा बजट सत्र के 13वें दिन शुक्रवार को सदन में राज्य में एलपीजी सिलेंडर की बढ़ती कीमत और किल्लत को लेकर जोरदार हंगामा देखने को मिला। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही सत्ता पक्ष के विधायक अपने स्थान पर खड़े हो गए और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे।

इस दौरान उन्होंने गैस की कीमतों में वृद्धि और आपूर्ति में कमी का मुद्दा उठाते हुए केंद्र सरकार की आलोचना की। सत्ता पक्ष के विधायक प्रदीप यादव ने हाथों में

अखबार लहराते हुए कहा कि राज्य में लोग गैस सिलेंडर के लिए लंबी कतारों में खड़े हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि गैस की किल्लत के कारण कई स्कूलों में मध्यान्ह भोजन तक प्रभावित हो रहा है।

### नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल ने आरोपों को किया खारिज

वहीं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सत्ता पक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि राज्य में गैस की कोई कमी नहीं है, यह व्यवस्था का सवाल है। उन्होंने कहा कि सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए सदन में बेवजह हाय-तौबा मचा रही है। विधायक सरयू राय ने भी कहा कि यह मूल रूप से व्यवस्था से जुड़ा मामला है और इसे लेकर अनावश्यक रूप से सदन में शोर-शराबा किया जा रहा है। इस दौरान बाबूलाल मरांडी ने तंज कसते हुए कहा कि लोकसभा में कांग्रेस के नेता चर्चा में शामिल नहीं होते और वहां से बाहर चले जाते हैं, जबकि यहां उनके नेता हंगामा कर रहे हैं।

### गैस सिलेंडर को लेकर सत्ता पक्ष के विधायकों का प्रदर्शन

झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के 13वें दिन शुक्रवार को गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों को लेकर सत्ता पक्ष के विधायकों ने विधानसभा परिसर के बाहर प्रदर्शन किया। विधायकों ने हाथों में बैनर और पोस्टर लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान विधायकों के हाथों में जो पोस्टर थे, उनमें लिखा था कि संसद से नरेंद्र मोदी गायब और देश से सिलेंडर गायब। कुछ पोस्टरों में एक तस्वीर भी लगाई गई थी, जिसमें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खड़े दिखाई दे रहे हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके सामने सिर झुकाकर प्रणाम करते नजर आ रहे हैं। सत्ता पक्ष के विधायकों ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत लगातार बढ़ रही है, जिससे आम लोगों की परेशानी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि महंगाई का सीधा असर गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों पर पड़ रहा है। लोगों को सिलेंडर लेने के लिए घंटों लाइन लगना पड़ रहा है इसके बाद भी नहीं मिल रहा है। लोग गैस की किल्लत झेल रहे हैं। लगातार शोर-शराबे के बीच विधानसभा अध्यक्ष डॉ रवींद्र नाथ महतो ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि इस प्रश्न को यहीं छोड़ दिया जाए और सदन की कार्यवाही को आगे बढ़ाया जाए। इसके बाद अध्यक्ष ने कार्यसूची के अनुसार अगली कार्यवाही शुरू कराई।

## संक्षिप्त खबरें

### नवजात शिशु की मौत मामले में झारखंड के अधिकारियों को एनएचआरसी का नोटिस

**नई दिल्ली।** झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर उपमंडल अस्पताल में नवजात शिशु की मौत के मामले में अस्पताल कर्मियों की तरफ से की गई लापरवाही का राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने झारखंड के स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव और पश्चिम सिंहभूम जिले के उपायुक्त को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने बताया कि मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 7 मार्च को अस्पताल द्वारा एम्बुलेंस न दिए जाने के बाद पिता को शिशु के शव को गत्ते के बक्से में रख कर बंगरासाई गांव ले जाना पड़ा। खबरों के मुताबिक, अस्पताल के कर्मचारियों ने परिवार को शिशु के शव को अस्पताल से बाहर ले जाने के लिए मजबूर किया और किसी भी प्रकार की सहायता प्रदान करने से इनकार कर दिया।

### लोकसभा में ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2026 पेश

**नई दिल्ली।** लोकसभा में शुक्रवार को ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2026 पेश किया गया। विधेयक का उद्देश्य ट्रांसजेंडर की कानूनी व्याख्या को विस्तार देकर इसे अधिक समावेशी बनाने का है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने लोकसभा में आज संशोधन विधेयक पेश किया। विधेयक मौजूदा ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 को संशोधित करेगा।

### मणिपुर : उग्रवादी संगठन केसीपी के दो कैडर गिरफ्तार

**इंफाल।** मणिपुर पुलिस का राज्य में उग्रवादियों के विरूद्ध अभियान लगातार जारी है। पुलिस मुख्यालय द्वारा शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान में बताया गया है कि गुरुवार को सुरक्षा बलों ने थौबल जिले के थौबल-थानांतर्गत थौबल वांगमा ताबा इलाके से उग्रवादी संगठन केसीपी (ताइबांगनबा) के दो सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार कैडरों की पहचान निंगथौजम थोई लीमा उर्फ सुंदरी (41), अरोंग खुनौ अवांग लीकाई की रहने वाली और निंगथौजम हेमंत सिंह उर्फ नाओचा (28), थौबल खेत्री लीकाई का रहने वाले के रूप में की गयी है। आरोपितों के पास से 140 राउंड 9एमएम के कारतूस और दो मोबाइल फोन बरामद किया गया है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

## झारखंड पुलिस को मिला बड़ा सुरक्षा कवच : सीएम ने सौंपे 1485 वाहन

# झारखंड में कानून-व्यवस्था को मिलेगी नई मजबूती : मुख्यमंत्री

संवाददाता

**रांची।** झारखंड सरकार ने कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को झारखंड विधानसभा परिसर आयोजित एक समारोह में झारखंड पुलिस को कुल 1,485 आधुनिक वाहनों का वितरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्य के विभिन्न जिलों में स्थापित होने वाले 12 नए थानों का ऑनलाइन शिलान्यास भी किया। उन्होंने रिमोट का बटन दबाकर इन नए थानों की आधारशिला रखी और हरी झंडी दिखाकर पुलिस के लिए आवंटित वाहनों को रवाना किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न श्रेणियों में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक शांति, कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण की जिम्मेदारी पुलिस की है। उन्होंने कहा कि नए वाहनों की उपलब्धता से पुलिस बल की गतिशीलता, प्रतिक्रिया क्षमता और क्षेत्रीय निगरानी में उल्लेखनीय सुधार होगा, जिसके परिणामस्वरूप घटनाओं पर त्वरित नियंत्रण संभव हो सकेगा। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि आने वाले समय में राज्य में बेहतर निगरानी व्यवस्था विकसित होगी और अपराधी अपराध करने से पहले सौ बार सोचने को मजबूर होंगे।

● सीएम हेमंत सोरेन ने 12 नए थानों की रखी नींव, बांटे नियुक्ति पत्र

### पहली बार इतनी बड़ी संख्या में वाहनों का बेड़ा मिला

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य गठन के बाद पहली बार इतनी बड़ी संख्या में आधुनिक वाहनों का बेड़ा झारखंड पुलिस को एक साथ उपलब्ध कराया जा रहा है। यह 25 वर्ष पूरे कर चुके झारखंड के सफर में पुलिस आधुनिकीकरण की दिशा में एक मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि नई तकनीक से लैस वाहनों और संसाधनों के माध्यम से पुलिस विभाग अपने कार्य के नए आयामों को छूने के लिए निरंतर प्रयत्नशील है।

### धुर्वा अपहरण कांड में पुलिस की तत्परता को सराहा

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में घटित घटनाओं को लेकर झारखंड पुलिस ने कई मामलों में त्वरित एवं सार्थक कार्रवाई की है, जिससे जनता का विश्वास मजबूत हुआ है। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने हाल ही में घटित एक जघन्य घटना का उदाहरण देते हुए कहा कि धुर्वा थाना क्षेत्र अंतर्गत दो नाबालिग बच्चों के अपहरण के मामले में झारखंड पुलिस की तत्परता और ईमानदार प्रयासों के परिणाम स्वरूप बच्चों को शीघ्रता से बरामद किया गया। साथ ही अंतरराज्यीय स्तर पर सक्रिय बच्चा चोर गिरोह का पदार्फाश भी किया गया।

### कानून-व्यवस्था में सबकी भागीदारी जरूरी

मुख्यमंत्री ने आम नागरिकों से अपेक्षा की कि वे कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सकारात्मक सहयोग करें। उन्होंने कहा कि पुलिस के साथ-साथ सभी नागरिकों की भी जिम्मेदारी है कि समाज में बढ़ती आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए जागरूकता बढ़ाएं, समय पर सूचना दें तथा पुलिस के साथ समन्वित सहयोग स्थापित करें। उन्होंने कहा कि जनता और पुलिस के बीच विश्वास, संवाद तथा सहयोग की कड़ी जितनी मजबूत होगी, राज्य की कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था उतनी ही सुदृढ़ होगी।

### अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपा

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि वे निष्ठा, ईमानदारी तथा संवेदनशीलता के साथ राज्य की सेवा में अपना योगदान देंगे। समारोह में उपस्थित सभी पुलिसकर्मियों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि वे निष्ठा, संवेदनशीलता और तत्परता के साथ जनसेवा को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करें तथा कमजोर और वंचित वर्गों की सुरक्षा को विशेष प्राथमिकता दें।

### मौके पर ये अतिथि रहे उपस्थित

इस अवसर पर झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रवीन्द्र नाथ महतो, मंत्री राधाकृष्ण किशोर, संजय प्रसाद यादव, डॉ. इरफान अंसारी, दीपिका पांडेय, शिल्पी नेहा तिर्की, विधायक कल्पना सोरेन, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, वंदना दादेल, डीजीपी, तदाशा मिश्रा सहित झारखंड पुलिस के वरिष्ठ अधिकारीगण एवं विभिन्न विभागों के पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

## प्रधानमंत्री मोदी का बंगाल दौरा आज

# पीएम मोदी 18,680 करोड़ रु. की परियोजनाओं का करेंगे शुभारंभ

एजेंसी

**कोलकाता।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को पश्चिम बंगाल के दौरे पर आएंगे, जहां वह कोलकाता में एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे और 18,680 करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री सड़क, रेलवे, बंदरगाह और नौवहन क्षेत्रों से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की शुरूआत करेंगे।

भाजपा की 'परिवर्तन यात्रा', जो एक मार्च को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत संशोधित मतदाता सूची प्रकाशित होने के एक दिन बाद शुरू हुई थी, राज्य में लगभग 10 हजार किलोमीटर का सफर तय कर चुकी है। पार्टी नेताओं के अनुसार यह यात्रा जनसंपर्क अभियान के साथ-साथ संगठन की जमीनी ताकत को परखने का प्रयास भी है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 28 फरवरी को जारी जानकारी में बताया गया कि एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने के बाद से अब तक 63.66 लाख नाम हटाए गए हैं, जो कुल मतदाताओं का लगभग 8.3 प्रतिशत है। इससे राज्य में मतदाताओं की संख्या करीब 7.66 करोड़ से घटकर लगभग 7.04 करोड़ रह गई है। इसके अलावा 60.06 लाख से अधिक मतदाताओं को 'विवादाधीन' श्रेणी में रखा गया है, जिनकी पात्रता का निर्णय आने वाले समय में कानूनी प्रक्रिया के तहत किया जाएगा। प्रधानमंत्री का यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब खबर है कि निर्वाचन आयोग अगले सप्ताह विधानसभा चुनाव की तिथियों की घोषणा कर सकता है।

### राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन-शिलान्यास

सड़क संपर्क को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री 420 किलोमीटर से अधिक लंबाई की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे, जिनकी कुल लागत लगभग 16,990 करोड़ रुपये है। इनमें पश्चिम बंगाल और झारखंड में राष्ट्रीय राजमार्ग-19 तथा पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय राजमार्ग-114 के हिस्से शामिल हैं, जिनका उद्देश्य सड़क सुरक्षा बढ़ाना, यात्रा समय कम करना और क्षेत्रीय संपर्क बेहतर करना है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राजमार्ग-116ए के तहत खड़गपुर-मोरेग्राम आर्थिक गलियारे के 231 किलोमीटर लंबे चार लेन मार्ग की पांच परियोजनाओं की आधारशिला भी रखेंगे। रेलवे क्षेत्र में वह अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत राज्य के छह पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन करेंगे, जिनका उद्देश्य यात्री सुविधाओं और बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण करना है।

## बिहार विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी, ईमेल की जांच

**पटना (एजेंसी)।** बिहार विधानसभा को शुक्रवार को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिलने से हड़कंप मच गया। इस सूचना के बाद विधानसभा प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं। विधानसभा परिसर की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। मामले की जानकारी मिलते ही विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने तत्काल संज्ञान लेते हुए सभा सचिवालय के वरीय पदाधिकारियों के साथ आपात बैठक की। जिसमें पूरे मामले की समीक्षा की गई और सुरक्षा से जुड़े आवश्यक निर्देश दिए गए। अध्यक्ष ने प्रभारी सचिव ख्याति सिंह को निर्देश दिया कि वे इस मामले की जानकारी राज्य के मुख्य सचिव और बिहार पुलिस के पुलिस महानिदेशक को दें, ताकि विधानसभा परिसर की सुरक्षा के दृष्टिकोण से तत्काल जांच कराई जा सके। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा पूरे परिसर में जांच अभियान चलाया गया और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। फिलहाल सुरक्षा के मद्देनजर विधानसभा परिसर में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है और आने-जाने वाले लोगों की सघन जांच की जा रही है।

## मानवाधिकार आयोग का मानव तस्करी को लेकर पांच राज्यों को नोटिस

एजेंसी

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने देश में लापता व्यक्तियों की बढ़ती संख्या और उन्हें ढूंढने में प्रशासन के निराशाजनक प्रदर्शन पर कड़ा रुख अपनाया है। आयोग ने इस मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए बिहार, ओडिशा, तेलंगाना, महाराष्ट्र और राजस्थान के मुख्य सचिवों और पुलिस महानिदेशकों (डीजीपी) को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

आयोग ने बताया कि 9 मार्च 2026 की एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों से पता चलता है कि मानव तस्करी के अधिकतम मामले ओडिशा, बिहार, तेलंगाना और महाराष्ट्र में दर्ज किए गए हैं। किशोर की तस्करी के मामलों में ओडिशा सबसे आगे है। उसके बाद बिहार है। किशोरियों की तस्करी में राजस्थान में सबसे अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। यह संदेह है कि इन बच्चों को भीख मांगने, बाल श्रम, वेश्यावृत्ति और अन्य अवैध गतिविधियों में धकेला जाता है। बिहार में 2013 से हर साल दर्ज होने वाले 12-14 हजार गुमशुदा व्यक्तियों के मामलों में से दो-तिहाई को ही बचाया जा सका है। इनमें से कई बच्चे हैं।

आयोग ने रिपोर्ट में लापता व्यक्तियों, विशेषकर बच्चों की बढ़ती संख्या से निपटने के लिए उठाए गए प्रस्तावित कदमों और एनसीआरबी से इन राज्यों में लापता व्यक्तियों की स्थिति पर नवीनतम सांख्यिकीय आंकड़े भी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

**वैश्विक चर्चा** पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव पर पीएम मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति से की बातचीत

# भारतीयों की सुरक्षा और ऊर्जा आपूर्ति पर दिया जोर

एजेंसी

**नई दिल्ली।** पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और बिगड़ते हालात के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से फोन पर बातचीत कर क्षेत्र की मौजूदा स्थिति की समीक्षा की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच क्षेत्रीय सुरक्षा, बढ़ते संघर्ष और उसके संभावित वैश्विक प्रभावों पर चर्चा हुई।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ती हिंसा, नागरिकों की मौत और बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान को लेकर भारत गहरी चिंता व्यक्त करता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में विदेशों में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पीएम मोदी ने बातचीत के दौरान यह भी रेखांकित किया कि सामान और ऊर्जा की निर्बाध आवाजाही भारत के लिए बेहद अहम है। उन्होंने कहा कि यदि ऊर्जा आपूर्ति या व्यापारिक मार्गों में किसी तरह की रुकावट आती है तो इसका असर न केवल भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा, बल्कि पूरे क्षेत्र की स्थिरता भी प्रभावित हो सकती है।

प्रधानमंत्री ने सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील करते हुए कहा कि मौजूदा संकट का समाधान केवल संवाद और कूटनीति के माध्यम से ही संभव है। उन्होंने तनाव कम करने और रचनात्मक बातचीत को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि हालात और ज्यादा खराब न हों।

भारत और ईरान के बीच लंबे समय से गहरे सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और आर्थिक संबंध रहे हैं। ऊर्जा सहयोग दोनों देशों के रिश्तों का महत्वपूर्ण आधार रहा है। इसके अलावा चाबहार पोर्ट परियोजना भारत के लिए मध्य एशिया और अफगानिस्तान तक व्यापार और संपर्क का एक अहम रणनीतिक मार्ग मानी जाती है।

प्रधानमंत्री मोदी की यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार, व्यापार मार्गों और प्रवासी समुदायों की सुरक्षा को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। भारत इन परिस्थितियों में संतुलित कूटनीति के जरिए अपने राष्ट्रीय हितों और क्षेत्रीय शांति, दोनों को साधने की कोशिश कर रहा है। भारत लगातार क्षेत्र में शांति, स्थिरता और कूटनीतिक समाधान की वकालत करता रहा है। यह अहम भी है क्योंकि पश्चिम एशिया में अस्थिरता का असर भारत की ऊर्जा सुरक्षा और वहां रह रहे बड़े भारतीय समुदाय पर सीधे तौर पर पड़ सकता है।

# भारत-ईरान के विदेश मंत्रियों के बीच बातचीत, क्षेत्रीय हालात पर चर्चा

एजेंसी

**नई दिल्ली/तेहरान।** भारत और ईरान के विदेश मंत्रियों के बीच टेलीफोन पर बातचीत हुई, जिसमें अमेरिका-इजराइल के साथ बढ़ते तनाव के बाद क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय हालात पर चर्चा की गई। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शुक्रवार को एक्स पर इसकी संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गुरुवार रात ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची से एक और बातचीत हुई। द्विपक्षीय मामलों के साथ-साथ ब्रिक्स से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

ईरान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि विदेश मंत्री

अराघची ने अपने भारतीय समकक्ष जयशंकर को अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ किए गए कथित आक्रामक कदमों तथा उनके क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में जानकारी दी। अराघची ने कहा कि ईरान की सरकार, जनता और सशस्त्र बल हमलों के खिलाफ अपने वैध आत्मरक्षा के अधिकार का इस्तेमाल करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। उन्होंने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से ईरान के खिलाफ सैन्य आक्रामकता की निंदा करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

### पश्चिम एशिया में सैन्य संघर्ष के बाद से यह चौथी बातचीत

ईरानी विदेश मंत्री ने बहुपक्षीय सहयोग के मंच के रूप में ब्रिक्स के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में इस मंच को क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता एवं सुरक्षा के समर्थन में रचनात्मक भूमिका निभानी चाहिए। उल्लेखनीय है कि पश्चिम एशिया में सैन्य संघर्ष के बाद से डॉ. जयशंकर और अराघची के बीच यह चौथी बातचीत है।

# रिक्शा चलाकर विधानसभा पहुंचे इरफान

### प्रदर्शनकारियों के सामने नीरा का विरोध

वहीं, इस दौरान बीजेपी विधायक नीरा यादव भी पहुंच गई और प्रदर्शनकारियों के सामने ही जमकर विरोध किया और कहा कि इन लोगों को प्रधानमंत्री का अपमान करने का अधिकार नहीं है। सत्ता पक्ष के विधायक और मंत्रियों का ड्रामा है।

### हरदीप पूरी ने देशवासियों को गुमराह किया: शिल्पी

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि केंद्रीय पेट्रोलियम हरदीप पुरी ने पूरे देश को गुमराह किया है। पूरी अर्थव्यवस्था चौपट हो रही है और देश की जनता की समस्याओं के समाधान के लिए पीएम मोदी को ट्रंप का परमिशन चाहिए। इसका विरोध करते हुए हम रिक्शा से आये हैं। वहीं कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने कहा कि देश की सरकार के कुप्रबंधन के चलते एलपीजी की किल्लत हो गयी है। मंदिरों में भगवान का भोग नहीं बन रहा है और खुद को हिंदूवादी कहने वाले लोग चुप हैं। वहीं राजद विधायक दल के नेता सुरेश पासवान ने कहा कि जब से देश में नरेंद्र मोदी की सरकार आयी है तब से देश परेशानियों से जूझ रहा है।

वरीय संवाददाता

**रांची।** झारखंड विधानसभा के बजट सत्र का आज 14वां दिन है। सदन शुरू होने से ठीक पहलेइंडिया गठबंधन के विधायकों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की अनोखे अंदाज में रिक्शा पर बैठकर विधानसभा पहुंची। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी खुद रिक्शा चला रहे थे। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। मंत्रियों ने केंद्र सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि देश गर्त में जा रहा है। केंद्र की गलत विदेश नीति की वजह से लोगों पर बुरा असर पड़ रहा है। आम लोग पेट्रो-डीजल और एलपीजी गैस तक के लिए परेशान हो रहे हैं। महंगाई और बेरोजगारी से आम आदमी के हाल बेहाल हैं।

**गैस सिलेंडर के बैनर पोस्टर के साथ किया प्रदर्शन**

विधानसभा के मुख्य द्वार पर आज रसोई गैस की कीमत को लेकर सत्ता पक्ष के विधायक और मंत्रियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर हंगामा किया। इस दौरान गैस सिलेंडर का बैनर पोस्टर लिए एलपीजी गैस को दशार्ते हुए विरोध किया गया। बैनर पोस्टर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पैर के नीचे घुटने टेकते हुए दिखाया गया। प्रदर्शनकारी विधायकों का कहना है कि ट्रंप और मोदी की दोस्ती के कारण ही प्रदेश में गैस की कीमत में बढ़ोतरी हुई है। कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव ने भी केंद्र सरकार को दोषी करार दिया। मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने गैस की कीमत लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते नजर आए।

## विभाग में सुधार का आग्रह, मंत्री ने कहा-अपने शासन की असफलता का ठीकरा बीजेपी हम पर फोड़ रही

संवाददाता

**रांची।** झारखंड विधानसभा के बजट सत्र में प्रश्नकाल के दौरान जेएमएम विधायक सुदीप गुड़िया ने तोरपा विधानसभा क्षेत्र के रेफरल अस्पताल तोरपा में एक भी प्रसूति रोग एवं एनेस्थीसिया विशेषज्ञ के नहीं होने का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि सदन को गुमराह करने वाला जवाब मिला है। विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा किरेफरल अस्पताल में अल्ट्रासाउंड मशीन भी लगे होने की गलत बात बताया है। इस पर मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि हमारा विभाग स्वास्थ्य सेवा को लेकर गंभीर है। ये बात सही है कि डॉक्टरों की कमी है, ऑपरेटरों की भी कमी है। जल्द से जल्द से बहाली प्रक्रिया पूरा करा लिया जाएगा।

### पटना में जिस डॉक्टर को 03 लाख देने का वादा किया था उस डॉक्टर को बुला लेना चाहिए

बीजेपी विधायक सीपी सिंह ने मंत्री इरफान अंसारी पर तंज सकते हुए कहा कि स्वास्थ्य मंत्री संवेदनशील है। पटना में जिस डॉक्टर 03 लाख देने का वादा किया था उस डॉक्टर को बुला लेना चाहिए। स्पीकर ने सीपी सिंह पर चुटकी लेते हु कहा कि सीपी सिंह की सूचना गंभीर है।

### अपने शासन की असफलता का ठीकरा बीजेपी हम पर फोड़ना चाह रही है: शिल्पी नेहा तिर्की

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने स्वास्थ्य मंत्री का बचाव करते हुए कहा कि अपने शासन की असफलता का ठीकरा बीजेपी हम पर फोड़ना चाह रही है। देश की स्थिति क्या है यह किसी से छुपी नहीं है और बीजेपी हम पर अराजकता फैलाने के आरोप लगा रही हैं। सदन में अनुसूचित जाति, जनजाति,पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के लिए 31 अरब 88 करोड़ के अनुदान की मांग पेश की गई।

## संक्षिप्त खबरें

### नेतरहाट आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

**रांची।** मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में ठनेतरहाट आवासीय विद्यालय, लातेहार के विद्यार्थियों ने शिष्टाचार मुलाकात की। विधानसभा भ्रमण कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री से मिलकर उनसे परिचर्चा की। इस दौरान विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री के साथ उत्साहपूर्वक बातचीत की और उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। मुख्यमंत्री ने बच्चों से उनकी पढ़ाई और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई करने तथा अपने सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रयास करने की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री को उनकी तस्वीर भी भेंट की।

### इंडो-यूएस ट्रेड डील के विरोध में 16 मार्च को संसद घेराव करेगा युवा कांग्रेस

**रांची।** झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस ने इंडो-यूएस ट्रेड डील के विरोध में 16 मार्च को दिल्ली में संसद घेराव करने की घोषणा की है।

शुक्रवार को रांची स्थित कांग्रेस भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में संगठन के नेताओं ने इस डील को देश और किसानों के हितों के खिलाफ बताते हुए इसके विरोध को तेज करने की बात कही। रांची महानगर युवा कांग्रेस के अध्यक्ष गौरव सिंह ने कहा कि भारत-अमेरिका ट्रेड डील देश के किसानों पर सीधा प्रहार है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस समझौते के कारण भारत की विदेशी नीति प्रभावित हो रही है और कई फैसलों में अमेरिका का दबाव नजर आ रहा है। संवाददाता सम्मेलन में उज्ज्वल तिवारी, सौरभ अग्रवाल, समेत कई नेता उपस्थित थे।

### प्रशासन की सक्रियता से टला सड़क जाम कार्यक्रम

**कांके।** कांके के सुकुरहुटू गांव में 12 मार्च को राजेंद्र मुंडा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के विरोध में केंद्रीय सरना समिति और सरना समाज के लोगों ने अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर शुक्रवार को रिम्स में पोस्टमार्टम के बाद सड़क जाम करने का कार्यक्रम तय किया था। हालांकि, सोशल मीडिया और समाचारों में मामला सामने आने के बाद पुलिस प्रशासन और कांके थाना पुलिस सक्रिय हो गई। पुलिस अधिकारियों ने केंद्रीय सरना समिति के पदाधिकारियों, समाजसेवियों और ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें समझाया। पुलिस प्रशासन के आश्वासन के बाद केंद्रीय सरना समिति से जुड़े लोगों और ग्रामीणों ने सड़क जाम कार्यक्रम को फिलहाल टाल दिया। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि मामले में शामिल अपराधियों को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस प्रशासन की सक्रियता के कारण संभावित सड़क जाम टल गया, जिससे आम जनता को होने वाली परेशानी से राहत मिली।

### सेंट जेवियर्स कॉलेज में आरबीआई का वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम

**रांची।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के रांची क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा अप-लिफ्ट कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को सेंट जेवियर्स कॉलेज, रांची में छात्र-छात्राओं के लिए वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आरबीआई, रांची के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन प्रसाद उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि आरबीआई द्वारा 9 से 15 मार्च तक डिजिटल भुगतान जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य डिजिटल लेन-देन को सुरक्षित और जिम्मेदार बनाना तथा लोगों को साइबर धोखाधड़ी से बचाव के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम के दौरान आरबीआई के मनीवाइज कार्यक्रम के तहत साख फाउंडेशन के राज्य प्रमुख मनोज सिंह भी मौजूद रहे। इस अवसर पर छात्रों को केंद्रीय बैंक की भूमिका, बैंकिंग प्रणाली, डिजिटल बैंकिंग और वित्तीय साक्षरता के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विजेता छात्रों को पुरस्कृत किया गया।

### नए कुलपति ने किया पदभार ग्रहण

**रांची।** राजधानी के मोरहाबादी में स्थितडॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि को शुक्रवार को यानी नया कुलपति मिल गया है। नए कुलपति के तौर पर डॉक्टर राजीव मनोहर ने पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के मौके पर श्यामा प्रसाद यूनिवर्सिटी के सचिव डॉक्टर धनंजय द्विवेदी मौजूद रहे। उन्होंने नए कुलपति का बुके देकर भव्य स्वागत किया। इस मौके पर नए कुलपति प्रोफेसर राजीव मनोहर ने कहा कि रिसर्च पहली प्राथमिकता है। विद्यार्थियों से उन्होंने कहा कि ऐसे विषय की पढ़ाई कि जाए जो सहज रूप सेरोजगार दे सके। नए कुलपति के लिए सबसे बड़ी चुनौती है कर्मचारियों का जो 25 दिनों से हड़ताल चल रहा। इस मुद्दे पर उन्होंने कहा है लोकभवन और तमाम अधिकारियों से बातचीत करने के बाद नियम के अनुसार जो समाधान होगा उसे निकाला जाएगा।

## सदन के बाहर हेमंत सरकार के खिलाफ लगे हाय-हाय के नारे, भाजपा विधायकों ने वादाखिलाफी का लगाया आरोप

वरीय संवाददाता

**रांची।** बजट सत्र के दौरान प्रमुख विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के विधायकों ने सरकार के कामकाज से खफा होकर विधानसभा परिसर में जमकर नारेबाजी की। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में भाजपा विधायकों ने इस दौरान छात्रों की लंबित छात्रवृत्ति को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की।

इस दौरान मीडिया से बातचीत में भाजपा के मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार हर मोर्चे पर विफल है। कल्याण विभाग के द्वारा छात्रों को लंबे समय से छात्रवृत्ति नहीं दी जा रही है और सरकार चुप बैठी है। इसी तरह से मंईयां सम्मान योजना के जरिए महिलाओं को ठगा गया है। बड़ी संख्या में पहले महिलाओं को प्रलोभन दिया गया कि उन्हें योजना का लाभ मिलेगा, फिर बाद में उनका नाम काट दिया गया। कुल मिलाकर सरकार में महिलाओं और छात्रों को ठगने का काम किया है।

### कांग्रेस पर भी भाजपा विधायक ने साधा निशाना

पूर्णिमा दास ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पेट्रोल-डीजल और एलपीजी सिलेंडर को लेकर प्रदर्शन कर जनता को गुमराह किया जा रहा है। इन्हें थोड़ा भी सामान्य ज्ञान नहीं है कि जब युद्ध चलता है तो देश प्रभावित होता है, लेकिन भारत ने तैयारी कर रखी है। भाजपा विधायक ने कहा कि इन्होंने जो वादा किया था कि 450 रुपये में गैस सिलेंडर देंगे उसे वह भूल गए। इन्हें बोलने का कोई अधिकार नहीं है कि पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ गए हैं। दुनिया के सभी देशों में दाम बढ़े हैं और अपने यहां अभी नहीं बढ़ा है। विधायक पूर्णिमा दास ने राज्य सरकार के द्वारा खरीद की गई पुलिस पेट्रोलिंग गाड़ियों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जब से ये गाड़ियां खरीदी गई है उसका इस्तेमाल सिर्फ सरकार प्रचार-प्रसार के लिए कर रही है। गाड़ियों को बेवजह सड़कों पर दौड़ाई जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने सिर्फ और सिर्फ राज्य की महिलाओं, छात्रों, युवाओं और किसानों को ठगने के काम किया है।

### केंद्र पर दोष मढ़कर बचना चाहती है सरकार: पूर्णिमा

हेमंत सरकार के खिलाफ आंदोलन कर रहीं भाजपा नेत्री और विधायक पूर्णिमा दास ने कहा कि छात्रवृति को लेकर छात्र परेशान हैं, लेकिन राज्य सरकार चुप्पी साधे बैठी है। उन्होंने कहा कि कल्याण विभाग के द्वारा जो एससी और एसटी छात्रों को छात्रवृति दी जाती है उसकी पूरी राशि राज्य को देना है, ना कि उसमें केन्द्रांश है। ऐसे में राज्य सरकार झूठ बोलकर केंद्र पर दोष मढ़कर छात्रों के साथ धोखाधड़ी कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को यह बताना होगा कि आखिर समय पर परीक्षा क्यों आयोजित नहीं की जा रही है और छात्रों की परेशानी क्यों नहीं दूर की जा रही है।

## ऑटो जेनरेटेड म्यूटेशन के निष्पादन का मामला

वरीय संवाददाता

**रांची।** झारखंड विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान सदन में कांग्रेस विधायक राजेश कश्यप ने अंचल कार्यालय में ऑटो जेनरेटेड म्यूटेशन के निष्पादन का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि साल-2022 के बाद ऑटो म्यूटेशन को निष्पादित किया जा रहा है, लेकिन जो नहीं करा पाए उनके लिए क्या व्यवस्था है।

इस पर मंत्री ने जवाब देते हुए कहा कि जोलोग दाखिल खारिज नहीं करा पाए है वेफिर से आवेदन दे सकते हैं। अंचल कार्यालय अगर रिजेक्ट किया है तो एलआरडीसी के कोर्ट में अपील किया जा सकता है और रिजेक्शन को सुधार किया जा सकता है। ऑनलाइन सिस्टम में बहुत गड़बड़ियां हुई है जिसे सुधरा जा रहा है।

### पूरे राज्य में सीओ की यही स्थिति है: बाबूलाल

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि पूरे राज्य में सीओ की यही स्थिति है। ऑनलाइन रसीद के लिए प्रति डिसमिल 2000 रुपए देने पड़ते हैं। जिस वक्त राहुल सिन्हा डीसी थे, उस वक्त सीओ म्यूटेशन के लिए 50 हजार रूपए मांग रहे थे। उन्होंन सरकार से आग्रह करते हुए कहा कि व्यवस्था ठीक करने के लिए सीओ को आदेश दिया जाए।बीजेपी विधायक नवीन जयसवाल ने भी सरकार से कैंप लगाकर हर पंचायत स्तर पर जिला से पदाधिकारी भेजकर व्यवस्था सुधारने का आग्रह किया है।

## झारखंड में बाहरी कुलपति क्यों? विधानसभा में सवाल, शिक्षा विशेषज्ञों ने खोली व्यवस्था की पोल

रांची। झारखंड विधानसभा में राज्य के प्रमुख विश्वविद्यालयों में कुलपति नियुक्ति का मामला गूंजा। शून्यकाल के दौरान कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने इस मुद्दे को उठाते हुए सवाल किया कि आखिर झारखंड के विश्वविद्यालयों में कुलपति पद के लिए बाहर के शिक्षाविदों को प्राथमिकता क्यों दी जा रही है। क्या झारखंड में ऐसे योग्य शिक्षाविदों की कमी हो गई है जो इन विश्वविद्यालयों का नेतृत्व कर सकें? यह सवाल अब राजनीतिक और शैक्षणिक दोनों ही हलकों में चर्चा का विषय बन गया है। दरअसल 10 मार्च को कुलाधिपति सह राज्यपाल की ओर से तीन विश्वविद्यालयों में नए कुलपतियों की नियुक्ति की अधिसूचना जारी की गई थी। इसके तहत प्रो. राजीव मनोहर को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) रांची, प्रो. ईला कुमार को महिला विश्वविद्यालय जमशेदपुर और अभय कुमार सिंह को झारखंड राज्य मुक्त विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया है। इन नियुक्तियों को लेकर विधानसभा में सवाल उठाए गए।विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि यह समझ से परे है कि झारखंड के विश्वविद्यालयों में कुलपति पद के लिए बाहर के लोगों को क्यों चुना जा रहा है। उन्होंने सरकार से पूछा कि क्या झारखंड के शिक्षाविदों ने इन पदों के लिए आवेदन नहीं किया था। अगर आवेदन किया था तो क्या सर्च कमेटी ने उनकी अनुशंसा नहीं की।

## एलपीजी संकट और बढ़ती तेल कीमतों के खिलाफ विरोध, मंत्री हुई शामिल

संवाददाता

**रांची।** एलपीजी की किल्लत और पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के विरोध में झारखंड विधानसभा के बाहर महागठबंधन के घटक दलों द्वारा शुक्रवार को विरोध-प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शन में झारखंड सरकार की मंत्री दीपिका पांडेय सिंह भी शामिल हुईं।

प्रदर्शन के दौरान मंत्री ने केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि देश की जनता इस समय गंभीर संकट का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय दबाव के आगे केंद्र सरकार झुक गई है, जिसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

मंत्री ने कहा कि आज हर घर में यह चिंता है कि एलपीजी सिलेंडर कहां से मिलेगा और वाहन चलाने के लिए पेट्रोल-डीजल कैसे उपलब्ध होगा। उन्होंने दावा किया कि देश में एलपीजी की कमी स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगी है, जिससे आम लोगों के साथ-साथ कमर्शियल सिलेंडर पर निर्भर कारोबार भी प्रभावित हो रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि सरकार असली मुद्दों से ध्यान हटाकर केवल नारों और प्रतीकों की राजनीति कर रही है। संसद में विपक्षी नेताओं ने कई बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गैस संकट के बारे में आगाह किया, लेकिन सरकार की ओर से कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया।

मंत्री ने केंद्र सरकार से मांग की कि एलपीजी की आपूर्ति जल्द से जल्द सामान्य की जाए और पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण कर आम जनता को राहत दी जाए।

## पांच दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान में 115 मामले सुलझे

### अंतिम दिन 54 मामलों को सुलझाने में सफलता मिली

वरीय संवाददाता

**रांची।** व्यवहार न्यायालय रांची स्थित मध्यस्थता केंद्र में पांच दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान का शुक्रवार समापन हो गया। यह मध्यस्थता अभियान माननीय न्यायामूर्ति-सह-कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा सुजित नारायण प्रसाद के दिशा निर्देश पर एवं सदस्य सचिव झालसा, कुमारी रंजना अस्थाना एवं माननीय न्यायायुक्त, रांची अनिल कुमार मिश्रा-1 के मार्गदर्शन में तथा डालसा सचिव की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। विशेष मध्यस्थता अभियान के पहले दिन 15, दूसरे दिन 15, तीसरे दिन 20, चौथे दिन 11 और अंतिम दिन 54 मामलों को अधिवक्ता मध्यस्थ, विशेषज्ञ मध्यस्थत एवं दोनों पक्षों के विद्वान अधिवक्ताओं की सुझबूझ एवं अथक प्रयास से सफलतापूर्वक सुलझाया गया।

अंतिम दिन कुल 54 मामले विभिन्न न्यायालयों से स्थानांतरित होकर मध्यस्थता केंद्र, रांची में आये थे, जिसमें से सभी 54 मामलों को सफलतापूर्वक मध्यस्थों और अधिवक्ताओं के सहयोग से सुलझा लिया गया। दोनों पक्ष राजी-खुशी से अपने मामले को समाप्त करने के लिए तैयार हो गये। डालसा सचिव ने कहा कि उक्त मध्यस्थता अभियान में वादों के निस्तारण में मध्यस्थों व दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं की भुमिका सराहनीय है।

## सरहुल और ईद को स्वच्छ व पर्यावरण अनुकूल बनाने की तैयारी, नगर निगम में समीक्षा बैठक

संवाददाता

**रांची।** झारखंड के प्रमुख सांस्कृतिक पर्व सरहुल और आगामी ईद को स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल तरीके से मनाने को लेकर शुक्रवार को रांची नगर निगम में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता निगम के प्रशासक सुशांत गौरव ने की। बैठक में 21 मार्च 2026 को मनाए जाने वाले सरहुल पर्व और ईद के मद्देनजर शहर में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जन-जागरूकता से जुड़े कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू करने पर चर्चा की गई। प्रशासक ने निर्देश दिया कि दोनों प्रमुख पर्वों के अवसर पर शहर को स्वच्छ, व्यवस्थित और पर्यावरण के अनुकूल बनाए रखने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि सरहुल प्रकृति और पर्यावरण के प्रति सम्मान का प्रतीक है, जबकि ईद भाईचारे और सामाजिक सद्भाव का संदेश देती है। ऐसे अवसरों पर नागरिकों की भागीदारी से स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश पूरे शहर में फैलाया जा सकता है।

**दिए गए प्रमुख निर्देश** : बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। पर्व के दौरान सभी आयोजन स्थलों और जुलूस मार्गों को प्लास्टिक मुक्त रखने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। प्रमुख कार्यक्रम स्थलों पर कचरे के पृथक्करण, संग्रहण और वैज्ञानिक निस्तारण की व्यवस्था लागू की जाएगी। इसके अलावा शहर के प्रमुख इलाकों में स्वच्छ स्ट्रीट फूड व्यवस्था को बढ़ावा दिया जाएगा और खाद्य विक्रेताओं को स्वच्छता मानकों का पालन करने के लिए जागरूक किया जाएगा। नागरिकों को रीयूज और रीसाइक्लिंग केंद्रों के उपयोग के लिए प्रेरित किया जाएगा, ताकि उपयोगी वस्तुओं के पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण को बढ़ावा मिल सके। नगर निगम की ओर से जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से नागरिकों, दुकानदारों, स्वयंसेवी संगठनों और आयोजन समितियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा।बैठक में अपर प्रशासक संजय कुमार सहित नगर निगम के विभिन्न विभागों के अधिकारी और स्वच्छता सर्वेक्षण से जुड़े पदाधिकारी उपस्थित थे।

## डीएसपीएमयू में 25 दिनों से हड़ताल, नए वीसी के पहुंचते ही मुख्य गेट पर बदला माहौल

वरीय संवाददाता

**रांची।** डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि (डीएसपीएमयू) रांची को शुक्रवार को नया नेतृत्व मिल गया। प्रोफेसर डॉ राजीव मनोहर ने विश्वविद्यालय के नए कुलपति के रूप में पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करते ही उन्होंने विवि में लंबे समय से चल रहे गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के आंदोलन को लेकर सकारात्मक संकेत दिए।

जिससे कर्मचारियों के बीच समाधान की उम्मीद जगी है। पदभार ग्रहण के मौके पर विवि के कुल सचिव डॉ धनंजय द्विवेदी मौजूद रहे। उन्होंने नए कुलपति का बुके देकर स्वागत किया और विश्वविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विवि के कई अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे। गौरतलब है कि विश्वविद्यालय में पिछले करीब 25 दिनों से कर्मचारी एमएसीपी सहित अन्य मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से लंबित मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया जा रहा है। जिसके कारण उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा है। इस आंदोलन का असर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यों पर भी पड़ रहा है। नए कुलपति डॉ राजीव मनोहर ने पदभार ग्रहण करने के बाद

आंदोलनरत कर्मचारियों से भी मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने कर्मचारियों से कहा कि उनकी पीड़ा को वह समझते हैं और इस मुद्दे का समाधान निकालने के लिए उच्च स्तर पर बातचीत की जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि लोक भवन और उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अधिकारियों से इस विषय पर चर्चा कर जल्द से जल्द नियमों के अनुरूप समाधान निकालने की कोशिश की जाएगी। नए कुलपति ने विवि में शोध (रिसर्च) को भी विशेष प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने कहा कि किसी भी विवि की पहचान उसके शोध कार्यों से होती है। इसलिए डीएसपीएमयू में रिसर्च गतिविधियों को और मजबूत किया जाएगा।

## संक्षिप्त खबरें

### बढ़ते कदम फाउंडेशन ने सिलाई सीख रही महिलाओं को किया सम्मानित

**बोकारो।** जरीडीह प्रखंड के अंतर्गत जैनामोड़ स्थित सिलाई प्रशिक्षण केंद्र में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह के अवसर पर बढ़ते कदम फाउंडेशन की ओर से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सिलाई सीख रही महिलाओं के बीच केक काटकर तथा उपहार वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया और उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करना तथा उनके मनोबल को बढ़ाना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में टांड़ मोहनपुर पंचायत की मुखिया उर्मिला कुमारी उपस्थित रहीं। उन्होंने सिलाई केंद्र की प्रशिक्षिका तारा देवी के साथ केक काटकर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज के समय में महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं और देश-विदेश में अपनी पहचान बना रही हैं। शिक्षा, खेल, राजनीति, प्रशासन, व्यवसाय और कला जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी समाज के लिए प्रेरणादायक है। इस अवसर पर सिलाई केंद्र की प्रशिक्षिका तारा देवी, दीपमाला दत्ता, अंजू कुमारी, संजू कुमारी, ममता देवी, रेखा देवी, शिखा कुमारी, लक्की कुमारी, खुशबू कुमारी, गीता कुमारी सहित दर्जनों महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का समापन महिलाओं के बीच उपहार वितरण तथा सामूहिक शुभकामनाओं के साथ किया गया।

### चंद्रपुरा पुलिस ने दो चोरों को गिरफ्तार कर भेजा जेल, चोरी के एलईडी टीवी और टैब बरामद

**चंद्रपुरा/ बोकारो।** चंद्रपुरा थाना परिसर में पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर उत्क्रमित मध्य विद्यालय जुनौरी के कार्यालय का ताला तोड़कर की गई चोरी की घटना का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि चंद्रपुरा, नावाडीह, जरीडीह, हरला और पेटरवार थाना क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों से चोरी किए गए सीएलटी रिकनेक्ट कंपनी के काले रंग के 43 इंच के 17 एलईडी टीवी तथा 10 टैब को बरामद करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में करण कुमार रजवार उर्फ भोंदू और सागर कुमार शामिल हैं। करण कुमार रजवार उर्फ भोंदू हरला थाना क्षेत्र के महुआर का निवासी है, जबकि सागर कुमार हरला थाना क्षेत्र के वैद्यमारा का रहने वाला है। पुलिस पूछताछ के दौरान करण कुमार रजवार ने बताया कि वह कर्ज चुकाने के लिए चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था। पूछताछ में उसने पेटरवार, नावाडीह, जरीडीह और हरला थाना क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों में हुई चोरी की घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है।

### मानदेय से वंचित शिक्षिकाओं ने उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन, भुगतान की उठाई मांग

**बोकारो।** लोकसभा आम चुनाव 2024 के दौरान सामग्री कोषांग में कार्य करने के बावजूद मानदेय भुगतान से वंचित रखे जाने से नाराज शिक्षिकाओं का एक प्रतिनिधि मंडल शुक्रवार को उपायुक्त से मिला और उन्हें ज्ञापन सौंपकर न्याय की मांग की। प्रतिनिधि मंडल ने उपायुक्त को बताया कि चुनाव कार्य में लगे 177 शिक्षकों में से कई शिक्षकों को एक बेसिक वेतन के बराबर मानदेय का भुगतान कर दिया गया है, जबकि कुछ शिक्षिकाओं को अब तक मानदेय नहीं दिया गया है। इसको लेकर शिक्षिकाओं में नाराजगी देखी जा रही है। शिक्षिकाओं ने ज्ञापन के माध्यम से कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान उन्हें सामग्री कोषांग में विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं। उन्होंने पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ सभी कार्यों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। चुनाव जैसे महत्वपूर्ण कार्य में दिन-रात मेहनत कर उन्होंने प्रशासन का सहयोग किया, लेकिन इसके बावजूद मानदेय भुगतान में उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया।

### बोकारो में अकीदत के साथ अदा हुई अलविदा की नमाज, अमन-चैन और देश की तरक्की के लिए मांगी गई दुआ

बोकारो। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी बोकारो के विभिन्न मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में अलविदा की नमाज श्रद्धा, सादगी और आपसी सौहार्द के माहौल में अदा की गई। उकरीद, सिवनडीह, डुमरो आजाद नगर, हैसाबातु, मखदुमपुर, इस्लामपुर, सिजुवा, झोपरो, बालीडीह, भर्रा, चास, अंसारी मोहल्ला, सुल्तान नगर, न्यू पिंडरगड़िया, सोलागिडी, आगरडीह, धनगरी, करमागौडा, महेशपुर, पिपराटाड़, बस्तेजी, पचौड़ा, रजा नगर, मोहनडीह, जाला, घटयारी, सोनाबाद, नारायणपुर और गोपालपुर सहित कई इलाकों की मस्जिदों में बड़ी संख्या में नमाजियों ने अलविदा की नमाज अदा की। सुबह से ही मस्जिदों में नमाजियों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। मस्जिदों के भीतर के साथ-साथ बाहर भी नमाजियों की भारी भीड़ देखने को मिली।

### रॉयल पब्लिक स्कूल के बच्चों ने किया सेक्टर-4 थाना का शैक्षणिक भ्रमण

बोकारो। रॉयल पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4 के विद्यार्थियों ने बैगलेस डे कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को सेक्टर-4 थाना का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यालय की छठी से लेकर नौवीं कक्षा तक के छात्र-छात्राओं ने थाना परिसर का दौरा कर पुलिस व्यवस्था और कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान बच्चों ने थाना प्रभारी संजय कुमार से मुलाकात कर उनका स्वागत किया।

# नदियों और जल स्रोतों को अपने बेटे-बेटियों की तरह दें सम्मान : उपायुक्त

झारखंड दर्शन संवाददाता

**बोकारो।** गरगा नदी और अन्य स्थानीय जल स्रोतों को प्रदूषण मुक्त कर उनके पुराने स्वरूप को वापस लौटाने के लिए जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। शुक्रवार को समाहरणालय में आयोजित मल्टी स्टेकहोल्डर वर्किंग ग्रुप की महत्वपूर्ण बैठक में उपायुक्त अजय नाथ झा ने जल संरक्षण को लेकर एक अत्यंत संवेदनशील और भावनात्मक अपील की।

उन्होंने कहा कि हमें अपनी नदियों और जल स्रोतों को अपने बेटे-बेटियों की तरह सम्मान देना चाहिए और उनकी स्वच्छता को अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी माननी चाहिए। राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान और नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा के सहयोग से देश के 60 शहरों के लिए तैयार किए जा रहे अर्बन रिवर मैनेजमेंट प्लान के तहत चास शहर को भी शामिल किया गया है।

इस महत्वाकांक्षी योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को सख्त निर्देश दिया है कि बेस लाइन सर्वे के लिए आवश्यक डेटा और सूचनाएं बिना किसी देरी के निर्धारित समय सीमा के भीतर एजेंसी को उपलब्ध कराएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि विभागों के बीच आपसी समन्वय ही इस योजना की सफलता की आधारशिला है। बैठक के दौरान नदी प्रबंधन से जुड़े तकनीकी पहलुओं जैसे फ्लड प्लान, मास्टर प्लान, रिवर जोन की पहचान, लिक्विड व सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट और सीवरेज प्लान पर विस्तार से चर्चा की गई। उपायुक्त ने उन कारकों और सामग्रियों को चिन्हित करने पर विशेष जोर दिया जो गरगा नदी को दूषित कर रहे हैं। संबंधित विभागों को इन कारणों की पहचान कर ठोस और प्रभावी समाधान की दिशा में कार्य करने का निर्देश दिया गया है। इस बैठक में अपर नगर आयुक्त चास संजीव कुमार, वन पदाधिकारी संदीप शिंदे, नमामि गंगे के नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार और दामोदर बचाव समिति के सदस्यों सहित कई विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन का लक्ष्य न केवल बुनियादी ढांचा तैयार करना है, बल्कि जन-जागरूकता के माध्यम से नदियों के प्रति नागरिकों के नजरिए में भी सकारात्मक बदलाव लाना है।

### रांची में 15 को गौरव समागम में जुटेंगे क्षत्रिय समुदाय के 50 हजार लोग, तैयारियों को लेकर उत्साह

झारखंड दर्शन संवाददाता

**बोकारो।** रांची के पुराने विधानसभा मैदान में आगामी 15 मार्च को आयोजित होने वाला क्षत्रिय गौरव समागम ऐतिहासिक और यादगार होगा। इस महासम्मेलन को लेकर बोकारो समेत पूरे झारखंड में क्षत्रिय समाज के बीच जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। कार्यक्रम के संयोजक, बिहार विधान परिषद के पूर्व सदस्य व झारखंड निगरानी बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष प्रवीण सिंह ने तैयारियों की समीक्षा करते हुए यहां बताया कि इस समागम में राज्य के कोने-कोने से समाज के लगभग 50 हजार से अधिक सदस्य हिस्सा लेंगे। क्षत्रिय एकता और समाज के भविष्य की रणनीति तय करने वाले इस कार्यक्रम में राजनीतिक जगत की कई दिग्गज हस्तियां शामिल होंगी। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद बृजभूषण सिंह और सांसद लवली आनंद शिरकत करेंगी। वहीं, विशिष्ट अतिथि के तौर पर पूर्व सांसद पशुपतिनाथ सिंह, सुनील सिंह, पूर्व विधायक गिरिनाथ सिंह और वरिष्ठ विधायक सरयू राय की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। इस अवसर पर समाज की एकजुटता और विकास से संबंधित कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए जाएंगे और आगामी कार्यक्रमों की औपचारिक घोषणा भी होगी।

## राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य डॉ. आशा लकड़ा ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

झारखंड दर्शन संवाददाता

**बोकारो।** राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की माननीय सदस्य डॉ. आशा लकड़ा शुक्रवार को अपने बोकारो प्रवास के दौरान जिले की प्रशासनिक गतिविधियों और जनजातीय मामलों की समीक्षा में जुटी रहीं। बोकारो परिसदन पहुंचने पर उपायुक्त अजय नाथ झा और उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने उन्हें पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया। इस शिष्टाचार भेंट के बाद माननीय सदस्य ने सीधे जनहित और न्याय से जुड़े मामलों पर अपना ध्यान केंद्रित किया। परिसदन स्थित सभागार में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक के दौरान डॉ० आशा लकड़ा ने सुकुरमनी देवी एवं अन्य से संबंधित प्रकरणों की विस्तृत सुनवाई की। उन्होंने मामले के हर तकनीकी और जमीनी पहलू को बारीकी से समझा और संबंधित विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि वे इस प्रकरण पर एक विस्तृत और पारदर्शी प्रतिवेदन जल्द से जल्द प्रस्तुत करें। सुनवाई के दौरान उनका रुख कड़ा रहा और उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि तथ्यों की गंभीरता से जांच कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि प्रभावित पक्ष को समय पर न्याय मिल सके।

## उपायुक्त ने सुनीं आमजन की समस्याएं

झारखंड दर्शन संवाददाता

**बोकारो।** आम जनता की शिकायतों के त्वरित समाधान और प्रशासन के साथ उनके सीधे संवाद को मजबूत करने के उद्देश्य से शुक्रवार को समाहरणालय स्थित सभागार में- हम आपको सुनते हैं कार्यक्रम (जनता दरबार) का आयोजन किया गया। उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिले के विभिन्न शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे 35 से अधिक फरियादियों की समस्याओं पर क्रमवार सुनवाई की और उनके संवेदनशील निराकरण का भरोसा दिलाया।

जनता दरबार के दौरान शिक्षा विभाग, सामान्य शाखा, चास अंचल, आपूर्ति, राजस्व विवाद और सामाजिक सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं से जुड़े आवेदन प्रमुखता से प्राप्त हुए। उपायुक्त ने प्रत्येक आवेदन पर संज्ञान लेते हुए उन्हें संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को अग्रसारित किया और सख्त निर्देश दिए कि इन मामलों की अविलंब जांच कर पारदर्शी तरीके से समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जन समस्याओं के निपटारे में किसी भी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा सुचिता किरण भगत और सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। उपायुक्त की इस सक्रियता से दूर-दराज के क्षेत्रों से आए ग्रामीणों में अपनी समस्याओं के समाधान के प्रति नई उम्मीद जगी है।

### पंचायत समिति की बैठक में बिजली कटौती और जलसंकट को लेकर आंदोलन की चेतावनी

झारखंड दर्शन संवाददाता

**बोकारो।** चंदनकियारी प्रखंड सभागार में शुक्रवार को प्रमुख निवारण सिंह चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित प्रखंड स्तरीय पंचायत समिति की बैठक हंगामेदार रही। बैठक के दौरान बिजली की लचर व्यवस्था, गहराते जलसंकट और प्रशासनिक अधिकारियों की कार्यशैली को लेकर जनप्रतिनिधियों ने कड़ा रोष व्यक्त किया। प्रमुख ने विभागीय अधिकारियों पर मनमानी का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रखंड में पावरग्रिड होने के बावजूद उपभोक्ताओं को महज 8 से 10 घंटे ही बिजली मिल रही है, जिससे भीषण गर्मी में विद्यार्थियों और व्यापारियों का जीना दूभर हो गया है। प्रमुख ने बिजली विभाग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि नियमित बिल वितरण के बजाय उपभोक्ताओं का भयादोहन कर अवैध वसूली की जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि आपूर्ति व्यवस्था में तत्काल सुधार नहीं हुआ और मनमानी नहीं रुकी, तो वे पंचायत समिति सदस्यों के साथ बिजली कार्यालय के समक्ष भूख हड़ताल पर बैठने को मजबूर होंगे। गर्मी की दस्तक के साथ ही क्षेत्र में उत्पन्न पेयजल समस्या पर भी विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में प्रखंड मुख्यालय स्थित बंद पड़ी जलापूर्ति योजना को अविलंब शुरू करने और विभिन्न पंचायतों में खराब पड़े सैकड़ों चापाकल की युद्धस्तर पर मरम्मत सुनिश्चित करने का प्रस्ताव पारित किया गया। जनप्रतिनिधियों ने संबंधित विभाग से आग्रह किया कि जलसंकट से निपटने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके।

बैठक में तीन दर्जन आंगनबाड़ी केंद्रों में सेविका और सहायिका के चयन प्रक्रिया में हो रही देरी का मामला भी प्रमुखता से उठा। प्रमुख ने नाराजगी जताते हुए कहा कि चयन प्रक्रिया पूरी होने के छह महीने बाद भी जिला कार्यालय द्वारा अनुमोदन नहीं किया जाना गंभीर लापरवाही है, जिससे केंद्रों का संचालन पूरी तरह बाधित है। इसके अतिरिक्त, सदस्यों ने मनरेगा, आपूर्ति, शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए और आमजन की परेशानियों को दूर करने की मांग की। इस बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी अजय वर्मा, अंचलाधिकारी रवि आनंद और प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. तृप्ति पांडेय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

## सेल के संकलित त्रैमासिक तकनीकी बुलेटिन द इंडेवर के प्रथम अंक का भव्य विमोचन

झारखंड दर्शन संवाददाता

**बोकारो।** बोकारो स्टील प्लांट के संकार्य प्रभाग ने तकनीकी विकास और सूचनाओं के आदान-प्रदान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। शुक्रवार को प्लांट के टेक्निकल सेल विभाग द्वारा संकलित त्रैमासिक तकनीकी बुलेटिन द इंडेवर के प्रथम अंक का भव्य विमोचन किया गया। इस गौरवशाली क्षण के मुख्य अतिथि अधिशासी निदेशक संकार्य अनूप कुमार दत्त रहे, जिन्होंने बुलेटिन की पहली प्रति का अनावरण कर इसे प्लांट के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए समर्पित किया। यह बुलेटिन केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि प्लांट के भीतर हो रहे बदलावों का एक व्यापक दस्तावेज है। इसमें सुरक्षा, पर्यावरण और स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों के साथ-साथ प्लांट के भीतर और बाहर संचालित विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी साझा की गई है। इस अंक की एक प्रमुख विशेषता प्लांट की खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के प्रयासों का विवरण है। बुलेटिन में यह रेखांकित किया गया है कि कैसे विभिन्न विभागों में एकल स्रोत से खरीदे जाने वाले उपकरणों और पुर्जों को अब प्रतिस्पर्धात्मक निविदा के माध्यम से खरीदने पर जोर दिया जा रहा है, जिससे न केवल गुणवत्ता सुधरेगी बल्कि लागत में भी कमी आएगी। विमोचन के इस विशेष अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक टेक्निकल सेल अजय कुमार के साथ-साथ सुरक्षा, मैकेनिकल, कोल्ड रोलिंग मिल्स, रिफ्रैक्टरी और इंस्ट्रूमेंटेशन जैसे प्रमुख विभागों के मुख्य महाप्रबंधक व वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे। अधिशासी निदेशक श्री दत्त ने प्रथम अंक के सफल प्रकाशन पर पूरी टेक्निकल सेल टीम की पीठ थपथपाई। उन्होंने टीम को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आने वाले अंकों को और अधिक सूचनाप्रद, बेहतर और उपयोगी बनाया जाए, ताकि यह बुलेटिन प्लांट की तकनीकी दक्षता बढ़ाने में एक मील का पत्थर साबित हो।

### इंटर स्टील प्लांट पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता में आज होगी बोकारो की विशाखापत्तनम से भिड़ंत

झारखंड दर्शन संवाददाता

**बोकारो।** दुगार्पुर के नेहरू स्टेडियम में जारी इंटर स्टील प्लांट पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता के दूसरे दिन वह सब कुछ देखने को मिला, जिसकी उम्मीद एक खेल प्रेमी करता है- धमाकेदार रेड, चट्टानी डिफेंस और आखिरी सेकंड तक टिका रोमांच, बोकारो स्टील प्लांट के शेरों ने अपने अदम्य साहस और जुझारूपन का परिचय देते हुए सेमीफाइनल का टिकट पक्का कर लिया है। शुक्रवार का दिन मैदान पर किसी फिल्मी क्लाइमेक्स से कम नहीं था। बोकारो का सामना दिग्गज भिलाई स्टील प्लांट की टीम से था। मैच के हर मिनट में पासा पलटता रहा। एक तरफ भिलाई की आक्रामकता थी, तो दूसरी तरफ प्रशिक्षक सह प्रबंधक गोपाल ठाकुर की कुशल रणनीति। दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर ऐसी रही कि जब रेफरी की अंतिम सीटी बजी, तो स्कोरबोर्ड 28-28 की बराबरी पर थमा था। इस कड़े संघर्ष और शानदार प्रदर्शन के आधार पर बोकारो ने धमाकेदार अंदाज में सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

शनिवार का दिन बोकारो के लिए सुपर सैटरडे होने वाला है। सेमीफाइनल के पहले बड़े मुकाबले में बोकारो की भिड़ंत आरआईएनएल विशाखापत्तनम की मजबूत टीम से होगी। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में सेलम स्टील प्लांट और भिलाई स्टील प्लांट की टीमें फाइनल में जगह बनाने के लिए जोर आजमाइश करेंगी। खेल प्रेमियों की निगाहें अब पूरी तरह से शनिवार के इस महामुकाबले पर टिकी हैं।मैदान पर बोकारो का परचम लहराने वाली इस टीम में निखिल कुमार, दिग्विजय राउत, शिव प्रसाद सोरेन, विक्की कुमार, गोलू कुमार, प्रिंस, राहुल, नवाज दिलशान, भीषण और कुलदीप कुमार जैसे धुरंधर शामिल हैं। टीम की इस उपलब्धि पर बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन सहित तमाम वरीय अधिकारियों और खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

**परचम** डीपीएस बोकारो को मिली प्रतिष्ठित 7–स्टार रेटिंग, बना देश का अग्रणी एसडीजी स्कूल

## गौरव में जुड़ा एक और स्वर्णिम अध्याय, प्राचार्य ने विद्यालय परिवार को दिया श्रेय

झारखंड दर्शन संवाददाता

**बोकारो।** शिक्षा के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्टता के लिए प्रसिद्ध दिल्ली पब्लिक स्कूल, बोकारो ने एक बार फिर राष्ट्रीय पटल पर सफलता का परचम लहराया है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नवाचारी प्रयोगों के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में विद्यालय के निरंतर प्रयासों को भारत सरकार की मुहर मिली है। नीति आयोग और एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार से संबद्ध सेंटर फॉर एजुकेशनल डेवलपमेंट फाउंडेशन ने डीपीएस बोकारो को 7-स्टार रेटिंग से सम्मानित किया है। यह प्रतिष्ठित मान्यता विद्यालय को स्कूल स्तर पर सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स, यानी संधारणीय

विकास लक्ष्यों को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए प्रदान की गई है। बता दें कि डीपीएस बोकारो ने न केवल किताबी ज्ञान, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, ऊर्जा दक्षता और पर्यावरण सुरक्षा के प्रति विद्यार्थियों में विशेष संचेतना जागृत करने की दिशा में एक मानक स्थापित किया है। यही कारण है कि 7-स्टार रेटिंग के साथ-साथ विद्यालय को सस्टेनेबल डेवलपमेंट की दिशा में देशभर में एक पायोनियर के रूप में मान्यता मिली है।

उल्लेखनीय है कि संधारणीय विकास और पर्यावरण-मैत्री प्रयासों के लिए विद्यालय को गत वर्ष भी सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स स्कूल अवार्ड से नवाजा जा चुका है। हाल ही में विद्यालय की सफलता में एक और मील का पत्थर तब जुड़ा, जब इस दिशा में प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार के कुशल मार्गदर्शन और दूरदर्शी नेतृत्व को राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया।

उन्हें भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय से संबद्ध नेशनल एजुकेशन ट्रस्ट ऑफ इंडिया की ओर से बेस्ट प्रिंसिपल अवार्ड प्रदान किया गया। यह पुरस्कार उन्हें पर्यावरणीय प्रबंधन, नवाचारी पद्धतियों और छात्रों में पर्यावरणीय चेतना विकसित करने के प्रति उनके अटूट समर्पण के लिए मिला। शुक्रवार को विद्यालय के वरीय उप प्राचार्य अंजनी भूषण एवं उपप्राचार्या शालिनी शर्मा ने सांकेतिक रूप से यह गरिमामयी सम्मान प्राचार्य डॉ. गंगवार को सुपुर्द किया। इस शानदार उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्राचार्य ने कहा कि यह 7- स्टार रेटिंग केवल एक प्रमाण पत्र नहीं, बल्कि हमारे विद्यालय परिवार की सामूहिक मेहनत, दृष्टि और प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का जीवंत प्रतिबिंब है। उन्होंने इसका श्रेय स्कूल के विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ-साथ समस्त विद्यालय परिवार को देते हुए आगे भी संधारणीय विकास की दिशा में प्रयास जारी रखने का आह्वान किया। कहा कि भविष्य में भी विद्यालय प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और हरित भारत के निर्माण की दिशा में सतत प्रयासरत रहेगा।

## जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 20 महिला मुखिया को किया गया सम्मानित

झारखंड दर्शन संवाददाता

**बोकारो।** अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पखवाड़ा के उपलक्ष्य में शुक्रवार को जिला प्रशासन द्वारा जिला पंचायत संसाधन केंद्र में पंचायती राज एवं विकेंद्रीकरण विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण शासन में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करना और उन्हें नेतृत्व के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला परिषद अध्यक्ष सुनीता देवी और उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने अन्य अतिथियों के साथ संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यशाला के दौरान जिले की उन 20 महिला मुखियाओं को प्रशस्ति पत्र और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने पंचायतों में विकास के अनुकरणीय कार्य किए हैं। इसके साथ ही, उपस्थित सभी महिला मुखियाओं को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधा भेंट किया गया।

जिला परिषद अध्यक्ष ने इस अवसर पर जोर देकर कहा कि पंचायतों के समग्र विकास के लिए महिलाओं को केवल भागीदार नहीं, बल्कि नेतृत्वकर्ता की भूमिका में आगे आना होगा। उप विकास आयुक्त श्रीमती मजूमदार ने समाज में बेटियों की स्थिति पर चर्चा करते हुए कहा कि उन्हें शिक्षित करने के साथ-साथ महत्वाकांक्षी बनाना समय की मांग है। उन्होंने महिला प्रतिनिधियों से अपील की कि वे जिस समर्पण से अपने घर को संभालती हैं, उसी लगन से अपनी पंचायतों को भी आदर्श बनाएं।

## संक्षिप्त खबरें

### डॉ0 सुरेन्द्र राज को जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं में हर्ष

**चंद्रपुरा।** भारतीय जनता पार्टी के वरीय नेता डॉ० सुरेन्द्र राज को बोकारो जिला अध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर चंद्रपुरा प्रखंड के भाजपा कार्यकताओं में खुशी की लहर है। कार्यकताओं ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए भाजपा प्रदेश कमेटी के पदाधिकारियों को बधाई दी। भाजपा जिला किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर महथा ने डॉ० सुरेन्द्र राज को बधाई देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में संगठन को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने बताया कि डॉ० सुरेन्द्र राज वर्तमान में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष होने के साथ-साथ गोमिया क्षेत्र से जिला परिषद सदस्य भी हैं। उनके जिलाध्यक्ष बनने से कार्य कताओं में नई ऊर्जा का संचार होगा और संगठनात्मक गतिविधियां और अधिक सशक्त होंगी। डॉ० सुरेन्द्र राज को जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर बधाई देने वालों में राजेश सिन्हा, अरुण कुमार सिंह, लखींद्र नाग, कमलेश यादव, कमलेश दसौंधी, रुपेश राय, भरत झा, ललित लहरें, अनील मुर्मू, पप्पू मंडल सहित कई भाजपा कार्यकर्ता शामिल हैं।

### कान्हाचट्टी में क्षत्रिय गौरव एकता समागम के लिए लोगों को किया गया आमंत्रित

**कान्हाचट्टी।** कान्हाचट्टी प्रखंड में शुक्रवार को क्षत्रिय गौरव एकता समागम 2026 को लेकर व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। इस दौरान क्षेत्र के लोगों को आगामी 15 मार्च को सुबह 11 बजे रांची के धुर्वा स्थित पुराना विधानसभा मैदान में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया। प्रचार के दौरान आयोजकों ने क्षेत्र के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में पहुंचकर इसे सफल बनाने की अपील की। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम समाज की एकता और संगठन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए लगातार जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है।

### सुदूर गांवों तक पहुंच रहा सांसद द्वारा प्रदत्त लहंगा, गरीब बच्चियों के चेहरे पर आई मुस्कान

**चौपारण।** हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल द्वारा गरीब परिवारों की बेटियों की शादी में सहयोग स्वरूप लहंगा उपलब्ध कराने की पहल अब सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचने लगी है। इस पहल से जरूरतमंद परिवारों में खुशी का माहौल देखा जा रहा है। इसी क्रम में चौपारण प्रखंड के चोरदाहा पंचायत अंतर्गत अहरी, नावाडीह, केन्दूवाही, बनिवांटांड और कबिलास गांवों में कुल पांच जरूरतमंद बच्चियों को लहंगा प्रदान किया गया। यह वितरण कार्यक्रम बरही विधानसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साव के नेतृत्व में संपन्न हुआ। वहीं भारतीय जनता पार्टी की नेत्री प्रियंका कुमारी, मंडल महामंत्री कृष्णा कुमार साव तथा चौपारण पश्चिमी मंडल मंत्री अशोक कुमार ठाकुर ने भी सांसद मनीष जायसवाल के इस जनकल्याणकारी कार्य की सराहना की। मौके पर सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साव, मुखिया कसिया देवी, कृष्णा कुमार साव, अशोक कुमार ठाकुर, प्रियंका कुमारी, सुनील शेखर, उत्तम गंझू, मंजू देवी, पूनम देवी, सुषमा देवी, नागिया देवी, विनय सिंह, मनवा देवी, सागर कुमार सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

### रामनवमी को लेकर प्रशासन सख्त, डीजे संचालकों के साथ बैठक कर दिए आवश्यक निर्देश

**चौपारण।** आगामी रामनवमी पर्व को लेकर चौपारण प्रशासन पूरी तरह सतर्क और सख्त नजर आ रहा है। पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से शुक्रवार को चौपारण थाना परिसर में अंचलाधिकारी संजय यादव और थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी की अध्यक्षता में डीजे संचालकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि रामनवमी जुलूस के दौरान चौपारण क्षेत्र में डीजे बजाने पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा। अधिकारियों ने डीजे मालिकों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि यदि किसी भी जुलूस में डीजे बजाते हुए पाया गया तो संबंधित डीजे को तत्काल जब्त कर लिया जाएगा और उसके मालिक के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। तेज ध्वनि वाले डीजे के कारण कई बार माहौल बिगड़ने की आशंका रहती है, इसलिए एहतियात के तौर पर यह निर्णय लिया गया है। बैठक में डीजे संचालकों से प्रशासन का सहयोग करने तथा नियमों का पालन करने की अपील की गई। साथ ही उन्हें निर्देश दिया गया कि वे रामनवमी जुलूस में डीजे का उपयोग न करें और प्रशासन के आदेश का सख्ती से पालन करें।

## चंद्रपुरा जंक्शन पर पोत्तनूर-धनबाद अमृत भारत एक्सप्रेस का ठहराव शुरू, भव्य स्वागत

झारखंड दर्शन संवाददाता

**दुगदा।** पोत्तनूर-धनबाद अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन 06619 का चंद्रपुरा रेलवे जंक्शन पर शुक्रवार से ठहराव शुरू होने पर स्थानीय लोगों व जनप्रतिनिधियों ने ट्रेन के चालक और कर्मचारियों का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर चंद्रपुरा जंक्शन परिसर में स्वागत समारोह का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

स्वागत करने वालों में सहायक वाणिज्य प्रबंधक राजीव कुमार, मंडल रेलवे सलाहकार समिति सदस्य विजय शर्मा, सांसद प्रतिनिधि बिगन महतो, सांसद प्रतिनिधि अरविंद पांडेय, सांसद प्रतिनिधि मिथिलेश महतो, विधायक प्रतिनिधि संतन सिंह, भूषण सिंह, रजनीश दास, आजसू के चंद्रपुरा प्रखंड अध्यक्ष मनोज दास, भाजपा के चंद्रपुरा प्रखंड अध्यक्ष राजेश सिन्हा, उमा शंकर महतो, पूर्व मुखिया गणेश दास, विश्वनाथ दयाल राम सहित सैकड़ों लोग शामिल थे।

स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए बेरमो विधायक प्रतिनिधि संतन सिंह ने कहा कि अमृत भारत एक्सप्रेस का चंद्रपुरा जंक्शन पर ठहराव शुरू होने से बोकारो, बेरमो, फुसरो, चंद्रपुरा, दुग्दा और बाघमारा क्षेत्र के लोगों को दक्षिण भारत जाने में बड़ी सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि रोजगार, शिक्षा और इलाज के लिए दक्षिण भारत जाने वाले लोगों को अब आवागमन में काफी सहूलियत होगी। सांसद प्रतिनिधि बिगन महतो ने कहा कि गिरिडीह के सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने क्षेत्र की जनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मिलकर चंद्रपुरा जंक्शन पर इस ट्रेन के ठहराव की मांग की थी, जिसके परिणामस्वरूप यह सुविधा क्षेत्रवासियों को मिल पाई है। मंडल रेलवे सलाहकार समिति सदस्य विजय शर्मा ने कहा कि सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी के प्रयासों से ही यह संभव हो सका है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों के हित में सांसद लगातार प्रयास कर रहे हैं और बहुत जल्द आराझरांची एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव भी चंद्रपुरा रेलवे जंक्शन पर कराने का प्रयास किया जाएगा। बताया गया कि 21 मार्च से पोत्तनूरझधनबाद अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन का नियमित परिचालन शुरू होगा, जिससे क्षेत्र के यात्रियों को दूर-दराज के क्षेत्रों में आने-जाने में काफी सुविधा मिलेगी।

## बुढींडीह के जेहरा थान में धूमधाम से मनाया गया बाहा बोंगा परब

झारखंड दर्शन संवाददाता

**चंद्रपुरा।** दुगदा क्षेत्र के बुढींडीह स्थित जेहरा थान में आदिवासी समुदाय द्वारा बाहा बोंगा परब धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ पूजा-अर्चना की गई। कार्यक्रम की शुरूआत नामके हाडाम सरकार मुर्मू तथा कुडाम नायके हीरालाल टुडू ने जाहेर आयो एवं अपने इष्ट देव मारांग बुरु का आह्वान कर सखुआ फूल के साथ पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद नायके हडाम सरकार मुर्मू ने उपस्थित महिला-पुरुषों के बीच सखुआ फूल का वितरण कर सभी को सरहुल की बधाई दी। इस अवसर पर मुखिया सुनीता देवी, पूजा समिति के अध्यक्ष दुखन मुर्मू, सचिव रंजीत हांसदा, मुखिया प्रतिनिधि ब्रह्मदेव हेम्ब्रम, समाजसेवी अशोक आरडी सहित अन्य लोगों ने मारांग बुरु के समक्ष माथा टेक कर आशीर्वाद लिया। पूजा समिति के अध्यक्ष दुखन मुर्मू एवं सचिव रंजीत हांसदा ने कहा कि आदिवासी समाज सदियों से प्रकृति के उपासक रहे हैं। यह पर्व जल, जंगल और जमीन की रक्षा करने की प्रेरणा देता है तथा प्रकृति संरक्षण का संदेश देता है। वहीं मुखिया प्रतिनिधि ब्रह्मदेव हेम्ब्रम ने कहा कि सरहुल केवल एक पर्व नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की समृद्ध सभ्यता और संस्कृति को सुरक्षित रखने का संदेश भी देता है।

## मांदर की थाप पर झूमे लोग, पिछरी में धूमधाम से मनाया गया बाहा बोंगा सरहुल महोत्सव

झारखंड दर्शन संवाददाता

**बेरमो।** पेटरवार प्रखंड अंतर्गत पिछरी दक्षिणी पंचायत के पिपराडीह स्थित जाहेरथान में गुरुवार की शाम सरहुल पूजा समिति के तत्वावधान में बाहा बोंगा (सरहुल) महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का संचालन जागेश्वर टुडू ने किया। इस अवसर पर जाहेरथान में नायके बाबा सुरेश मुर्मू, शिवकुमार मुर्मू, रूपलाल मुर्मू और भदरू मुर्मू ने सखुआ फूल, महुआ फूल और धधकी फूल से मारंगबुरू की पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। पूजा के बाद पिछरी दक्षिणी पंचायत के ग्यारह टोला से पहुंचे आदिवासी समाज के पुरुष, महिलाएं और युवतियां पारंपरिक वेशभूषा में मांदर की थाप पर नृत्य करते हुए उत्सव में शामिल हुए। पूरे क्षेत्र में पारंपरिक गीत-संगीत और नृत्य की मनमोहक छटा देखने को मिली। इस दौरान म्यूजिक ग्रुप द्वारा संथाली लोकगीतों की भी आकर्षक प्रस्तुति दी गई, जिस पर उपस्थित लोग झूम उठे। सरहुल महोत्सव में मुख्य अतिथियों के रूप में जिला परिषद सदस्य अशोक मुर्मू, झामुमो जिलाध्यक्ष डॉ. रतनलाल मांझी, रांची से आयी आदिवासी नेत्री ज्योत्सना केरकेट्टा, निशा भगत तथा चंद्रपुरा की पूर्व प्रमुख अनिता गुप्ता शामिल हुईं। सभी अतिथियों ने भी मांदर की थाप पर आदिवासी नृत्य में भाग लेकर लोगों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि सरहुल प्रकृति पूजा का महापर्व है, जो हमें प्रकृति और अपनी संस्कृति से जोड़कर रखता है। यह पर्व प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि सभी लोगों को प्रकृति का महत्व समझते हुए इसकी रक्षा के लिए संकल्प लेना चाहिए। पर्यावरण की शुद्धता बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने की आवश्यकता है, क्योंकि मानव जीवन पूरी तरह प्रकृति पर ही निर्भर है।

मौके पर पूजा समिति के सदस्यों द्वारा अतिथियों को सखुआ फूल और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

## रसायनशास्त्र विभागाध्यक्ष के आकस्मिक निधन पर राम नारायण मेमोरियल डिग्री कॉलेज में शोकसभा

झारखंड दर्शन संवाददाता

**चतरा।** हंटरगंज स्थित राम नारायण मेमोरियल डिग्री कॉलेज में शुक्रवार को रसायनशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रोफेसर महेंद्र कुमार निराला गया, बिहार निवासी के आकस्मिक निधन पर शोकसभा का आयोजन किया गया। इस दौरान पूरे कॉलेज परिवार ने गहरी संवेदनाएँ व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उनके अचानक निधन की खबर से शिक्षकों, छात्रों और स्थानीय बुद्धिजीवियों में शोक की लहर दौड़ गई और पूरा शिक्षाजगत स्तब्ध रह गया।

शोकसभा में वक्ताओं ने कहा कि दिवंगत प्रो० महेंद्र कुमार निराला अपने विषय के गहन ज्ञान, शांत स्वभाव, सौम्य व्यवहार और विद्यार्थियों के प्रति समर्पण के लिए हमेशा याद किए जाएंगे। वे केवल एक कुशल शिक्षक ही नहीं थे, बल्कि विद्यार्थियों और सहकर्मियों के लिए एक सच्चे मार्गदर्शक भी थे। कॉलेज के शिक्षकों ने बताया कि गुरुवार को वे प्रतिदिन की तरह कॉलेज आए थे और सभी से सामान्य रूप से बातचीत भी की थी। उस समय उनके व्यवहार में किसी प्रकार की असामान्यता नहीं थी, इसलिए उनके अचानक निधन की खबर ने सभी को गहरे सदमे में डाल दिया।

शोकसभा के दौरान कॉलेज परिसर का माहौल अत्यंत गमगीन रहा। शिक्षकों और छात्रों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। वक्ताओं ने कहा कि उनके जाने से कॉलेज ने न केवल एक कुशल शिक्षक को खो दिया है बल्कि एक संवेदनशील और विनम्र सहकर्मी को भी सदा के लिए खो दिया है। रसायनशास्त्र विभाग में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण थी। उन्होंने प्रयोगशाला व्यवस्था से लेकर विद्यार्थियों के शोध कार्यों तक हर स्तर पर उल्लेखनीय योगदान दिया था। उनकी शिक्षण पद्धति और व्यवहारिक ज्ञान से अनेक छात्र प्रेरित हुए और उन्होंने कई विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं तथा उच्च शिक्षा के लिए मार्गदर्शन देकर नई दिशा दी। इस श्रद्धांजलि सभा में प्रो० ओमप्रकाश नीलेंदु, प्रो० अनिल कुमार सिंह, डॉ० फहीम अहमद, प्रोफेसर फखरुद्दीन अंसारी, प्रोफेसर सरयू यादव, प्रेम किशोर सिंह सहित कॉलेज के शिक्षक, कर्मचारी, प्रशासनिक स्टाफ और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

## घरेलू गैस की कोई कमी नहीं, अफवाहों पर ध्यान न दें : प्रदीप कुमार

झारखंड दर्शन संवाददाता

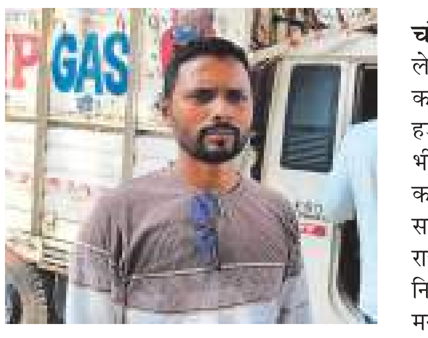


**हंटरगंज।** ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच संभावित युद्ध को लेकर फैल रही अफवाहों के कारण घरेलू गैस सिलेंडर की कमी की चर्चा ने लोगों में चिंता पैदा कर दी है। इसी अफवाह के चलते कई लोग सुबह से ही गैस एजेंसी के बाहर लाइन लगाकर सिलेंडर लेने का इंतजार कर रहे हैं, जिससे अनावश्यक भीड़ और असुविधा की स्थिति उत्पन्न हो रही है। प्रतापपुर स्थित एचपी इंद्रप्रस्थ गैस एजेंसी के कर्मी प्रदीप कुमार ने बताया कि घरेलू गैस सिलेंडर की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और किसी प्रकार की कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि गैस सिलेंडर केवल उन्हीं उपभोक्ताओं को दिया जा रहा है, जिनके मोबाइल पर बुकिंग के बाद ओटीपी प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में अब 25 दिनों के स्थान पर 45 दिनों के अंतराल के बाद सिलेंडर दिया जा रहा है, जिसके कारण कई लोग एजेंसी पर पहुंच रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि घरेलू गैस सिलेंडर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं और किसी को भी अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ लोगों द्वारा फैलायी जा रही अफवाहों के कारण अनावश्यक समस्या उत्पन्न हो रही है। हालांकि व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति फिलहाल सीमित मात्रा में है, जिससे कालाबाजारी पर रोक लगाने में भी मदद मिलेगी।

### मनरेगा कर्मियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल दूसरे दिन भी जारी

**चंद्रपुरा।** पांच सूत्री मांगों को लेकर चंद्रपुरा प्रखंड के मनरेगा कर्मियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल शुक्रवार को दूसरे दिन भी जारी रही। इससे पहले मनरेगा कर्मी 9 मार्च से 11 मार्च तक सांकेतिक हड़ताल पर थे। झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ के निदेर्शानुसार प्रखंड के लगभग 19 मनरेगा कर्मी अपनी मांगों के समर्थन में हड़ताल पर डटे हुए हैं। हड़ताल के कारण प्रखंड क्षेत्र में मनरेगा के तहत संचालित कई विकास योजनाएं पूरी तरह ठप पड़ गई हैं। मनरेगा कर्मचारी संघ चंद्रपुरा प्रखंड अध्यक्ष प्रसाद लाल मांझी एवं सचिव लालचंद महतो ने बताया कि पूरे राज्य के मनरेगा कर्मी पांच सूत्री मांगों को लेकर 9 मार्च से हड़ताल पर हैं, लेकिन अब तक झारखंड सरकार और ग्रामीण विकास विभाग की ओर से इस दिशा में कोई पहल नहीं की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार मनरेगा कर्मियों के प्रति उदासीन रवैया अपना रही है।

## फुसरो में प्रखंड स्तरीय ऑस्टियो, आर्थराइटिस एवं मस्क्युलोस्केलेटल विकार शिविर का आयोजन

### 110 मरीजों की हुई जांच

झारखंड दर्शन संवाददाता

**बेरमो।** बोकारो जिला आयुष समिति, बोकारो द्वारा राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत बेरमो प्रखंड स्तरीय ऑस्टियो, आर्थराइटिस एवं मस्क्युलोस्केलेटल विकार शिविर का आयोजन गुरुवार को फुसरो बैंक मोड़ स्थित दुर्गा मंदिर परिसर में किया गया। शिविर का उद्घाटन बेरमो प्रखंड बीस सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के प्रखंड उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार चांडक, डॉ. नरेश कुमार प्रजापति तथा डॉ. काजल कुमारी ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर कृष्ण कुमार चांडक ने कहा कि झारखंड सरकार आमजनों के स्वास्थ्य के प्रति काफी गंभीर है। इसी उद्देश्य से समय-समय पर इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन कर लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बेरमो विधायक कुमार जयमंगल सिंह के प्रयास से स्थानीय जननायक कपूर्री ठाकुर अनुमंडलीय अस्पताल में भी लगातार चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र के लोगों को बेहतर इलाज मिल सके।

शिविर में डॉ० नेहा सिंह, डॉ० काजल कुमारी तथा डॉ० नरेश कुमार प्रजापति ने कुल 110 मरीजों की जांच की और उन्हें आयुर्वेदिक तथा होम्योपैथिक दवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराईं। इसके साथ ही मरीजों को स्वास्थ्य लाभ के लिए योग के महत्व की जानकारी दी गई। योग शिक्षक संतोष कुमार पाल तथा शिक्षिका मुन्नी कुमारी ने उपस्थित लोगों को योगाभ्यास का प्रशिक्षण भी दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सहिया लक्ष्मी देवी, शकुंतला कुमारी, मीना देवी, सुनीता देवी तथा मंजू देवी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस मौके पर न्यू भागलपुर स्कूल की प्रधानाचार्या स्मिता सिंह, प्रीति चांडक, घनश्याम प्रसाद सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

### चौपारण में युवक लापता, परिजनों ने थाना में दिया आवेदन

**चौपारण।** प्रखंड क्षेत्र के रमजीता गांव से एक युवक के अचानक लापता हो जाने का मामला सामने आया है।

इस संबंध में परिजनों ने चौपारण थाना में आवेदन देकर गुमशुदगी दर्ज करने तथा युवक की खोजबीन कराने की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम रमजीता, पंचायत ब्रहमोरिया निवासी वीरेंद्र पांडे, पिता स्वर्गीय जगन्नाथ पांडे, ने थाना प्रभारी को दिए आवेदन में बताया है कि उनका भाई सिकंदर पांडे (उम्र लगभग 32 वर्ष) अपने घर से मोटरसाइकिल स्प्लेंडर प्लस संख्या जेएच 02 बीजी 6405 लेकर निकले थे। इसके बाद से वह अब तक घर वापस नहीं लौटे हैं।

## भारतीय किसान संघ की बैठक में किसानों और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर हुई चर्चा

झारखंड दर्शन संवाददाता

**चतरा।** भारतीय किसान संघ, चतरा जिला इकाई के कार्यालय में 12 मार्च को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिले के सभी प्रखंडों से आए कार्यकताओं, महिला प्रमुखों, युवा प्रमुखों और पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य किसानों, महिला कार्यकताओं और ग्रामीण समाज को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं पर विचार-विमर्श करना था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष नंदेश्वर सिंह थे। उन्होंने उपस्थित किसानों और महिला कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीण समाज के आर्थिक विकास के लिए सरकार द्वारा कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का सही तरीके से लाभ लेकर किसान और महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना तथा झारखंड मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

बैठक के दौरान भारतीय किसान संघ का स्थापना दिवस भी मनाया गया। इस अवसर पर प्रदेश मंत्री श्रीराम पांडेय ने संगठन के इतिहास और उद्देश्य पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि दत्तोपंत ठेंगड़ी द्वारा स्थापित भारतीय किसान संघ का मुख्य उद्देश्य किसानों के हितों की रक्षा करना, कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और किसानों को संगठित करना है। उन्होंने दत्तोपंत ठेंगड़ी के जीवन, विचारों और किसान समाज के प्रति उनके योगदान के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे गांव-गांव जाकर किसानों को संगठित करें और उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ने का प्रयास करें ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा सके और गांवों में रोजगार के नए अवसर पैदा हो सकें। बैठक में जिला उपाध्यक्ष प्रकाश राणा, जिला मंत्री अशोक कुमार, जिला सह मंत्री दिलीप कुमार, हंटरगंज प्रखंड अध्यक्ष डॉ० सुरेश प्रजापति सहित सभी प्रखंडों के पदाधिकारी, महिला प्रमुख, युवा प्रमुख और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे। अंत में जिला उपाध्यक्ष प्रकाश राणा ने सभी अतिथियों और उपस्थित कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया और बैठक की समाप्ति की घोषणा की।

## थानों में वाहनों की कमी का मुद्दा विधायक जनार्दन पासवान ने विधानसभा में उठाया था : रौशन सिंह

झारखंड दर्शन संवाददाता

**चतरा।** चतरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक जनार्दन पासवान ने 23 फरवरी को झारखंड विधानसभा के सत्र के दौरान राज्य के विभिन्न थानों में पुलिस वाहनों की कमी का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया था। उन्होंने सदन में कहा था कि कई थानों में पर्याप्त वाहन उपलब्ध नहीं होने के कारण पुलिस प्रशासन को अपराध नियंत्रण, नियमित गश्ती तथा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में विधायक प्रतिनिधि रौशन कुमार सिंह ने बताया कि विधायक द्वारा उठाए गए इस जनहित के मुद्दे को झारखंड सरकार ने गंभीरता से लिया है और चतरा जिला सहित पूरे राज्य के थानों में वाहन उपलब्ध कराने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने में मदद मिलेगी तथा आम जनता को भी सुरक्षा का बेहतर माहौल प्राप्त होगा।

रौशन कुमार सिंह ने कहा कि विधायक जनार्दन पासवान लगातार क्षेत्र की जनता की समस्याओं को विधानसभा में मजबूती के साथ उठाते रहे हैं। उनका उद्देश्य केवल राजनीति करना नहीं बल्कि क्षेत्र की जनता की समस्याओं का समाधान करना है। आने वाले समय में भी वे चतरा विधानसभा क्षेत्र की जनता के अधिकारों और हितों के लिए इसी तरह संघर्ष करते रहेंगे।

## संक्षिप्त खबरें

### ऊर्जा मित्रों के रोजगार का मुद्दा विधानसभा में उठा, विधायक राज सिन्हा ने समायोजन की मांग की

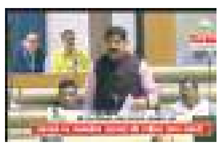

**धनबाद।** झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान धनबाद के विधायक राज सिंहा ने राज्य के ऊर्जा मित्रों के रोजगार से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे को जोरदार तरीके से सदन में उठाया और सरकार से उनके समायोजन की मांग की। विधायक राज सिन्हा ने कहा कि धनबाद सहित पूरे झारखंड में लगभग 6500 युवक पिछले 10 से 15 वर्षों से ऊर्जा मित्र के रूप में कार्य कर रहे हैं। इन युवाओं ने बिजली विभाग के कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करने और राजस्व संग्रह में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में बिजली विभाग द्वारा स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया तेज होने के कारण ऊर्जा मित्रों के सामने आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। विधायक राज सिन्हा ने कहा कि राज्य सरकार ने पूर्व में ऊर्जा मित्रों की समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने सरकार से मांग की कि वर्षों से सेवा दे रहे ऊर्जा मित्रों को मानव दिवस (मैन-डे) के रूप में समायोजित किया जाय, ताकि उनके रोजगार की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि राज्य के हजारों परिवारों की आजीविका ऊर्जा मित्रों के रोजगार से जुड़ी हुई है, इसलिए सरकार को इस विषय पर संवेदनशीलता दिखाते हुए शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए।

### स्वास्थ्य उपकेंद्रों में डॉक्टर और स्टाफ की कमी पर बाघमारा विधायक ने उठाए सवाल

**धनबाद।** झारखंड विधानसभा सत्र के दौरान बाघमारा के विधायक शत्रुघ्न महतो ने राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठाते हुए पंचायत स्तर पर बनाए गए स्वास्थ्य उपकेंद्रों में चिकित्सकीय टीम की नियुक्ति की मांग की। विधायक शत्रुघ्न महतो ने कहा कि 15 वें वित्त आयोग के स्वास्थ्य मद से राज्य के विभिन्न पंचायतों में स्वास्थ्य उपकेंद्रों का निर्माण कराया जा रहा है और कई स्थानों पर इन उपकेंद्रों का उद्घाटन भी किया जा चुका है। लेकिन अधिकांश उपकेंद्रों में चिकित्सक, नर्स, मेडिकल स्टाफ और आवश्यक दवाइयों की व्यवस्था नहीं होने के कारण स्वास्थ्य सेवाएं शुरू ही नहीं हो पाई हैं। विधायक महतो ने सरकार से मांग की कि जिन स्वास्थ्य उपकेंद्रों का उद्घाटन हो चुका है, वहां जल्द से जल्द चिकित्सक, नर्स, मेडिकल स्टाफ तथा आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यदि इन केंद्रों को जल्द सक्रिय नहीं किया गया, तो इनके निर्माण का उद्देश्य ही अधूरा रह जाएगा। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं और जनता को उनके घर के पास ही बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाय।

### जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनी आमजनों की समस्याएं, त्वरित समाधान के दिए निर्देश

**धनबाद।** उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने शुक्रवार को अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया। जनता दरबार में जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग अपनी-अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे। उपायुक्त ने सभी फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करते हुए शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित और निष्पक्ष समाधान जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। जनता दरबार के दौरान विभिन्न प्रकार की शिकायतें और आवेदन प्राप्त हुए। इनमें वार्ड संख्या 19 में जलापूर्ति की समस्या, ट्रांसजेंडर सर्टिफिकेट बनाने का मामला, रैयती जमीन पर अवैध कब्जा की शिकायत, दिव्यांग पेंशन दिलाने, आवास योजना का लाभ उपलब्ध कराने, सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन भुगतान सुनिश्चित कराने, होमगार्ड चेक लिस्ट में नाम शामिल नहीं होने की शिकायत, चौकीदार बहाली की द्वितीय सूची जारी करने, डीएमएफटी फंड से डीप बोरिंग तथा सोलर पंप के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने की मांग प्रमुख रूप से शामिल थी। उन्होंने उपस्थित लोगों को भरोसा दिलाया कि सभी मामलों की विधिसम्मत जांच कराते हुए उचित कार्रवाई की जाएगी और किसी भी व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

### 21 मार्च से पोत्तनूर-धनबाद के बीच शुरू होगी अमृत भारत एक्सप्रेस, यात्रियों को मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

**धनबाद।** यात्रियों की सुविधा और लंबी दूरी की यात्रा को अधिक आरामदायक बनाने के उद्देश्य से रेलवे द्वारा पोत्तनूर और धनबाद के बीच अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त अमृत भारत एक्सप्रेस का नियमित परिचालन शुरू किया जा रहा है। यह ट्रेन कोयम्बत्तूर, सलेम, काटपाडी, विजयवाड़ा, राजमंड्री, विजयनगरम, सम्बलपुर, राउरकेला, रांची, मूरी, बोकारो स्टील सिटी तथा चन्द्रपुरा के रास्ते संचालित की जाएगी, जिससे झारखंड सहित कई राज्यों के यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा। रेलवे की ओर से जारी जानकारी के अनुसार यह ट्रेन गैर-वातानुकूलित श्रेणी की प्रीमियम ट्रेन होगी, जिसे विशेष रूप से लंबी दूरी के यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। ट्रेन में मोबाइल चार्जिंग पोर्ट, आरामदायक सफर के लिए एयर स्प्रिंग बॉडी, रात के समय बेहतर दृश्यता के लिए रेडियम फ्लोर स्ट्रिप्स, स्वच्छ एवं दिव्यांगजन-अनुकूल प्रसाधन, सुरक्षा के लिए फायर डिटेक्शन सिस्टम, टॉक-बैक यूनिट तथा आधुनिक एलईडी प्रकाश व्यवस्था जैसी कई उन्नत यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। गाड़ी संख्या 16619/16620 पोत्तनूरझ्रधनबादझ्रपोत्तनूर अमृत भारत एक्सप्रेस (साप्ताहिक) का नियमित परिचालन पोत्तनूर से 21 मार्च से तथा धनबाद से 23 मार्च से प्रारंभ किया जाएगा। यह ट्रेन पोत्तनूर से प्रत्येक शनिवार को तथा धनबाद से प्रत्येक सोमवार को चलाई जाएगी। ट्रेन में शयनयान श्रेणी के 8 कोच तथा साधारण श्रेणी के 11 कोच सहित कुल 22 कोच लगाए जाएंगे, जिससे अधिक संख्या में यात्री यात्रा कर सकेंगे।

# एआई आधारित स्मार्ट लोन समाधान से लोन प्रक्रिया होगी आसान : उपायुक्त

**झारखंड दर्शन संवाददाता**

**धनबाद।** ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में नए व्यवसाय स्थापित कर स्व-रोजगार को बढ़ावा देने और सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को आर्थिक व तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न माइक्रो लोन योजनाओं के वितरण को और सरल बनाने की दिशा में जिला प्रशासन ने पहल की है। इसके तहत प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना और मुद्रा लोन सहित अन्य माइक्रो लोन के डिसबर्समेंट के लिए स्मार्ट लोन समाधान प्रणाली

का उपयोग किया जाएगा। इस संबंध में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने नगर आयुक्त, अनुमंडल दंडाधिकारी, जिला उद्योग केंद्र, अग्रणी जिला प्रबंधक, विभिन्न बैंकों के क्षेत्रीय प्रबंधकों तथा ह्लस्मार्ट लोन समाधानह्व के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर पूरी योजना का विस्तार से अध्ययन किया। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि इस प्रणाली के लागू होने से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की सहायता से लोन के लिए आवेदन प्राप्त करने, उसकी स्क्रूटनी, स्वीकृति और डिसबर्समेंट की प्रक्रिया कम समय में और अधिक सरलता से पूरी हो सकेगी। इससे अधिक से अधिक लोग योजनाओं का लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने बताया कि एआई द्वारा प्रारंभिक स्तर पर आवेदन की जांच होने से आवेदन अस्वीकृत होने की संभावना भी कम हो जाएगी तथा बैंक अधिकारियों के समय की भी बचत होगी। स्मार्ट लोन समाधान के प्रतिनिधि ने बताया कि इस प्रणाली में आवेदक को फॉर्म भरने से पहले ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उसके साथ संवाद करेगा। एआई आवेदक से आवश्यक दस्तावेज मांगेगा और उनका सत्यापन करेगा। साथ ही सिबिल स्कोर की जांच, पूर्व में लिए गए ऋण की जानकारी, कोटेशन की जांच, फेस वेरिफिकेशन और व्यवसायिक स्थल का लाइव जियो टैग वीडियो भी तैयार किया जाएगा। यदि आवेदक पत्नी के नाम से ऋण लेता है तो पति के दस्तावेज भी मांगे जाएंगे। बताया गया कि एआई द्वारा प्रारंभिक जांच पूरी करने तथा सभी 74 फील्ड में डेटा भरने के बाद आवेदन प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक के पास भेजा जाएगा। वहां से आवेदन क्लस्टर स्तर पर जाएगा और सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद बैंक को भेजा जाएगा। बैंक तक पहुंचने से पहले ही योग्य आवेदनों को स्वीकृत तथा अयोग्य आवेदनों को अस्वीकृत करने की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। इसके अलावा इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से पुराने आवेदनों का डिजिटाइजेशन, एआई वीडियो केवाईसी, जन समस्याओं का समाधान तथा अन्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी।बैठक में उपायुक्त आदित्य रंजन, नगर आयुक्त आशीष गंगवार, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक राजेंद्र प्रसाद, अग्रणी जिला प्रबंधक अमित कुमार सहित बैंक ऑफ इंडिया, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और अन्य बैंकों के क्षेत्रीय प्रबंधक उपस्थित थे।

## जनगणना 2027 के प्रथम चरण को लेकर धनबाद में प्रशिक्षण शुरू

**झारखंड दर्शन संवाददाता**

**धनबाद।** भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना को लेकर जिला व चार्ज अधिकारियों तथा तकनीकी सहायकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण शुक्रवार से समाहरणालय सभागार में प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन, नगर आयुक्त आशीष गंगवार, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे तथा अपर समाहर्ता विनोद कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि जनगणना किसी भी देश के विकास, योजनाओं और नीतियों के निर्माण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। जनगणना से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर ही सरकार भविष्य की योजनाओं और विकास की दिशा तय करती है। उन्होंने बताया कि लगभग डेढ़ दशक के बाद यह जनगणना कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, इसलिए सभी पदाधिकारी और कर्मी इसे पूरी गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ संपन्न करें। उपायुक्त ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अधिकारियों से कहा कि प्रशिक्षण के दौरान दी जा रही सभी जानकारियों को ध्यानपूर्वक समझें और उसे क्षेत्र में कार्य करते समय सही ढंग से लागू करें। प्रशिक्षण में जनगणना से जुड़े विभिन्न पहलुओं, प्रश्नावली के उपयोग, डेटा संकलन की प्रक्रिया तथा क्षेत्र में कार्य करने की विधि की विस्तृत जानकारी दी जा रही है।

जनगणना कार्य निदेशालय, रांची से आए राष्ट्रीय प्रशिक्षक सह सहायक निदेशक मुरारी मोहन ने प्रतिभागियों को व्यावहारिक उदाहरणों के साथ पोर्टल और मोबाइल ऐप के माध्यम से मकान सूचीकरण एवं भवनों की गणना से संबंधित प्रक्रियाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस बार की जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से कराई जाएगी। मोबाइल ऐप के जरिए प्रगणक हर घर और हर ब्लॉक का डेटा संग्रह करेंगे, जिससे सूचनाओं का संधारण अधिक तेजी और सटीकता के साथ संभव होगा।

## अशर्फी अस्पताल पर शव को बंधक बनाने का आरोप, कार्रवाई और लाइसेंस रद्द करने की मांग

**झारखंड दर्शन संवाददाता**

**धनबाद।** झरिया निवासी एक व्यक्ति की मृत्यु के बाद अस्पताल द्वारा कथित रूप से बकाया राशि के कारण शव को रोकने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। इस घटना को लेकर अखिल भारतीय पिछड़ा वर्ग संघ के जिला अध्यक्ष रत्नेश कुमार ने झारखंड के मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, झरिया की विधायक रागिनी सिंह तथा धनबाद के उपायुक्त को ट्वीट कर अस्पताल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और उसका लाइसेंस रद्द करने की मांग की है। रत्नेश कुमार ने अपने ट्वीट में कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल झरिया निवासी संजीत सिंह (54 वर्ष) को इलाज के लिए धनबाद के अशर्फी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। इसके बाद अस्पताल प्रबंधन ने करीब 20,864 रुपये बकाया होने का हवाला देते हुए मृतक का शव परिजनों को सौंपने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी अस्पताल को कानूनी रूप से किसी मृतक के शव को बंधक बनाने का अधिकार नहीं है। यह मानवीय संवेदनाओं के खिलाफ है और स्वास्थ्य सेवा से जुड़े नियमों का भी उल्लंघन है। रत्नेश कुमार ने आरोप लगाया कि अस्पताल प्रबंधन अक्सर वेंटिलेटर और अन्य सुविधाओं के नाम पर मरीजों से अतिरिक्त पैसे वसूलने का प्रयास करता है और इस प्रकार की शिकायतें पहले भी सामने आती रही हैं। मामले की जानकारी मिलने के बाद नवनिर्वाचित मेयर संजीव सिंह तुरंत अस्पताल पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मानवीय पहल करते हुए अपने निजी कोष से बकाया राशि का भुगतान किया, जिसके बाद अस्पताल प्रबंधन ने मृतक का शव परिजनों को सौंप दिया। रत्नेश कुमार ने कहा कि सिंह मेंशन हमेशा पीड़ित और जरूरतमंद परिवारों के साथ खड़ा रहा है।

## कतरास थाना में नए प्रभारी के रूप में प्रवीण कुमार ने संभाला पदभार

**झारखंड दर्शन संवाददाता**

**धनबाद।** धनबाद जिले के कतरास थाना में शुक्रवार को नए थाना प्रभारी के रूप में प्रवीण कुमार ने औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण कर लिया। इस अवसर पर निवर्तमान थाना प्रभारी आसित सिंह ने उन्हें बुके भेंट कर कतरास थाना का कार्यभार सौंपा। पदभार ग्रहण के दौरान थाना परिसर में पुलिस पदाधिकारियों और जवानों की उपस्थिति रही। पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने थाना परिसर का निरीक्षण किया और विभिन्न शाखाओं की कार्यप्रणाली की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों के साथ बैठक कर क्षेत्र की कानून-व्यवस्था की स्थिति, अपराध की प्रकृति तथा लंबित मामलों की समीक्षा की। बैठक के दौरान उन्होंने स्पष्ट कहा कि क्षेत्र में शांति और विधि-व्यवस्था बनाए रखना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि अपराध नियंत्रण, लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन और आम जनता की शिकायतों के शीघ्र समाधान पर विशेष ध्यान दिया जाय। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय से ही अपराध पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से अपील करते हुए कहा कि यदि कहीं भी किसी प्रकार की आपराधिक गतिविधि या समस्या की जानकारी मिले तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। थाना प्रभारी ने कहा कि पुलिस की कोशिश रहेगी कि क्षेत्र में भयमुक्त वातावरण बना रहे और आम लोगों को सुरक्षा का भरोसा मिल सके। इसके लिए पुलिस लगातार गश्ती, निगरानी और जनसंपर्क अभियान को भी मजबूत करेगी।

## असर्फी अस्पताल में शव रोकने के आरोप पर विधानसभा में गूंजा मामला, विधायक रागिनी सिंह ने सरकार से मांगा जवाब

**झारखंड दर्शन संवाददाता**

**धनबाद।** झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान झरिया की विधायक रागिनी सिंह ने धनबाद के एक निजी अस्पताल में शव रोकने के आरोप का मुद्दा सदन में उठाते हुए सरकार से जवाब मांगा। इस मामले को लेकर विधानसभा में स्वास्थ्य व्यवस्था और निजी अस्पतालों की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े हो गए।

विधायक रागिनी सिंह ने सदन में सूचना के माध्यम से बताया कि धनबाद जिले के जामाडोबा, झरिया निवासी गुडू सिंह उर्फ संजीत सिंह एक दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें इलाज के लिए धनबाद स्थित अशरफी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। उन्होंने कहा कि राज्य के स्वास्थ्य मंत्री सदन में यह कहते हैं कि किसी मरीज की मृत्यु हो जाने के बाद अस्पताल में किसी प्रकार का

अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाता और शव को तुरंत परिजनों को सौंप दिया जाता है। लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग दिखाई दे रही है। विधायक रागिनी सिंह ने आरोप लगाया कि मृतक के परिजनों से अस्पताल प्रबंधन द्वारा पैसे की मांग की गई और जब तक भुगतान नहीं किया गया, तब तक शव को परिजनों को नहीं सौंपा गया। उन्होंने सरकार से सवाल करते हुए कहा कि यदि सरकार की ओर से ऐसा स्पष्ट नियम है कि मृत्यु के बाद किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा, तो फिर इस नियम का पालन क्यों नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार पहले ही अपने परिजन को खोने के दुख से गुजरते हैं। ऐसे समय में यदि अस्पताल प्रबंधन शव रोककर पैसे की मांग करता है, तो यह बेहद अमानवीय और शर्मनाक है। सरकार को इस तरह की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए दोषी अस्पतालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। रागिनी सिंह ने सरकार से मांग की कि इस मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में किसी भी परिवार को इस प्रकार की स्थिति का सामना न करना पड़े और स्वास्थ्य व्यवस्था पर आम लोगों का भरोसा बना रहे।

## लापता परमेश्वर टुडू का शव रेल ट्रैक पर बरामद, परिजनों में शोक की लहर

**झारखंड दर्शन संवाददाता**

**सिंदरी।** सिंदरी थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक बेहद दुखद घटना सामने आई। पिछले करीब एक महीने से लापता चल रहे 45 वर्षीय परमेश्वर टुडू का शव रेल लाइन ट्रैक के एल-1 13 पोल के पास क्षत-विक्षत अवस्था में बरामद किया गया। मृतक मनोहर टांड़, सिंदरी कॉलेज के समीप के निवासी बताए जाते हैं। शव मिलने की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

परिजनों के लिए एक महीने का लंबा इंतजार आखिरकार दुखद अंत में बदल गया। मृतक के छोटे भाई रवि टुडू ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि परमेश्वर टुडू लगभग एक महीने पहले अचानक घर से लापता हो गए थे। इसके बाद से ही परिवार के सदस्य लगातार उनकी तलाश में जुटे हुए थे। उन्होंने बताया कि परमेश्वर मानसिक रूप से कुछ

अस्वस्थ चल रहे थे, जिसके कारण परिजनों को उनके साथ किसी अनहोनी की आशंका भी बनी हुई थी। परिवार के लोगों ने आसपास के कई स्थानों पर उनकी खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल पाया। शुक्रवार को अचानक उनके शव मिलने की सूचना से पूरे परिवार की उम्मीदें टूट गईं और घर में मातम छा गया। घटना की सूचना मिलते ही सिंदरी थाना पुलिस हरकत में आई। सिंदरी थाना से एएसआई हेमाराम और घटनास्थल प्रभारी एएसआई हेंब्रम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और आसपास के लोगों से पूछताछ भी की। इसके बाद पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए पंचनामा तैयार किया और परिजनों के बयान दर्ज किए। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए एएसआई हेमाराम की मौजूदगी में सभी औपचारिकताएं पूरी की गईं। परिजनों के आग्रह पर शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया गया। पुलिस ने मौके पर ही पंचनामा की प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया। लगभग एक महीने की लंबी तलाश के बाद परमेश्वर टुडू का इस तरह शव मिलना पूरे इलाके के लोगों के लिए बेहद दुखद खबर है। घटना के बाद से क्षेत्र में शोक का माहौल है। स्थानीय लोगों और शुभचिंतकों ने पीड़ित परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा परिजनों को इस दुख की घड़ी को सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की है। फिलहाल परिवार के सदस्य अंतिम संस्कार की तैयारियों में जुटे हुए हैं।

**कार्यक्रम** आईआईटी धनबाद में कैटेलिसिस इन सिंथेसिस राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ

# शैक्षणिक व अनुसंधान उत्कृष्टता के 100 वर्षों की उपलब्धियों का प्रतीक है

**झारखंड दर्शन संवाददाता**

**धनबाद।** भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान धनबाद में शुक्रवार को दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन कैटेलिसिस इन सिंथेसिस का शुभारंभ स्वर्ण जयंती व्याख्यान रंगमंच में किया गया। इस सम्मेलन में देशभर के प्रमुख रसायनज्ञ, वैज्ञानिक, शोधकर्ता और विद्यार्थी उत्प्रेरण तथा सिंथेटिक रसायन विज्ञान के क्षेत्र में हो रही नवीनतम प्रगति और अनुसंधान पर विचार-विमर्श करने के लिए एकत्रित हुए हैं। यह सम्मेलन संस्थान के रसायन विज्ञान एवं रासायनिक जीवविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का

आयोजन संस्थान के शताब्दी समारोह के अंतर्गत किया जा रहा है, जो शैक्षणिक एवं अनुसंधान उत्कृष्टता के 100 वर्षों की उपलब्धियों का प्रतीक है।

उद्घाटन सत्र की शुरूआत सम्मेलन संयोजक प्रोफेसर सौमित्र मैती के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने अपने संबोधन में आधुनिक रासायनिक संश्लेषण में उत्प्रेरण की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि फार्मास्यूटिकल्स, पदार्थ विज्ञान और सतत प्रौद्योगिकियों के विकास में उत्प्रेरण की भूमिका लगातार बढ़ती जा रही है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्मश्री से सम्मानित प्रो० विनोद के. सिंह, जो भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में चेयर प्रोफेसर हैं, ने उद्घाटन व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि उत्प्रेरण आधुनिक रासायनिक अनुसंधान में परिवर्तनकारी भूमिका निभा रहा है और भविष्य में नई एवं टिकाऊ संश्लेषणात्मक विधियों के विकास के लिए सहयोगात्मक और अंतःविषयक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना आवश्यक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के उपनिदेशक प्रो० धीरज कुमार ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सी आई एस -2026 जैसे राष्ट्रीय सम्मेलन अनुभवी वैज्ञानिकों और युवा शोधकताओं के बीच संवाद स्थापित करने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करते हैं। इससे न केवल ज्ञान का आदान-प्रदान होता है बल्कि अनुसंधान के नए आयाम भी विकसित होते हैं। मंच पर प्रो० के के ओझा डीन, सतत शिक्षा कार्यक्रम और प्रो० एस. के. पाधी विभागाध्यक्ष, रसायन विज्ञान एवं रासायनिक जीव विज्ञान विभाग भी उपस्थित थे। उन्होंने रसायन विज्ञान के समकालीन क्षेत्रों में विभाग द्वारा किए जा रहे अनुसंधान कार्यों और पहल पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि का अभिनंदन किया गया और उसके बाद सम्मेलन की कार्यवाही का औपचारिक शुभारंभ हुआ। सम्मेलन के सह-संयोजक प्रोफेसर सुनील पुलेटिकुरती ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। आयोजकों के अनुसार, इस सम्मेलन का उद्देश्य वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और शोधकताओं को उत्प्रेरक अभिक्रियाओं, संश्लेषण विधियों तथा सतत रासायनिक प्रक्रियाओं में उभरते नए रुझानों पर विचार-विमर्श और शोध अनुभव साझा करने के लिए एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करना है।

## धनबाद जंक्शन से पोडनूर-धनबाद अमृत भारत साप्ताहिक एक्सप्रेस का भव्य स्वागत

**झारखंड दर्शन संवाददाता**

**धनबाद।** धनबादवासियों के लिए दिन एक महत्वपूर्ण उपलब्धि लेकर आया, जब पोडनूरझ्रधनबाद अमृत भारत साप्ताहिक एक्सप्रेस के परिचालन की शुरूआत हुई। इस अवसर पर धनबाद जंक्शन पर आयोजित स्वागत समारोह में धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो मुख्य रूप से उपस्थित रहे। सांसद ढुलू महतो ने धनबाद जंक्शन पर पहुंची इस नई ट्रेन का हरी झंडी दिखाकर स्वागत किया तथा ट्रेन के लोको पायलट को माला पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

इस मौके पर सांसद ढुलू महतो ने कहा कि पोडनूर धनबाद अमृत भारत साप्ताहिक एक्सप्रेस के परिचालन से धनबाद तथा आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को बड़ी सुविधा प्राप्त होगी। इस ट्रेन के माध्यम से दक्षिण भारत के प्रमुख क्षेत्रों से धनबाद का सीधा रेल संपर्क स्थापित हो गया है, जिससे यात्रियों को आवागमन में काफी सहूलियत मिलेगी और समय की भी बचत होगी। उन्होंने कहा कि इस नई रेल सेवा से व्यापार, शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

## सुभाषितम्

**वृक्ष अपने सिर पर गरमी सहता है पर अपनी छाया में दूसरों का ताप दूर करता है। - तुलसीदास**

## गैस संकट : सरकार के दावे और जमीनी हकीकत?

देश के कई हिस्सों में रसोई गैस को लेकर जिस तरह की स्थिति सामने आ रही है, उसने आम जनता की चिंता बढ़ा दी है। लोगों के पास ना तो रसोई गैस है ना केरोसिन तेल है और ना ही लकड़ी उपलब्ध हो रही है। कई स्थानों पर तो बिजली सप्लाई भी नहीं हो पा रही है। ऐसे में घर में खाना बनाना सबसे मुश्किल काम हो गया है। एक ओर सरकार दावा कर रही है, देश में एलपीजी की कोई कमी नहीं है, वहीं दूसरी ओर उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर के लिए लंबी कतारों में घंटों खड़े रहना पड़ रहा है। देश के सैकड़ो स्थान से इस बात के वीडियो और फोटो समाचार पत्रों, न्यूज चैनल्स और सोशल मीडिया में प्रदर्शित हो रहे हैं। कई स्थानों पर डीलर खुले तौर पर कह रहे हैं, उनके पास पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध नहीं है। पिछले कई दिनों से गैस की बुकिंग और सप्लाई बंद है। यह विरोधाभास केवल प्रशासनिक, नीतिगत और व्यवस्था की समस्या नहीं है वरन उन करोड़ों लोगों की समस्या है जिनके घर पर ना तो चाय बन पा रही है ना खाना बन पा रहा है। जो सरकार के दावों की हकीकत को उजागर कर रहा है। भारत में घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति मुख्य रूप से सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों–इंडियन आयल कारपोरेशन, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के माध्यम से की जाती है। इसके अलावा निजी गैस कंपनियां भी गैस सप्लाई करती हैं लेकिन सभी कंपनियों की गैस आपूर्ति प्रभावित हुई है। सरकार का तर्क है, इन कंपनियों के पास पर्याप्त भंडार है। वितरण प्रणाली सामान्य रूप से चल रही है, पर वास्तविकता में उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहे है। 1800 से 2000 रुपए में एलपीजी का घरेलू गैस सिलेंडर कालाबाजारी से मिल रहा है। वही कमर्शियल गैस सिलेंडर 4000 रुपये तक में बिक रहा है। सरकार इसे वितरण तंत्र की गंभीर खामी बताकर पल्ला झाड़ रही है। जमीनी स्तर पर डीलरों का कहना है, उन्हें कंपनियों से समय पर पर्याप्त संख्या में सिलेंडर नहीं मिल रहे हैं। पोर्टल ठीक तरीके से काम नहीं कर रहा है। गैस डीलर भी जिस माध्यम से बुकिंग करते हैं उसका भी पोर्टल बार-बार या तो धीमा हो जाता है या बंद हो जाता है। जिसके कारण वह उपभोक्ताओं की मांग को पूरी नहीं कर पा रहे हैं। बुकिंग के बाद भी उपभोक्ताओं को कई दिनों तक सिलेंडर का इंतजार करना पड़ रहा है। जिसके कारण करोड़ों घर में खाना बनाना मुश्किल हो गया है।

इससे सवाल उठता है, यदि उत्पादन और भंडारण पर्याप्त है, तो फिर गैस की आपूर्ति में बाधा क्यों है? इस समस्या से आम आदमी से लेकर होटल व्यवसाय से जुड़े हुए लोगों और शादी ब्याह के आयोजनों में लोगों को बड़ी परेशानी हो रही है। गैस के कारण मात्र असुविधा नहीं वरन गैस लूटने तक की घटनाएं सामने आ रही हैं। रसोई गैस आम परिवारों की बुनियादी आवश्यकता है। इसका कोई विकल्प भी उनके पास उपलब्ध नहीं है। शहरी और अर्धशहरी क्षेत्रों के करोड़ों परिवार एलपीजी गैस पर निर्भर हैं। ऐसे में गैस की आपूर्ति बाधित होने पर इसका सीधा असर करोड़ों लोगों के जीवनयापन और छोटे व्यवसायों पर पड़ा है। सरकार केवल बयान देने तक सीमित न रहे। सरकार और कार्यपालिका की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है, वह गैस की आपूर्ति प्रणाली की वास्तविक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए युद्ध स्तरीय प्रयास करे। गैस की आपूर्ति को लेकर जमाखोरी, परिवहन या वितरण में गड़बड़ी है, तो उस पर तुरंत सख्त से सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। गैस एजेंसियों और उपभोक्ताओं के बीच पारदर्शी एवं जवाबदेही के लिए संवाद जरूरी है, सार्वजनिक क्षेत्र में और मंदिर इत्यादि में जहां लंगर इत्यादि गरीबों के लिए चलाए जाते हैं वहां पर गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। ताकि भ्रम की स्थिति समाप्त हो। लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के साथ होना चाहिए। यदि सरकार का दावा सही है, गैस की कमी नहीं है तो ऐसी स्थिति में जनता को सड़कों पर उतरने की नौबत क्यों आई है? इस प्रश्न का स्पष्ट और ईमानदार उत्तर देना सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है। गैस संकट का वास्तविक समाधान तभी हो सकता है, जब सभी पक्ष ईमानदारी के साथ वास्तविक स्थिति को ध्यान में रखते हुए आपस में सहयोग करें। गैस, पेट्रोल, डीजल अब सभी लोगों से नियमित रूप से जुड़ा हुआ एक ऐसा मामला है जिसके बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है और ना ही इसे झुठलाया जा सकता है। सभी पक्ष जितनी जल्दी हकीकत को समझ लेंगे, समस्या का समाधान उतनी ही जल्दी निकाल पाएंगे।

# अमेरिका में भारतीयों पर हमलों की बढ़ती घटनाओं से उपजे सवाल

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

अमेरिका स्वयं को दुनिया का सबसे विकसित और सबसे बड़ा लोकतांत्रिक समाज बताता है। वह मानवाधिकार, समानता और बहुसांस्कृतिक समाज की बात भी करता है, विश्व में जहां भी अमेरिका अपनी सैन्य कार्रवाई करता है, वहां इस कार्रवाई किए जाने का कारण भी वहां के समाज पर हो रहे अत्याचार को ही अक्सर बताता है पर आज अमेरिका में ही पिछले एक दशक में भारतीय मूल के लोगों के खिलाफ सामने आई हिंसक घटनाओं की लंबी श्रृंखला उसकी इस छवि पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

साल 2016 से 2026 के बीच अमेरिका में भारतीयों के खिलाफ 41 बड़ी गंभीर घटनाएँ दर्ज की गई हैं। इनमें से 38 मामलों में भारतीय मूल के लोगों की मौत हुई है और 3 मामलों में लोग गंभीर हमलों से बच गए। इन घटनाओं में गोलीबारी, लूटपाट, अपहरण, संदिग्ध मौतें, सड़क दुर्घटनाएँ और नस्लीय घृणा से जुड़े हमले शामिल हैं। वस्तुतः हाल ही में 1 मार्च 2026 को टेक्सास के ऑस्टिन में हुई गोलीबारी में 21 वर्षीय भारतीय मूल की छात्रा सविता शान की मौत ने इस मुद्दे को फिर से वैश्विक चर्चा में ला दिया है। इस गोलीबारी में हमलावर ने अंधाधुंध फायरिंग की। इस तरह की यह घटना अकेली नहीं है, न ही ये एक अलग प्रकार का कोई प्रकरण है, बल्कि यह पिछले कई वर्षों से सामने आ रही घटनाओं की एक चिंताजनक श्रृंखला का हिस्सा है। सवाल यह है कि क्या यह केवल अपराध की घटनाएँ हैं या इसके पीछे समाज में पनप रही कोई गहरी मानसिकता भी काम कर रही है?

### अमेरिकी में रहने का भारतीयों का सपना और बढ़ती मौतें

अमेरिका लंबे समय से भारतीय छात्रों के लिए शिक्षा और करियर का सबसे बड़ा केंद्र रहा है। हर वर्ष हजारों भारतीय छात्र उच्च शिक्षा के लिए वहाँ जाते हैं, किंतु पिछले कुछ वर्षों में सामने आई घटनाएँ इस 'अमेरिकन ड्रीम' के पीछे छिपे खतरों को भी उजागर करती हैं। साल 2025 में टेक्सास में कार्तिक वेंकट साई बद्दिरेड्डी नामक छात्र की पेट्रोल पंप पर काम करते समय लूटपाट के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई। उसी वर्ष वॉशिंगटन डीसी में कोय्यादा रवि तेजा को खाना डिलीवरी करते समय लुटेरों ने गोली मार दी।

साल 2024 में जॉर्जिया में विवेक सैनी की निर्मम हत्या ने पूरे भारतीय समुदाय को झकझोर दिया। बताया गया कि वह एक बेघर व्यक्ति की मदद करता था लेकिन उसी व्यक्ति ने बाद में हथौड़े से हमला कर उसकी हत्या कर दी। इसी वर्ष वरुण राज पुचा नामक छात्र को जिम में चाकू मारकर हत्या कर दी गई, जिसे पुलिस ने संभावित हेट क्राइम माना। इन घटनाओं ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या अमेरिका में पढ़ने जाने वाले विदेशी छात्रों की सुरक्षा वास्तव में उतनी मजबूत है जितनी बताई जाती है?

### कामकाजी भारतीयों पर अपराधियों की नजर

अमेरिका में बड़ी संख्या में भारतीय छात्र पढ़ाई के साथ-साथ छोटे-मोटे काम भी करते हैं। गैस स्टेशन, सुविधा स्टोर, डिलीवरी सेवाएँ और रेस्टोरेंट जैसे क्षेत्रों में भारतीय युवाओं की मौजूदगी काफी अधिक है और यही कार्यस्थल कई बार अपराधियों के लिए आसान निशाना बन जाते हैं।

साल 2018 में शरथ कोप्पू नामक भारतीय छात्र की रेस्टोरेंट में लूटपाट के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई। साल 2017 में विक्रम जरयाल को वॉशिंगटन में गैस स्टेशन पर काम करते समय गोली मार दी गई। साल 2023 में ओहायो में सैइश वीरा नामक युवक की गैस स्टेशन पर लूट के दौरान हत्या कर दी गई। वस्तुतः इन घटनाओं से यह स्पष्ट होता है कि सेवा क्षेत्र में काम करने वाले प्रवासी युवाओं को अक्सर असुरक्षित परिस्थितियों में काम करना पड़ता है, जहाँ अपराध की आशंका अधिक होती है।

### नस्लीय घृणा का कड़वा सच

हालाँकि सभी घटनाओं को सीधे नस्लीय घृणा से नहीं जोड़ा जा सकता पर कुछ मामलों में ऐसी मानसिकता साफ दिखाई देती है। साल 2017 में कंसास में इंजीनियर श्रीनिवास कुचिभोटला की हत्या ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक आक्रोश पैदा किया था। हमलावर ने गोली चलाने से पहले कथित रूप से कहा था, 'अपने देश वापस जाओ।' इसी तरह वॉशिंगटन में दीप राय नामक सिख व्यक्ति पर गोली चलाने वाले हमलावर ने भी विदेशी विरोधी टिप्पणी की थी। इन घटनाओं ने यह सवाल उठाया कि क्या अमेरिका के समाज में विदेशी मूल के लोगों के प्रति असहिष्णुता बढ़ रही है।

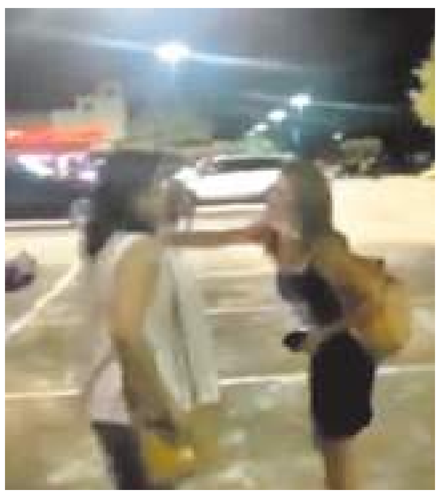

कुछ घटनाएँ इतनी भयावह थीं कि उन्होंने पूरे भारतीय समुदाय को हिला दिया। साल 2022 में कैलिफोर्निया में भारतीय मूल के एक सिख परिवार-जसदीप सिंह, उनकी पत्नी जसलीन कौर, आठ महीने की बच्ची और भाई अमनदीप सिंह का अपहरण कर हत्या कर दी गई। साल 2026 में पंजाब के अवतार सिंह का कैलिफोर्निया में अपहरण कर हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार यह संभवतः पहचान की गलती का मामला था।

### रहस्यमयी मौतें और लंबी जांच

कुछ घटनाएँ ऐसी भी हैं जिनमें मौत के कारण स्पष्ट नहीं हो पाए। 2024 में परुचुरी अभिजीत का शव जंगल में एक कार के अंदर मिला। इसी वर्ष समीर कामथ और नील आचार्य जैसे छात्रों की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई। इन घटनाओं में कुछ सड़क दुर्घटनाएँ भी शामिल हैं, लेकिन उनमें भी विवाद सामने आए।

2023 में सिएटल में भारतीय छात्रा जाह्नवी कंडुला की मौत एक पुलिस वाहन की टक्कर से हो गई। बाद में एक पुलिस अधिकारी की कथित हंसी से जुड़ा ऑडियो सामने आया, जिसने इस मामले को और विवादित बना दिया। 2019 में टेक्सास में दो भारतीय छात्राओं की हिट-एंड-रन दुर्घटना में मौत हो गई थी। रिपोर्ट में तीन ऐसे मामले भी दर्ज हैं जिनमें भारतीयों पर हमला हुआ लेकिन वे बच गए। 2025 में शिकागो में एक भारतीय छात्र को कार में बैठे-बैठे गोली मार दी गई। 2024 में एक अन्य छात्र पर चार हथियारबंद लुटेरों ने हमला किया। ये घटनाएँ दिखाती हैं कि खतरा केवल जान जाने तक सीमित नहीं है।

### भारतीय समुदाय की बढ़ती चिंता

अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों की संख्या लगभग 50 लाख से अधिक है। यह समुदाय तकनीक, चिकित्सा, शिक्षा और व्यापार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लेकिन लगातार सामने आ रही घटनाओं ने इस समुदाय के बीच असुरक्षा की भावना को बढ़ा दिया है। भारत में भी उन परिवारों के बीच चिंता बढ़ रही है जिनके बच्चे पढ़ाई के लिए अमेरिका जाते हैं।

इन घटनाओं के बाद कई मामलों में अमेरिकी पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया और जांच भी की। भारतीय दूतावास और वाणिज्य दूतावास भी कई मामलों में पीड़ित परिवारों की मदद के लिए आगे आए। पर इसके बाद भी सवाल सिर्फ जांच या गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है। सवाल यह है कि क्या प्रवासी समुदायों की सुरक्षा को पर्याप्त प्राथमिकता दी जा रही है?

इस तरह से देखें तो अमेरिका में पिछले दस वर्षों में हुई इन 41 घटनाओं ने यह संकेत दिया है कि प्रवासी समुदायों की सुरक्षा को लेकर अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। भारतीय समुदाय ने हमेशा अपनी मेहनत, ज्ञान और प्रतिभा से दुनिया में पहचान बनाई है। ऐसे में यह उम्मीद की जाती है कि अमेरिका जैसे शक्तिशाली लोकतंत्र में उन्हें सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण मिलेगा। यदि ऐसा नहीं होगा तो यही समझा जाएगा कि अमेरिका की लोकतांत्रिक छवि में सत्यता नहीं है।

# धैर्य की सीमा के बाद

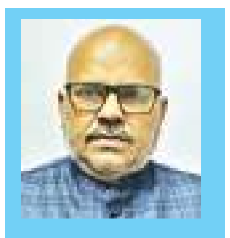

विनय कुमार तिवारी

पारिवारिक जीवन में मतभेद होना स्वाभाविक है। जहां अलग-अलग सोच, पीढ़ियों का अंतर, आर्थिक जिम्मेदारियां और भावनात्मक अपेक्षाएं हों, वहां कभी-कभी तनाव भी उत्पन्न होता है। लेकिन जब यही मतभेद लगातार झगड़े, कटु शब्दों, अपमान और मानसिक पीड़ा का रूप ले लें और स्थिति इतनी बढ़ जाय कि धैर्य की सीमाएं टूटने लगें, तब मन गहराई से विचलित हो जाता है। व्यक्ति स्वयं से पूछने लगता है कि अब क्या किया जाए ? सहन किया जाय, समझौता किया जाय या कोई कठोर निर्णय लिया जाय। ऐसी स्थिति में सबसे पहली आवश्यकता है स्वयं को संभालने की। जब भावनाएं उफान पर होती हैं, तब लिया गया निर्णय अक्सर संतुलित नहीं होता। क्रोध, आहत अहंकार और निराशा मिलकर सोचने-समझने की क्षमता को प्रभावित कर देते हैं। इसलिए कुछ समय के लिए मानसिक विराम लेना आवश्यक है। यह विराम भागना नहीं होता, बल्कि स्वयं को स्थिर करने का प्रयास होता है। शांत मन से स्थिति को देखने पर कई बार वही समस्या उतनी भयावह नहीं लगती जितनी उस क्षण प्रतीत हो रही थी। पारिवारिक कलह का वास्तविक कारण समझना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। कई बार झगड़े किसी एक छोटी घटना से शुरू होते हैं, लेकिन उनके पीछे वर्षों की अनकही शिकायतें और गलतफहमियां छिपी होती हैं। हो सकता है आर्थिक दबाव हो, जिम्मेदारियों का असमान बंटवारा हो, किसी सदस्य का हस्तक्षेप हो या फिर केवल संवाद की कमी हो। जब तक जड़ तक नहीं पहुंचा जाता, तब तक समाधान अधूरा ही रहता है। इसलिए ईमानदारी से यह स्वीकार करना जरूरी है कि समस्या कहां से जन्म ले रही है और उसमें हमारी क्या भूमिका है ? संवाद हर संबंध की धुरी है। यदि संवाद बंद हो जाय तो दूरी बढ़ना स्वाभाविक है। लेकिन संवाद का अर्थ केवल अपनी बात कहना नहीं, बल्कि सामने वाले को समझना भी है। कटु शब्दों से नहीं, बल्कि संयमित और स्पष्ट भाषा से अपनी पीड़ा व्यक्त करना अधिक प्रभावी होता है। यदि दोनों पक्ष शांत होकर अपनी-अपनी भावनाएं साझा करें, तो कई बार आधी समस्या वहीं समाप्त हो जाती है। संवाद में आरोपों से बचना चाहिए और भावनाओं को सम्मानपूर्वक रखना चाहिए। 'तुम हमेशा ऐसा करते हो' जैसी भाषा दूरी बढ़ाती है, जबकि 'मुझे ऐसा महसूस होता है' जैसे वाक्य संबंधों को संभालते हैं।

यदि स्थिति बार-बार बिगड़ रही हो और घर का वातावरण तनावपूर्ण बना रहता हो, तो किसी तटस्थ व्यक्ति की सहायता लेना समझदारी है। परिवार के किसी सम्मानित बुजुर्ग या विश्वसनीय व्यक्ति के सामने बात रखने से समाधान की राह निकल सकती है। आजकल पारिवारिक परामर्श भी एक सशक्त माध्यम है। पेशेवर काउंसलर भावनात्मक उलझनों को सुलझाने में मदद करते हैं और दोनों पक्षों को एक-दूसरे को बेहतर समझने का अवसर देते हैं। यह कमजोरी नहीं, बल्कि परिपक्वता का संकेत है। जहां सम्मान की बार-बार अवहेलना हो रही हो, वहां सीमाएं तय करना भी आवश्यक है। हर व्यक्ति को अपने निजी जीवन, विचारों और निर्णयों का अधिकार है। यदि कोई बार-बार अपमानित कर रहा हो या अनावश्यक हस्तक्षेप कर रहा हो, तो स्पष्ट रूप से यह बताना जरूरी है कि क्या स्वीकार्य है और क्या नहीं। सीमाएं बनाना संबंध तोड़ना नहीं होता, बल्कि संबंध को स्वस्थ दिशा देना होता है। आत्म सम्मान की रक्षा करना स्वार्थ नहीं, बल्कि आत्म-सुरक्षा है। यदि पारिवारिक कलह मानसिक उत्पीड़न या शारीरिक हिंसा का रूप ले ले, तो स्थिति और गंभीर हो जाती है। ऐसी अवस्था में चुप रहना समाधान नहीं है। स्वयं की सुरक्षा सर्वोपरि है। किसी विश्वसनीय व्यक्ति को स्थिति बताना, सहायता लेना और आवश्यकता पड़ने पर कानूनी कदम उठाना भी उचित हो सकता है। सहनशीलता का अर्थ अन्याय को स्वीकार करना नहीं होता। विशेषकर यदि बच्चों या बुजुर्गों पर इसका प्रभाव पड़ रहा हो, तो निर्णायक कदम और भी आवश्यक हो जाते हैं।

कई बार पारिवारिक तनाव का एक बड़ा कारण आर्थिक निर्भरता भी होता है। जब व्यक्ति स्वयं को पूरी तरह असहाय महसूस करता है, तब उसके लिए विकल्प सीमित हो जाते हैं। इसलिए आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रयास करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। आर्थिक स्वतंत्रता केवल आय का साधन नहीं, बल्कि आत्मविश्वास का आधार भी है। जब व्यक्ति आत्मनिर्भर होता है, तब वह अपने निर्णय अधिक स्पष्टता और साहस से ले पाता है। इन सबके साथ आत्मचिंतन भी जरूरी है। यह मान लेना कि पूरी गलती केवल दूसरे की है, समाधान की राह में बाधा बन सकता है। हमें यह देखने का साहस भी रखना चाहिए कि क्या हमारे व्यवहार में कुछ ऐसा है जो स्थिति को और जटिल बना रहा है। यदि हम स्वयं में सकारात्मक परिवर्तन लाते हैं, तो कई बार वातावरण स्वतः बदलने लगता है। परिपक्वता का अर्थ यही है कि हम स्वयं को भी सुधारने के लिए तैयार रहें। यदि सभी प्रयासों के बाद भी स्थिति में सुधार न हो और घर का वातावरण लगातार विषाक्त बना रहे, तो अलग रहने का विकल्प भी विचारणीय हो सकता है। यह निर्णय कठिन अवश्य होता है, परंतु कई बार दूरी ही संबंधों को बचा लेती है। अलग रहने का अर्थ हमेशा संबंध समाप्त करना नहीं होता, बल्कि तनाव को कम करना भी हो सकता है। जब व्यक्ति मानसिक शांति में होता है, तब वह संबंधों को अधिक संतुलन के साथ देख पाता है। पारिवारिक कलह जब धैर्य की सीमा पार कर जाय, तो केवल सहते रहना समाधान नहीं है। शांत होकर स्थिति का विश्लेषण करें, संवाद स्थापित करें, मध्यस्थता की सहायता लें, आत्मसम्मान की रक्षा करें और आवश्यक हो तो निर्णायक कदम उठाएं। अपनी मानसिक शांति और गरिमा को प्राथमिकता देना अत्यंत आवश्यक है। परिवार महत्वपूर्ण है, लेकिन किसी भी संबंध से बढ़कर व्यक्ति का सम्मान और सुरक्षा है।

जीवन का उद्देश्य केवल संबंध निभाना नहीं, बल्कि सम्मान और संतुलन के साथ जीना है। यदि संबंधों में प्रेम, समझ और सम्मान पुनः स्थापित हो सकते हैं, तो अवश्य प्रयास करें। लेकिन यदि निरंतर पीड़ा ही मिल रही हो, तो स्वयं के लिए बेहतर और शांतिपूर्ण जीवन चुनना भी एक साहसिक और सही निर्णय हो सकता है।

# भावनाओं के सैलाब में उमड़ा इच्छा मृत्यु का निर्णय

डॉ. रमेश ठाकुर

गाजियाबाद निवासी 32 वर्षीय हरीश राणा की इच्छा मृत्यु पर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय ऐसा भावनात्मक फैसला है जो भारतीय न्याय व्यवस्था के इतिहास में पहली बार लिया गया। कोर्ट के आदेशानुसार इच्छा मृत्यु पर सभी प्रक्रियाएं बेशक मानवीय ढंग और चिकित्सीय निगरानी में होंगी लेकिन फैसला देने वाली पीठ के जस्टिस जेबी परदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन खुद भी भावुक हो गए। उन्होंने स्वीकार किया कि ये निर्णय देना उनके लिए बहुत कठिन था लेकिन उन्हें अपने फैसले के जरिए एक व्यक्ति को उनके निष्क्रिय शरीर से होती अंतहीन पीड़ा से मुक्ति दिलवाना था जिसका उन्होंने कानूनी मर्यादयों में रहकर अपना फर्ज निभाया।

ये मामला अगस्त 2024 में दिल्ली हाई कोर्ट से खारिज होकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था लेकिन यहां भी जजों की एकमत राय नहीं थी। काफी विमर्श के बाद शीर्ष कोर्ट ने ह्यमेडिकल बोर्डह्व गठित करने का आदेश दिया। बोर्ड की जब रिपोर्ट पहुंची, जिसमें चिकित्सकों ने बताया कि हरीश का शरीर शत-प्रतिशत निष्क्रिय हो चुका है इसलिए वह इच्छा मृत्यु का हकदार है। फिलहाल, इच्छा मृत्यु पर सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय ने जीवन के असमय अंत की चाहत पर समकालीन स्वास्थ्य देखभाल में ऐसी प्रथाओं की भूमिका पर अनोखी बहस को छेड़ा है। यह बहस सभ्य समाज के कानूनी, नैतिक, मानवाधिकार, स्वास्थ्य, धार्मिक, आर्थिक, आध्यात्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जटिलताओं और गतिशील पहलुओं को भी सोचने पर विवश करेगी।

गौरतलब है कि इच्छा मृत्यु शब्द की उत्पत्ति ग्रीस में हुई थी, जिसका अर्थ होता है सुखद मृत्यु। कानून में 'जीवन का अधिकार' अनुच्छेद 21 में निहित है

जो एक प्राकृतिक अधिकार भी। लेकिन आत्महत्या जीवन का अप्राकृतिक अंत है और इसलिए 'जीवन के अधिकार' की अवधारणा के साथ असंगत और विरोधाभासी है। भारत में आत्महत्या गैरकानूनी होने के बावजूद नहीं रूक रही। लेकिन इच्छा मृत्यु का नाम सुन कर न सिर्फ रोंगटे खड़े होते हैं बल्कि भावनाओं का समुद्र हिचकोले मारने लगता है। भारतीय सभ्यता सदैव से उदारवादी मानी गई है। इस लिहाज से कोई भी व्यक्ति किसी को मरने के लिए नहीं बोल सकता। लेकिन हरीश राणा का मामला इससे अलग है। बीते 13 वर्षों से उनके दर्द भरे जीवन को और लंबा नहीं खींचा जा रहा है। हरीश को दर्द भरे जीवन से मुक्ति दिलाने के अलावा दूसरा कोई चारा नहीं। शीर्ष अदालत ने हरीश के शरीर से जीवन रक्षक प्रणाली हटाने की अनुमति दे दी है, जिसे चिकित्सकीय निगरानी में उनकी आखिरी सांसों को प्राकृतिक बनाया जाएगा।

बेशक ये निर्णय पहला है पर यह आखिरी हो। इसके दुरुपयोग के जोखिम कम नहीं हैं। भारत में ऐसे असंख्य मामले हैं जहां बीमार बुजुर्गों के परिजन उनकी धन-दौलत, संपत्तियों पर कब्जा करने के लिए उनके मरने के इंतजार में हैं। ऐसे में वो भी उनकी इच्छा मृत्यु की चाह लेकर अदालतों तक पहुंचने लगेंगे। इस मसले में केंद्र सरकार को समग्र कानून या कोई व्यापक व्यवस्था बनानी होगा। हालांकि, ताजा फैसले को शीर्ष कोर्ट ने 2018 के कॉमन कॉज को कानूनी रूप से पैसिव यूथेनेशिया के तहत दिया है, जिसे बार-बार नहीं दोहराया जा सकता। हरीश का ये मामला दुर्लभ श्रेणी का है।

हरीश के साथ ये दुखद घटना अगस्त 2013 में रक्षाबंधन पर्व के दिन घटी थी। तब, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में वह सिविल इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष का छात्र था। अचानक हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिर पड़ा। गिरने के बाद उसके ब्रेन में गहरी इंजरी हुई। तब से लेकर आज तक तमाम चिकित्सीय सुविधाएं दी गईं लेकिन सभी बेअसर साबित हुईं। पिछले साढ़े 13 सालों से वह अचैत अवस्था में बिस्तर पर है। सारे डॉक्टर हार गए, कोई दवा काम नहीं आई। हार कर माता-पिता घर उसे ले आए और लाइफ सपोर्ट सिस्टम के सहारे कर दिया।

इस दौरान माता-पिता की समूची जिंदगी आर्थिक और मानसिक रूप से बेटे के स्वस्थ होने की चाह में तबाह हो गई। झूठी आस में बेटे की सेवा करते रहे लेकिन उसकी भी सीमा होती है। आखिर कब तक वह बेटे को जिंदा रखते। माता-पिता शारीरिक रूप से भी जब कमजोर होने लगे तो उन्होंने हाईकोर्ट में इच्छा मृत्यु की गुहार लगाई, जो अब कहीं जाकर मंजूर हुई है।

अदालत में लंबी जिरह हुई, कोर्ट द्वारा मंगाई गई 'एम्स अस्पताल' की रिपोर्ट जिससे साफ हुआ कि हरीश के ठीक किये जाने की कोई उम्मीद नहीं। तब, कोर्ट की पीठ ने भावुक होकर इच्छा मृत्यु पर कठोर निर्णय दिया।

दरअसल, ऐसा पड़ाव आ चुका था जिसे और लंबा नहीं खींचा जा सकता था। सुप्रीम कोर्ट ने पूरे सम्मानपूर्वक हरीश राणा को इच्छा मृत्यु की इजाजत देकर पूर्ण कार्य किया है। कोर्ट ने कहा है कि हरीश को अपार दुख में अब और नहीं रखा जा सकता। फिलहाल, एकाध दिनों में कोर्ट के आदेशानुसार हरीश के शरीर से जीवन रक्षक प्रणाली को हटाया जाएगा और पूरी मानवीय प्रक्रिया निभाकर उनके शरीर को मुक्ति दिलाई जाएगी।

**(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)**

## आज का राशिफल

**मेष :** मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी।

**वृष :** दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे।

**मिथुन :** घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे।

**कर्क :** सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। प्रेमभाव बढ़ेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी।

**सिंह :** कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा।

**कन्या :** आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे।

**तुला :** आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है।

**वृश्चिक :** कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा।

**धनु :** यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा।

**मकर :** मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ।

**कुंभ :** परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे।

**मीन :** अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। इच्छित कार्य सफल होंगे।

## संक्षिप्त खबरें

### 22 वोट से अविनाश यादव बने हजारीबाग के उपमहापौर, समाहरणालय सभागार में शांतिपूर्ण तरीके से हुआ चुनाव

**हजारीबाग।** नगर निगम में उपमहापौर पद के लिए शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में शांतिपूर्ण तरीके से निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न हुई। चुनाव में अविनाश यादव और मिताली रश्मि के बीच मुकाबला था। मतदान के बाद मतगणना में अविनाश यादव को बहुमत प्राप्त हुआ और उन्हें उपमहापौर पद के लिए निर्वाचित घोषित किया गया।
नगर निगम के 36 वार्डों में से 35 वार्ड पार्षदों ने मतदान में भाग लिया, जबकि एक पार्षद ने मतदान नहीं किया। मतगणना में अविनाश यादव को 22 मत मिले, जबकि मिताली रश्मि को 13 मत प्राप्त हुए। बहुमत मिलने के बाद अविनाश यादव को हजारीबाग नगर निगम का नया उपमहापौर घोषित किया गया। निर्वाचन के बाद महापौर और उपमहापौर पद के निवार्ची पदाधिकारी संतोष सिंह ने विजयी उम्मीदवार अविनाश यादव को निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया। इसके बाद महापौर अरविंद राणा ने उन्हें उपमहापौर पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने नवनिर्वाचित उपमहापौर को बधाई दी और नगर निगम क्षेत्र के विकास के लिए मिलकर कार्य करने की उम्मीद जताई।

### स्व. गिरजा साव की 75वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी गई

**विष्णुगढ़।** प्रखंड के सात मील मोड़ स्थित गिरजा नायक मेमोरियल स्कूल में पूर्व बीस सूत्री अध्यक्ष सह समाजसेवी स्व. गिरजा साव की 75वीं जयंती तथा विद्यालय का द्वितीय स्थापना दिवस श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर की गई, जबकि जयंती के अवसर पर केक काटा गया। इस मौके पर विद्यालय के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समारोह को आकर्षक बनाया। उपस्थित अतिथियों, अभिभावकों और ग्रामीणों ने स्व. गिरजा साव के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के निदेशक छोटी लाल प्रसाद ने बच्चों के बीच पारितोषिक का वितरण किया। कार्यक्रम में प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अरुण कुमार सिंह, गौरव पटेल, सरयू साव, यशोदा देवी, शंभू लाल यादव सहित कई जनप्रतिनिधि, अभिभावक और ग्रामीण मौजूद थे।

### रामनवमी जुलूस के नाम पर भाजपा जनता को कर रही गुमराह : कुंज बिहारी साव

**बड़कागांव।** राष्ट्रीय जनता दल पिछड़ा प्रकोष्ठ के हजारीबाग जिला अध्यक्ष कुंज बिहारी साव ने प्रेस बयान जारी कर भाजपा पर बड़कागांव की जनता को रामनवमी जुलूस के नाम पर वर्षों से गुमराह करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पिछले करीब 30 वर्षों से भाजपा बड़कागांव की जनता को केवल आश्वासन देती आ रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस पहल नहीं की गई।
उन्होंने कहा कि बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत महुदी गांव को भाजपा नेताओं ने राजनीति का अखाड़ा बना दिया है। पूर्व सांसद यदुनाथ पांडेय ने भी महुदी में रामनवमी जुलूस निकलवाने के नाम पर जनता से समर्थन लिया था, लेकिन आज तक जुलूस नहीं निकल सका। कुंज बिहारी साव ने कहा कि भाजपा नेता अक्सर यह कहते हैं कि राज्य में उनकी सरकार नहीं होने के कारण जुलूस नहीं निकल पा रहा है, जबकि केंद्र और राज्य दोनों जगह भाजपा की सरकार रहने के दौरान भी महुदी में रामनवमी जुलूस नहीं निकल पाया। उन्होंने आरोप लगाया कि 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव के दौरान सांसद मनीष जायसवाल और बड़कागांव के विधायक रोशन लाल चौधरी ने चुनाव जीतने के बाद महुदी में रामनवमी जुलूस पास कराने का वादा किया था, लेकिन चुनाव के बाद भी यह वादा पूरा नहीं हुआ, जिससे जनता खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही है।

### रामनवमी, सरहुल और ईद को लेकर कटकमसांडी थाना में शांति समिति की बैठक

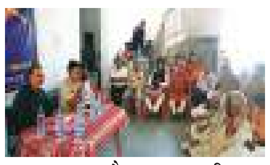

**कटकमसांडी।** आगामी रामनवमी, सरहुल और ईद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर कटकमसांडी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अंचल अधिकारी अनिल कुमार गुप्ता और थाना प्रभारी शिवम गुप्ता मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान प्रखंड के मुखिया, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, अखाड़ा समिति के पदाधिकारी तथा गणमान्य नागरिक शामिल हुए। बैठक में थाना प्रभारी शिवम गुप्ता ने कहा कि सभी लोग पर्व-त्योहार आपसी भाईचारे और शांति के साथ मनाएं। उन्होंने बताया कि हाई कोर्ट के निर्देश के अनुसार इस वर्ष रामनवमी जुलूस में डीजे पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। यदि कोई जुलूस में डीजे का उपयोग करता पाया गया तो उसे तुरंत जब्त कर लिया जाएगा और संबंधित अखाड़ा समिति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अंचल अधिकारी अनिल कुमार गुप्ता ने भी सभी अखाड़ा समितियों, युवाओं और आम नागरिकों से प्रशासन के निर्देशों का पालन करने और पर्व को शांति, सौहार्द और अनुशासन के साथ मनाने की अपील की। बैठक में मौजूद जनप्रतिनिधियों और समाज के बुद्धिजीवियों ने प्रशासन को हर संभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी, जबकि नियमों का पालन करने वाले अखाड़ों को हर संभव सहयोग दिया जाएगा।

### विधानसभा में गूंजा हजारीबाग का मुद्दा

# विधायक प्रदीप प्रसाद ने अधिवक्ताओं की सुरक्षा और आयुष सीएचओ की समस्याओं पर उठायी आवाज

#### सरकार से ठोस पहल की मांग, बेहतर सुविधाएं और लंबित मांगों के समाधान पर दिया जोर

**झारखंड दर्शन संवाददाता**
**हजारीबाग।** हजारीबाग के विधायक प्रदीप प्रसाद ने झारखंड विधानसभा में अधिवक्ताओं की सुरक्षा, सम्मान और कार्य-परिस्थितियों के साथ-साथ आयुष सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों की समस्याओं का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि न्याय व्यवस्था और स्वास्थ्य व्यवस्था दोनों ही समाज के लिए बेहद महत्वपूर्ण स्तंभ हैं, इसलिए इनसे जुड़े लोगों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिए। विधानसभा में अधिवक्ताओं से जुड़ा मुद्दा उठाते हुए प्रदीप प्रसाद ने कहा कि अधिवक्ता न्याय व्यवस्था की एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा, अधिकारों और गरिमा की रक्षा करना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने झारखंड में अधिवक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ह्यएडवोकेट प्रोटेक्शन एक्टह्न लागू करने की मांग की। उनका कहना था कि देश के कई राज्यों में यह कानून लागू है, जिससे अधिवक्ताओं को सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण में कार्य करने का अवसर मिला है। झारखंड में भी इस कानून को लागू कर अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा की जानी चाहिए।
उन्होंने राज्य के विभिन्न बार एसोसिएशनों में अधिवक्ताओं के लिए पर्याप्त बुनियादी सुविधाओं की कमी का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं के लिए बेहतर और गरिमापूर्ण कार्य वातावरण सुनिश्चित करने के लिए बार एसोसिएशनों में आधारभूत संरचनाओं के विकास की आवश्यकता है। इसी क्रम में उन्होंने गौरवशाली इतिहास वाले हजारीबाग बार एसोसिएशन के विकास से जुड़ा अनुपूरक प्रश्न भी उठाते हुए अधिवक्ताओं के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। इसके साथ ही विधायक प्रदीप प्रसाद ने राज्य में कार्यरत आयुष सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों की समस्याओं को भी विधानसभा में उठाया। उन्होंने कहा कि आयुष सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी राज्य के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, विशेषकर ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्रों में वे आम लोगों तक बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने का काम कर रहे हैं।
उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों और अनेक चुनौतियों के बावजूद ये अधिकारी लगातार समर्पण के साथ अपनी सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन उनकी कई मांगें लंबे समय से लंबित हैं। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि आयुष सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों की सेवा शर्तों, मानदेय, स्थायीकरण और अन्य सुविधाओं से जुड़ी मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए शीघ्र सकारात्मक निर्णय लिया जाए।
विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि अधिवक्ताओं और आयुष सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों की समस्याओं का समाधान होने से न केवल उनका मनोबल बढ़ेगा बल्कि राज्य की न्यायिक और स्वास्थ्य व्यवस्था भी अधिक मजबूत और प्रभावी बनेगी।

## विश्व में बढ़ते युद्ध से मानवता को खतरा, संघर्ष किसी समस्या का समाधान नहीं : संजय पासवान

**झारखंड दर्शन संवाददाता**
**हजारीबाग।** सीपीएम जिला कमेटी की बैठक तपेश्वर राम की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में राज्य सचिव मंडल सदस्य संजय पासवान पर्यवेक्षक के रूप में शामिल हुए। बैठक की शुरूआत अमेरिका, इराक और ईरान के युद्ध में मारे गए लोगों के प्रति एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि देने के साथ की गई।
बैठक में जिला सचिव गणेश कुमार सीटू ने संगठनात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस पर जिला कमेटी के सदस्यों ने चर्चा की और विचार-विमर्श के बाद रिपोर्ट को पारित किया गया।
बैठक को संबोधित करते हुए संजय पासवान ने कहा कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। उन्होंने कहा कि विश्व स्तर पर बढ़ते संघर्षों का असर आम लोगों पर पड़ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका एक ध्रुवीय विश्व व्यवस्था कायम करने और तेल संसाधनों पर नियंत्रण के लिए छोटे-छोटे देशों में हस्तक्षेप कर रहा है। उन्होंने इराक और वेनेजुएला का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां की सरकारों को अस्थिर करने की कोशिशें की गईं। उन्होंने कहा कि इजराइल और ईरान के बीच चल रहे तनाव के मामले में भारत की कूटनीतिक भूमिका भी प्रभावी नहीं दिख रही है, जिसका असर देश में तेल और एलपीजी की कीमतों पर पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी कंपनियों के प्रवेश, चार श्रम संहिता लागू करने, मनरेगा को समाप्त कर वीजी रामजी लागू करने और नए बिजली अधिनियम के विरोध में पार्टी की केंद्रीय कमेटी ने 24 मार्च को दिल्ली के रामलीला मैदान में रैली आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस रैली में हजारीबाग से भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भाग लेंगे।
बैठक में लक्ष्मी नारायण सिंह, सुरेश कुमार दास, ईश्वर महतो और रामचंद्र कुमार सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

## नव झारखंड फाउंडेशन के केंद्रीय अध्यक्ष किशोरी राणा ने मेयर अरविंद राणा को दी बधाई

#### नगर निगम कार्यालय पहुंचकर किया स्वागत, नए नेतृत्व में शहर के विकास की जताई उम्मीद

**झारखंड दर्शन संवाददाता**
**हजारीबाग।** नगर निगम में नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों के शपथ ग्रहण के बाद मेयर अरविंद राणा को बधाई देने का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में नव झारखंड फाउंडेशन के केंद्रीय अध्यक्ष किशोरी राणा नगर निगम कार्यालय पहुंचे और मेयर को फूल-माला व पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई और शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर किशोरी राणा ने कहा कि यह हजारीबाग के लिए गर्व और खुशी का क्षण है। शहर की जनता ने ऐसे व्यक्ति को मेयर चुना है जो जमीन से जुड़ा हुआ है और जनता की समस्याओं को अच्छी तरह समझता है। उन्होंने विश्वास जताया कि अरविंद राणा जनता के भरोसे पर खरा उतरते हुए नगर निगम क्षेत्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि शपथ ग्रहण के बाद मेयर द्वारा हवन-पूजन कर नगर निगम कार्यालय में प्रवेश करना एक सकारात्मक और प्रेरणादायक संदेश है। कि वे अपनी जिम्मेदारियों को पूरी गंभीरता और सकारात्मक सोच के साथ निभाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मेयर बनने के बाद अरविंद राणा की जिम्मेदारी और बढ़ गई है और उन्हें पूरा भरोसा है कि वे पूरी निष्ठा के साथ इस दायित्व का निर्वहन करेंगे। किशोरी राणा ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र के विकास के लिए जनप्रतिनिधियों और समाज के सभी वर्गों को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने नगर निगम के सभी 36 वार्डों से निर्वाचित वार्ड पार्षदों को भी बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उन्होंने नव निर्वाचित उपमेयर अविनाश यादव को भी जीत की बधाई देते हुए कहा कि मेयर और उपमेयर के नेतृत्व में नगर निगम की पूरी टीम शहर के विकास के लिए एकजुट होकर कार्य करेगी। सभी जनप्रतिनिधि मिलकर हजारीबाग को स्वच्छ, सुंदर और विकसित शहर बनाने में अपनी भूमिका निभाएंगे।

## अन्नदा महाविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में पर्यावरणीय चुनौतियों और समाधान पर मंथन

**झारखंड दर्शन संवाददाता**
**हजारीबाग।** अन्नदा महाविद्यालय में पर्यावरणीय जोखिम, संवेदनशीलताएं और अनुकूलन रणनीतियां विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन शुक्रवार को विभिन्न तकनीकी सत्रों में पर्यावरण, कानून, राजनीति, इतिहास और साहित्य से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई। देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए विद्वानों ने पर्यावरणीय चुनौतियों और उनके समाधान के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे।
तीसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. स्वाति पराशर ने की। इस सत्र में डॉ. मिथिलेश सिंह ने पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रभावी कानून और जनभागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं पंकज चतुर्वेदी ने पर्यावरणीय संकट को समझने के लिए उसके ऐतिहासिक और राजनीतिक संदर्भों को महत्वपूर्ण बताया।
चौथे तकनीकी सत्र में डॉ. उमा शंकर मलिक ने जैव विविधता और पारंपरिक ज्ञान की सुरक्षा के लिए बौद्धिक संपदा अधिकारों के संरक्षण पर जोर दिया, जबकि डॉ. बंशीधर रुखैयार ने कहा कि स्थानीय समुदायों की मौखिक परंपराएं पर्यावरणीय ज्ञान का महत्वपूर्ण स्रोत हैं।
पांचवें सत्र में वक्ताओं ने जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए कार्बन उत्सर्जन कम करने और हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई। वहीं छठे सत्र में समकालीन साहित्य में पर्यावरणीय चिंताओं पर चर्चा की गई।

## पैक्स धान खरीद में करोड़ों की अनियमितता का आरोप, गौतम कुमार ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

**झारखंड दर्शन संवाददाता**
**हजारीबाग।** जिले में पैक्स के माध्यम से संचालित धान क्रय केंद्रों में बड़े पैमाने पर अनियमितता और घोटाले का आरोप लगाते हुए युवा समाजसेवी सह आदर्श युवा संगठन के अध्यक्ष गौतम कुमार ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मामले की जांच की मांग की है। उन्होंने उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह से मिलकर भी पूरे मामले से अवगत कराया।
गौतम कुमार ने आरोप लगाया कि जिले में सैकड़ों धान क्रय केंद्र संचालित किए जा रहे हैं, लेकिन कई पैक्स अध्यक्ष किसानों से सीधे धान खरीदने के बजाय दलालों के माध्यम से कम कीमत पर धान खरीदकर कोरम पूरा कर रहे हैं। उनका कहना है कि किसानों से धान खरीदने के बजाय 15 से 16 रुपये प्रति किलो की दर से धान खरीदकर कागजी प्रक्रिया पूरी की गई।
उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ पैक्स ने अपने निजी दोस्तों, रिश्तेदारों और पहचान के लोगों के नाम से आईडी बनाकर सरकार को करीब 50 से 60 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाया है। कम कीमत पर बिहार से धान खरीदकर उसे यहां दिखाकर कोरम पूरा किया गया। साथ ही दूसरे प्रखंडों के लोगों की आईडी में धान चढ़ाकर भुगतान की राशि भी निकाली गई। गौतम कुमार का कहना है कि यदि पूरे मामले की जांच एसआईटी से कराई जाए तो लगभग 90 प्रतिशत पैक्स के निबंधन रद्द हो सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कई पैक्स अध्यक्ष अपने क्षेत्र के किसानों से केवल 175 से 200 टन धान की खरीद दिखाते हैं, जबकि बाकी प्रक्रिया में निजी हित साधे जाते हैं। उनके अनुसार एक-एक पैक्स अध्यक्ष द्वारा 20 से 25 लाख रुपये तक का नुकसान सरकार और किसानों को पहुंचाया गया है।

## हजारीबाग नगर निगम में नई टीम ने संभाली कमान, महापौर अरविंद राणा सहित वार्ड पार्षदों ने ली शपथ

**झारखंड दर्शन संवाददाता**
**हजारीबाग।** नगर निगम के नवनिर्वाचित महापौर अरविंद राणा और वार्ड पार्षदों ने शुक्रवार को पद एवं गोपनीयता की शपथ लेकर अपनी जिम्मेदारी संभाल ली। उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के प्रमंडलीय आयुक्त मनोज कुमार ने सभी जनप्रतिनिधियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।
शपथ ग्रहण के दौरान नवनिर्वाचित महापौर और वार्ड पार्षदों ने भारत के संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा और निष्ठा रखते हुए तथा देश की सार्वभौमिकता और अखंडता को बनाए रखने के संकल्प के साथ अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करने की शपथ ली।
इस अवसर पर प्रमंडलीय आयुक्त ने सभी जनप्रतिनिधियों को बधाई देते हुए कहा कि नगर के विकास में जनप्रतिनिधियों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी पार्षद पारदर्शिता, जवाबदेही और जनहित को सर्वोपरि रखते हुए नगर निगम क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए सक्रिय रूप से काम करेंगे।
उपायुक्त ने भी नवनिर्वाचित महापौर और वार्ड पार्षदों को बधाई देते हुए कहा कि शहर के समग्र विकास, स्वच्छता, आधारभूत संरचना और नागरिक सुविधाओं को मजबूत बनाने के लिए प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी जनप्रतिनिधि जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए शहर के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।
शपथ ग्रहण समारोह में निवार्ची पदाधिकारी, उपमहापौर, सहायक निवार्ची पदाधिकारी, नगर निगम के पदाधिकारी तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

# आरोग्यम सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में आज हृदय रोगियों के लिए निःशुल्क परामर्श शिविर

#### विशेषज्ञ डॉक्टर करेंगे जांच, ईसीजी व अन्य जांच की भी रहेगी सुविधा

**झारखंड दर्शन संवाददाता**
**हजारीबाग।** शहर के डिस्ट्रिक्ट बोर्ड चौक स्थित आरोग्यम सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में शनिवार 14 मार्च को हृदय रोग से संबंधित समस्याओं के लिए निःशुल्क परामर्श शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर सुबह 11 बजे से शुरू होगा, जिसमें प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. विक्रम ठाकुर मरीजों की जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श देंगे।
अस्पताल की ओर से बताया गया कि शिविर के दौरान हृदय रोग से संबंधित विभिन्न समस्याओं से पीड़ित मरीजों की विशेष जांच की जाएगी। जिन लोगों को सीने में दर्द या जलन, हार्ट ब्लॉकेज की आशंका, सांस लेने में तकलीफ, अत्यधिक पसीना आना, अनियमित धड़कन, पेट में भारीपन या दर्द तथा काम के दौरान सीने में दबाव या सांस फूलने जैसी शिकायतें होती हैं, वे शिविर में पहुंचकर विशेषज्ञ चिकित्सक से निःशुल्क परामर्श ले सकते हैं।
शिविर में मरीजों के लिए ईसीजी, ब्लड प्रेशर और शुगर जांच की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा जरूरत के अनुसार मरीजों को आगे के उपचार के लिए आवश्यक चिकित्सकीय सलाह दी जाएगी। अस्पताल में आयुष्मान भारत योजना के तहत भी इलाज की सुविधा उपलब्ध है, जिससे पात्र मरीजों को उपचार में सहायता मिल सके।
अस्पताल के निदेशक हर्ष अजमेरा ने कहा कि वर्तमान समय में हृदय रोग तेजी से बढ़ती गंभीर स्वास्थ्य समस्या बनती जा रही है। ऐसे में लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना चाहिए और समय-समय पर जांच करानी चाहिए। इस शिविर के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को हृदय रोग संबंधी जांच और विशेषज्ञ परामर्श उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। अस्पताल की प्रशासक जया सिंह ने बताया कि आरोग्यम सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल द्वारा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया जाता है, ताकि जिले सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने लोगों से अपील की कि हृदय रोग से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या होने पर शिविर में पहुंचकर इसका लाभ उठाएं। शिविर में भाग लेने के इच्छुक लोग पंजीकरण के लिए मोबाइल नंबर 7319942210 पर संपर्क कर सकते हैं।

# दारू में ब्राउन शुगर के साथ तीन गिरफ्तार, पुलिस की बड़ी कार्रवाई

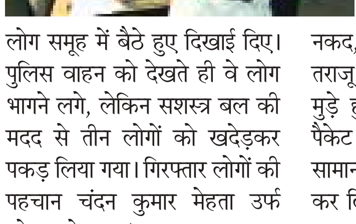

**झारखंड दर्शन संवाददाता**
**हजारीबाग ।** जिले के दारू थाना क्षेत्र में नशाखोरी के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ब्राउन शुगर के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 12 मार्च 2026 को गुप्त सूचना के आधार पर की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि मेढ़कुरी खुर्द स्थित बलबल धाम के पास कुछ लोग अवैध नशीले पदार्थ का सेवन और खरीद-बिक्री कर रहे हैं। टीम में पुलिस उपाधीक्षक प्रशांत कुमार, दारू थाना प्रभारी मो. इकबाल हुसैन, मिथु मुर्मू सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।
छापेमारी दल जब बलबल धाम मेढ़कुरी खुर्द पहुंचा तो वहां कुछ लोग समूह में बैठे हुए दिखाई दिए। पुलिस वाहन को देखते ही वे लोग भागने लगे, लेकिन सशस्त्र बल की मदद से तीन लोगों को खदेड़कर पकड़ लिया गया। गिरफ्तार लोगों की पहचान चंदन कुमार मेहता उर्फ जोधन मेहता (ग्राम घाघरा, थाना दारू), शान कुमार राज उर्फ चिकु (ग्राम जमुआरी, थाना ईचाक) और मनोज कुमार (ग्राम बुजर्गनानो, थाना आंगो) के रूप में हुई। वहीं एक अन्य व्यक्ति कौशिक देव (ग्राम पुनाई, थाना दारू) मौके से फरार हो गया। पुलिस द्वारा विधिवत तलाशी लेने पर तीनों आरोपियों के पास से कुल 3.43 ग्राम ब्राउन शुगर जैसा पदार्थ, 1900 रुपये नकद, दो इलेक्ट्रॉनिक डिजिटल तराजू, नशे में इस्तेमाल किए गए मुड़े हुए नोट तथा बीड़ी का एक पैकेट बरामद किया गया। बरामद सामान को जब्ती सूची बनाकर जब्त कर लिया गया। इस मामले में दारू थाना में कांड संख्या 17/26 दर्ज करते हुए एनडीपीएस एक्ट 1985 की धारा 21(), 22(), 27() और 29 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

# संक्षिप्त खबरें

## देवघर में भू-अर्जन मामले में एसीबी की बड़ी कार्रवाई, दो लोग रिश्वत लेते गिरफ्तार

**देवघर।** देवघर में भूमि अधिग्रहण से जुड़े एक मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो लोगों को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। एसीबी की इस कार्रवाई के बाद संबंधित विभागों और सरकारी कार्यालयों में हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार देवघर में चल रहे एक भू-अर्जन मामले में जमीन से जुड़े कागजी कार्यों को आगे बढ़ाने और भुगतान की प्रक्रिया को आसान बनाने के नाम पर पीड़ित पक्ष से कमीशन की मांग की जा रही थी। एसीबी अधिकारियों के अनुसार पूछताछ के आधार पर इस मामले में अन्य लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जाएगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है और इस प्रकार की शिकायत मिलने पर तुरंत जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस छापेमारी के बाद संबंधित विभागों और सरकारी कार्यालयों में हलचल बढ़ गई है, वहीं आम लोगों के बीच भी इस कार्रवाई को लेकर चर्चा का माहौल बना हुआ है।

## बौंड़ीया गांव में 14 मार्च से आठ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन

**रामगढ़।** रामगढ़ प्रखंड अंतर्गत बौंड़ीया गांव में आठ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन 14 मार्च से किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन को लेकर गांव में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं और ग्रामीणों में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ 14 मार्च को भव्य कलश यात्रा और कलश स्थापना के साथ किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।।आयोजकों के अनुसार इस धार्मिक आयोजन के दौरान श्रीधाम वृंदावन से पधारी कथावाचिका पूज्या दिव्या देवी के मुखारविंद से श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण कराया जाएगा। आयोजन समिति के अनुसार आसपास के गांवों और क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। गांव के सभी लोग इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने के लिए एकजुट होकर तैयारी में जुटे हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों से समाज में आध्यात्मिक वातावरण बनता है और लोगों के बीच आपसी भाईचारा भी मजबूत होता है। आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कथा का लाभ उठाने की अपील की है।

## अनुकम्पा के आधार पर तीन आश्रितों को सौंपे गए नियुक्ति पत्र

**पाकुड़।** समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय प्रकोष्ठ में गुरुवार को मृत सरकारी सेवकों के आश्रितों को अनुकम्पा के आधार पर नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर उपायुक्त मनीष कुमार ने चयनित अभ्यर्थियों को व्यक्तिगत रूप से नियुक्ति पत्र सौंपते हुए उन्हें नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दीं। गुरुवार को आयोजित जिला अनुकम्पा समिति की बैठक में की गई अनुशंसा के आलोक में कुल तीन आश्रित अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रदान की गई। उन्होंने सभी नव-नियुक्त कर्मियों से अपेक्षा जताई कि वे पूरी ईमानदारी, निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे तथा प्रशासनिक कार्यों को और अधिक सुदृढ़ बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मौके पर स्थापना उप समाहर्ता त्रिभुवन कुमार सिंह, कार्यपालक दंडाधिकारी कांति रश्मि सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

## बारापलासी में भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ

**दुमका।** जामा प्रखंड अंतर्गत बारापलासी हटिया परिसर में शुक्रवार को श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ भव्य कलश शोभायात्रा के साथ किया गया। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं एवं श्रद्धालुओं ने भाग लिया, जिससे पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बन गया। कलश यात्रा की शुरूआत ठाकुरबाड़ी मंदिर से हुई। महिलाएं और युवतियां सिर पर कलश लेकर भक्ति गीतों और जयकारों के साथ पिपरा, बारापलासी, लकड़ दिवानी पलासी सहित आसपास के क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए यज्ञ स्थल पहुंचीं। यज्ञ स्थल पहुंचने के बाद विधि-विधान के साथ कलश स्थापना की गई और धार्मिक अनुष्ठान की शुरूआत की गई। इस अवसर पर वृंदावन से पधारे प्रसिद्ध कथावाचक आचार्य दुर्वेश नंदन जी महाराज भी शोभायात्रा में शामिल हुए और श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर रामकथा यज्ञ समिति के संजीव चौधरी, राजकुमार मंडल, रितेश भालोटिया, पवन भालोटिया, प्रेम कुमार साह, गोकुल बिहारी, गुलाब राय, तुषारकांत कुंवर, सुरेश भालोटिया, दिनेश भालोटिया, माकूल सेन, तपन सेन, अमर जोशी, प्रमोद साह, सुभाष नाग, उत्सव भुवानिया, बिक्की केलंका, कमल केलंका, मुख्य यजमान हरीश अग्रवाल एवं पायल देवी सहित सैकड़ों महिलाएं और श्रद्धालु उपस्थित थे।

## राजकीय बैद्यनाथ महोत्सव को लेकर डीसी ने अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

**देवघर।** उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में राजकीय बैद्यनाथ महोत्सव 2026 के आयोजन को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में महोत्सव के सफल आयोजन के लिए आवश्यक तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन तथा अन्य व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने जानकारी दी कि तीन दिवसीय बाबा बैद्यनाथ महोत्सव का आयोजन 16, 17 एवं 18 मार्च को देवघर के केकेएन स्टेडियम में किया जाएगा। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी तैयारियों को समय पर पूरा किया जाए और विभिन्न विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि महोत्सव का आयोजन भव्य और सुव्यवस्थित ढंग से किया जा सके। उपायुक्त ने विधि-व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, ट्रैफिक प्लान, आमजनों के बैठने की व्यवस्था, भव्य पंडाल निर्माण, अतिथि आवासन, साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था, शौचालय तथा विद्युत व्यवस्था सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की।

# नगड़ापहाड़ी में पेयजल संकट से ग्रामीण परेशान, चापाकल व जलमीनार खराब

झारखंड दर्शन संवाददाता

**दुमका।** रामगढ़ प्रखंड के पथरिया पंचायत अंतर्गत नगड़ापहाड़ी गांव में पेयजल की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। गांव में चापाकल और जलमीनार खराब रहने के कारण ग्रामीणों को पानी के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लंबे समय से पेयजल की व्यवस्था ठप रहने से लोगों में नाराजगी भी देखी जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार, गांव में बबलू के घर के सामने लगा चापाकल पिछले करीब दो माह से खराब पड़ा हुआ है, जिसके कारण आसपास के लोगों को पानी के लिए दूसरे स्थानों पर जाना पड़ रहा है। वहीं गुलाबी मुर्मू के घर के सामने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा लगभग तीन वर्ष पूर्व एक जलमीनार का निर्माण कराया गया था। शुरूआती दो वर्षों तक यह जलमीनार ठीक-ठाक संचालित होता रहा, लेकिन पिछले करीब एक वर्ष से यह पूरी तरह खराब पड़ा है।

जिससे गांव के लोगों को इसका कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है। इसके अलावा उत्क्रमित मध्य विद्यालय नगड़ापहाड़ी में लगा चापाकल भी पिछले तीन माह से खराब पड़ा हुआ है। इससे विद्यालय में मध्यान्ह भोजन बनाने और बच्चों को पीने का पानी उपलब्ध कराने में काफी कठिनाई हो रही है।
विद्यालय के शिक्षकों और रसोइयों को भी पानी की व्यवस्था करने के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है।

### बयान

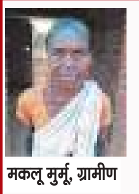

मकलू मुर्मू, ग्रामीण

*खासकर वृद्ध महिलाओं को दूर से पानी लाने तथा कुआं से पानी निकालने में बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है इसके लिए विभाग से मांग की जल्द से जल्द पेयजल समस्या से छुटकारा मिले।*

रंजिता हेंब्रम, ग्रामीण

*बढ़ती गर्मी के कारण पेयजल की समस्या दोनों और बढ़ रही है इसके पूर्व ही गांव में पेयजल की समस्या है जिनको विभाग से अपील है कि जल्द से जल्द मरम्मत किया जाय ताकि गांव के लोगों को पेयजल का कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।*

मनीषा मुर्मू, ग्रामीण

*गांव में सब चापाकल खराब हो गया है तथा जल मीनार भी बंद पड़े हैं, जिससे गांव के लोगों को पेयजल की भीषण समस्या का सामना करना पड़ रहा है। विभाग से अपील है कि जल्द से जल्द मरम्मत किया जाय।*

मेरी हेंब्रम रसोइया उ० म ०वि ० नगड़ापहाड़ी

*चापाकल खराब होने के कारण गांव में पानी का संकट है, जिससे महिलाओं को खाना बनाने तथा मवेशियों को पिलाने के लिए बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। विद्यालय का चापाकल खराब होने के कारण मध्यान भोजन पकने में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। विभाग से अपील है कि जल्द से जल्द मरम्मत कर दिया जाय।*

सुशील मुर्मू वार्ड सदस्य नगड़ापहाड़ी

*गांव में सभी चापाकल एवं जल मीनार खराब होने के कारण यहां के लोगों को पेयजल की समस्या से जूझना पड़ रहा है तथा स्ट्रीट लाइट खराब होने के कारण गांव अंधेरा में ही रहता है। इसके लिए विभाग से अपील है कि जल्द से जल्द मरम्मत किया जाय।*

ग्रामीणों ने बताया कि नगड़ापहाड़ी गांव में कुल 83 घर हैं और यहां की आबादी लगभग 400 के आसपास है।

रोजमर्रा के कार्यों जैसे पीने, खाना बनाने, नहाने और अन्य घरेलू कामों के लिए पानी की अत्यधिक आवश्यकता होती है। लेकिन गांव के अधिकांश चापाकल और जलमीनार खराब रहने के कारण गांव में पेयजल का भीषण संकट उत्पन्न हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि फिलहाल उन्हें पानी के लिए गांव से करीब एक किलोमीटर दूर स्थित कुएं पर निर्भर रहना पड़ रहा है। वहां से पानी लाकर ही घरों का काम चलाया जा रहा है। दूर से पानी ढोकर लाने में महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को काफी कठिनाई होती है।

पेयजल समस्या के अलावा गांव में स्ट्रीट लाइट की समस्या भी बनी हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि करीब तीन वर्ष पूर्व गांव में स्ट्रीट लाइट लगाई गई थी, जो करीब एक वर्ष तक किसी तरह चलती रही। इसके बाद लाइट खराब हो गई और पूरे गांव में अंधेरा छा गया।

एक बार मरम्मत के बाद कुछ समय तक लाइट चली, लेकिन फिर से खराब हो गई। वर्तमान में गांव की सड़कों और गलियों में अंधेरा रहने के कारण लोगों को रात में आवाजाही करने में भी परेशानी होती है।

ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से मांग की है कि नगड़ापहाड़ी गांव में खराब पड़े चापाकल, जलमीनार और स्ट्रीट लाइट की जल्द से जल्द मरम्मत कराई जाए, ताकि गांव के लोगों को पेयजल संकट और अंधेरे की समस्या से राहत मिल सके। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो उन्हें आगे आंदोलन करने पर भी विवश होना पड़ सकता है।

## बीडीओ ने आंगनवाड़ी केंद्र, विद्यालय व आयुष्मान आरोग्य केंद्र का किया औचक निरीक्षण

झारखंड दर्शन संवाददाता

**दुमका।** रामगढ़ प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी कमलेंद्र कुमार सिंहा ने गुरुवार को प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न सरकारी संस्थानों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर लापरवाही और अनियमितता सामने आने पर उन्होंने संबंधित कर्मियों को कड़ी फटकार लगाई तथा सुधार लाने के निर्देश दिए। साथ ही आवश्यक कार्रवाई करने के संकेत भी दिए। जानकारी के अनुसार 12 मार्च 2026 को अपराह्न लगभग 12:30 बजे बीडीओ ने रामगढ़ प्रखंड अंतर्गत पंचुवटिकर स्थित आंगनवाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि आंगनवाड़ी केंद्र अपने निर्धारित समय से पहले ही बंद था और वहां एक भी बच्चा उपस्थित नहीं था। इसके अलावा केंद्र में साफ-सफाई की भी कमी पाई गई। इस पर बीडीओ ने मौके पर उपस्थित सेविका से पूछताछ की और कड़ी नाराजगी जताई। पोषण सखी द्वारा जानकारी दी गई कि उक्त आंगनवाड़ी केंद्र में कुल तीन कर्मी कार्यरत हैं, जिनमें सेविका कुसुम सेवी, सहायिका कियाफुल मुर्मू तथा पोषण सखी पूनम देवी प्रतिनियुक्त हैं। बीडीओ ने सेविका को कड़ी चेतावनी देते हुए कार्यप्रणाली में सुधार लाने, बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा केंद्र को निर्धारित समय पर खोलने और बंद करने का निर्देश दिया। साथ ही संबंधित कर्मियों से स्पष्टीकरण मांगते हुए उनके वेतन या मानदेय को स्थगित करने का निर्देश दिया गया। इसके बाद बीडीओ ने प्राथमिक विद्यालय पंचुवटिकर का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय खुला पाया गया।

## सड़क दुर्घटना में महिला गंभीर रूप से घायल, गोड्डा रेफर

**पथरगामा।** पथरगामा थाना क्षेत्र के द्वारिचक के समीप गुरुवार को हुई सड़क दुर्घटना में एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला की पहचान पंजरहार गांव निवासी खुशबू देवी (35 वर्ष), पति नीरज मुनि के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खुशबू देवी सड़क पार कर रही थीं, तभी तेज गति से आ रही एक अज्ञात मोटरसाइकिल ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। दुर्घटना के बाद मोटरसाइकिल चालक मौके से फरार हो गया। घटना के बाद आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए घायल महिला को तत्काल पथरगामा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टर शालिनी कुमारी ने उनका प्राथमिक उपचार किया।

## स्वास्थ्य सहिया संघ की बैठक में सरकार के फैसले का स्वागत, मानदेय बढ़ाने की मांग

झारखंड दर्शन संवाददाता

**दुमका।** झारखंड प्रदेश स्वास्थ्य सहिया कर्मचारी संघ, दुमका की एक महत्वपूर्ण बैठक जिला अध्यक्ष ज्योति मुर्मू की अध्यक्षता में दुमका स्थित खुटा बांध तालाब परिसर में आयोजित की गई। इस बैठक में जिले के विभिन्न प्रखंडों से बड़ी संख्या में स्वास्थ्य सहियाएं शामिल हुईं। बैठक में दुमका, मसलिया, शिकारीपाड़ा, गोपीकंदर, रामेश्वर, जामा, जरमुंडी, काठीकुंड, सरैयाहाट और रामगढ़ प्रखंड की स्वास्थ्य सहियाओं ने भाग लेकर संगठन की मजबूती और अपनी मांगों को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया।
बैठक में जिला संरक्षक विजय कुमार दास मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और दुमका के विधायक बसंत सोरेन लगातार स्वास्थ्य सहियाओं की समस्याओं और मांगों को लेकर गंभीर हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार द्वारा राज्य की लगभग 42 हजार स्वास्थ्य सहियाओं के खातों में 22 हजार रुपये की राशि भेजना एक ऐतिहासिक निर्णय है।

झारखंड राज्य गठन के 26 वर्षों के बाद पहली बार किसी सरकार ने स्वास्थ्य सहियाओं के हित में इस प्रकार का महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत सहियाओं के बीच खुशी का माहौल है। जिला अध्यक्ष ज्योति मुर्मू ने कहा कि इस निर्णय से स्वास्थ्य सहियाओं का मनोबल बढ़ा है और सभी सहिया मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करती हैं। वहीं जिला सचिव मरियम टुडू ने कहा कि स्वास्थ्य सहियाओं को मुख्यमंत्री से काफी उम्मीदें हैं और आने वाले समय में उनकी अन्य मांगों पर भी सकारात्मक निर्णय लिए जाने की उम्मीद है। जिला उपाध्यक्ष फूलमुनि हेंब्रम ने भी कहा कि झारखंड सरकार हमेशा स्वास्थ्य सहियाओं के हित में सोचती है और उनके कार्यों को महत्व देती है। बैठक के दौरान स्वास्थ्य सहियाओं के लिए 18 हजार रुपये मासिक मानदेय दिए जाने की मांग भी जोर-शोर से उठाई गई।

## प्रधानमंत्री आवास योजना भर्ती परीक्षा को लेकर उपायुक्त ने की तैयारी बैठक

झारखंड दर्शन संवाददाता

**पाकुड़।** प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत प्रखंड समन्वयक तथा लेखापाल सह कंप्यूटर ऑपरेटर के पदों पर नियुक्ति के लिए 15 मार्च को आयोजित होने वाली डिजिटल एवं कंप्यूटर आधारित परीक्षा की तैयारियों को लेकर उपायुक्त मनीष कुमार ने संबंधित पदाधिकारियों और कर्मियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान उपायुक्त ने परीक्षा के सफल, पारदर्शी और शांतिपूर्ण संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सभी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि परीक्षा प्रक्रिया पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न होनी चाहिए, ताकि अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक में बताया गया कि यह परीक्षा 15 मार्च 2026 को आयोजित की जाएगी तथा इसके लिए धनुष पूजा स्कूल, पाकुड़ को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों की उपस्थिति, प्रवेश व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था तथा तकनीकी व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा से जुड़े सभी आवश्यक प्रबंध समय रहते सुनिश्चित कर लिए जाएँ, ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित वातावरण में संपन्न हो सके। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मौके पर परियोजना निदेशक, आईटीडीए अरुण कुमार एक्का, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अजय सिंह बड़ाईक, जिला आपूर्ति पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह, अंचलाधिकारी पाकुड़ अरविंद कुमार बेदिया तथा जिला समन्वयक निभा कुमारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

## जिला स्तरीय छात्रवृत्ति स्वीकृति एवं अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित

झारखंड दर्शन संवाददाता

**गोड्डा।** समाहरणालय स्थित सभागार में गुरुवार को जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त अंजली यादव की अध्यक्षता में जिला स्तरीय छात्रवृत्ति स्वीकृति एवं अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने जिला कल्याण पदाधिकारी सुधीर प्रसाद चौधरी से छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत प्राप्त आवेदनों, उनके सत्यापन, स्वीकृति तथा भुगतान की वर्तमान स्थिति की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी पात्र छात्र-छात्राओं के आवेदनों का समयबद्ध सत्यापन सुनिश्चित किया जाए, ताकि उन्हें छात्रवृत्ति का लाभ शीघ्र प्राप्त हो सके। बैठक में बताया गया कि कक्षा 1 से 8 तक के 4912 तथा कक्षा 9 से 10 तक के 823 छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति की स्वीकृति प्रदान की गई है। उपायुक्त ने कहा कि छात्रवृत्ति योजनाएं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती हैं। इसलिए इस योजना के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि विद्यालयों और महाविद्यालयों के माध्यम से अधिक से अधिक विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति योजनाओं की जानकारी दी जाए, ताकि कोई भी पात्र छात्र-छात्रा इस लाभ से वंचित न रहे।
बैठक में लंबित आवेदनों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करते हुए उन्हें स्वीकृति प्रदान की जाए। साथ ही पोर्टल पर अपलोड किए जाने वाले दस्तावेजों की सावधानीपूर्वक जांच करने के निर्देश दिए गए, ताकि पूरी प्रक्रिया त्रुटिरहित ढंग से संपन्न हो सके।

## जल महोत्सव पखवाड़ा के तहत 'विश्व प्लम्बर दिवस' पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

झारखंड दर्शन संवाददाता

**गोड्डा।** जिले में जल महोत्सव पखवाड़ा 08 से 22 मार्च तक के अंतर्गत गुरुवार को 'विश्व प्लम्बर दिवस' के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन विरासत कॉम्प्लेक्स में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यपालक अभियंता संजय कुमार शर्मा ने की। कार्यक्रम का उद्देश्य जल जीवन मिशन के तहत कार्य कर रहे प्लम्बरों के योगदान को सम्मानित करना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल व्यवस्था के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यपालक अभियंता संजय कुमार शर्मा ने कहा कि जल जीवन मिशन के सफल संचालन में प्लम्बरों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि 'हर घर नल से जल' योजना को सफलतापूर्वक लागू करने में प्लम्बर जमीनी स्तर पर महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जल आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए प्रशिक्षित प्लम्बरों का योगदान सराहनीय है। उन्होंने यह भी कहा कि इस क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है, जो समाज के लिए एक सकारात्मक संकेत है। महिला प्लम्बर न केवल तकनीकी कार्यों में दक्षता दिखा रही हैं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में अन्य महिलाओं को भी इस दिशा में आगे आने के लिए प्रेरित कर रही हैं। इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित प्लम्बरों के बीच प्लम्बर किट, टी-शर्ट, कैप एवं प्रमाण-पत्र का वितरण किया गया। प्रशिक्षित महिला प्लम्बर तथा जिले के विभिन्न प्रखंडों में कार्यरत पुरुष प्लम्बरों ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत अपने कार्य अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि गांवों में पाइपलाइन बिछाने, नल कनेक्शन देने और जलापूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त रखने में कई तरह की चुनौतियां सामने आती हैं, जिनका समाधान स्थानीय स्तर पर सामूहिक प्रयास से किया जाता है।

## गैस सिलेंडर की आपूर्ति नहीं होने से एजेंसियों में पसरा सन्नाटा

झारखंड दर्शन संवाददाता

**मेहरमा।** मेहरमा प्रखंड क्षेत्र में एलपीजी गैस सिलेंडर की अनियमित आपूर्ति से घरेलू उपभोक्ताओं में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। गैस एजेंसियों में सिलेंडर की कमी के कारण सन्नाटा पसरा हुआ है और उपभोक्ताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोग लगातार ऑनलाइन बुकिंग और फोन के माध्यम से जानकारी लेने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों के कम पढ़े-लिखे उपभोक्ताओं के लिए ऑनलाइन बुकिंग की प्रक्रिया और भी कठिन साबित हो रही है, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ गई है। कमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति बंद होने से अस्पतालों में इलाजरत मरीजों के भोजन की व्यवस्था पर भी संकट उत्पन्न हो गया है। इस संबंध में पूछे जाने पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ० विवेक कुमार सिन्हा ने बताया कि इस समस्या की जानकारी संबंधित विभाग को दी जा रही है और निर्देश मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। गैस की कमी का असर विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों में भी देखने को मिल रहा है। कई संस्थानों में भोजन बनाने के लिए कोयला, उपला और लकड़ी का सहारा लिया जा रहा है। यह व्यवस्था न केवल पर्यावरण को प्रदूषित करती है बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक है, जिसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव महिलाओं पर पड़ रहा है।
मध्य विद्यालय कसबा के प्रधानाध्यापक मोहम्मद मफिजुद्दीन ने बताया कि विद्यालय में मध्यान्ह भोजन बनाने के लिए प्रत्येक माह लगभग चार गैस सिलेंडर की आवश्यकता होती है। फिलहाल विद्यालय में अंतिम सिलेंडर का उपयोग किया जा रहा है और यदि जल्द ही गैस की आपूर्ति नहीं हुई तो मध्यान्ह भोजन बनाने में कठिनाई उत्पन्न हो सकती है। वहीं आंगनबाड़ी सेविका किरण मिश्रा ने कहा कि सरकार को इस दिशा में ठोस व्यवस्था करनी चाहिए ताकि आंगनबाड़ी केंद्रों को नियमित रूप से गैस की आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। कसबा स्थित मिश्रा गैस एजेंसी के संचालक उज्जवल मिश्रा ने बताया कि पिछले दस दिनों से गैस की आपूर्ति नहीं हुई है।

## भाजपा ने दुमका में संगठन मजबूत करने के लिए दस मंडल अध्यक्षों की घोषणा की

झारखंड दर्शन संवाददाता

**दुमका।** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के निर्देशानुसार दुमका जिले में संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने की दिशा में भाजपा जिलाध्यक्ष रूपेश कुमार मंडल ने जिले के शेष बचे दस मंडलों के मंडल अध्यक्षों की घोषणा कर दी है। इस निर्णय को संगठन विस्तार और आगामी कार्यक्रमों की तैयारी के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। घोषित मंडल अध्यक्षों में गोपिकांदर मंडल से रमेश देहरी, काठीकुंड मंडल से अभिजीत सुमन, शिकारीपाड़ा मंडल से हेमंत साहा, आसनबनी मंडल से अजय सिंह घटवार, रानेश्वर मंडल से विमान सिंह, जामा मंडल से रामजस मांझी, सरसडंगाल मंडल से विद्युत वरण मंडल, छोटा बेदिया मंडल से मनोज हाँसदा, सहारा मंडल से सुबोध मंडल तथा हँसडीहा मंडल से दिनेश कापरी को मंडल अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिलाध्यक्ष रूपेश कुमार मंडल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक संगठन आधारित पार्टी है, जहाँ कार्यकर्ताओं की मेहनत, समर्पण और संगठन के प्रति निष्ठा को सर्वोपरि माना जाता है।

उन्होंने कहा कि पार्टी में कार्यकर्ताओं को उनके समर्पण और सक्रियता के आधार पर जिम्मेदारियाँ दी जाती हैं और यही परंपरा संगठन को मजबूत बनाती है। उन्होंने विश्वास जताया कि नव-नियुक्त मंडल अध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्रों में संगठन को और अधिक मजबूत करेंगे तथा केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। साथ ही वे बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि नए मंडल अध्यक्षों के नेतृत्व में पार्टी की गतिविधियां और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित होंगी।

आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, जनसंपर्क अभियानों तथा पार्टी की विचारधारा को आम जनता तक पहुंचाने में इनकी भूमिका अहम होगी। जिलाध्यक्ष ने सभी नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की तथा उम्मीद जताई कि वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का कार्य करेंगे।

## संक्षिप्त खबरें

### श्राद्ध कार्यक्रम में कृष्ण मुरारी प्रसाद को श्रद्धांजलि, गरीबों के बीच कंबल वितरण

**हरिहरगंज।** हरिहरगंज मुख्य बाजार के प्रतिष्ठित व्यवसायी 80 वर्षीय कृष्ण मुरारी प्रसाद के निधन के उपरांत उनके श्राद्ध कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा और भावपूर्ण वातावरण में किया गया। इस अवसर पर परिजनों एवं उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक सेवा के अंतर्गत गरीब एवं जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का वितरण किया गया। परिजनों ने बताया कि कृष्ण मुरारी प्रसाद अत्यंत सरल स्वभाव तथा समाजसेवी प्रवृत्ति के व्यक्ति थे। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है और उनकी कमी हमेशा महसूस की जाएगी। इस अवसर पर मृतक के पुत्र विकास कुमार गुप्ता सहित परिजन विराट कुमार, गोलू कुमार, पंकज गुप्ता, संतोष गुप्ता, जितेंद्र गुप्ता, रवि गुप्ता, मदन गुप्ता, सुमितनंदन, विजय प्रसाद गुप्ता, सौरव कुमार और आदित्य नंदन गुप्ता समेत कई लोग उपस्थित थे। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

### हरिहरगंज रामनवमी पूजा समिति के कार्यालय का उद्घाटन, भव्य आयोजन की तैयारी शुरू

**हरिहरगंज।** हरिहरगंज के पुरानी बस पड़ाव स्थित शंकर वर्मा के मकान में रामनवमी पूजा समिति के नए कार्यालय का उद्घाटन समिति के पदाधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। उद्घाटन समारोह में समिति के सदस्य, स्थानीय गणमान्य लोग तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यालय के उद्घाटन के बाद उपस्थित लोगों के बीच मिठाई का वितरण किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं में काफी उत्साह देखने को मिला। समिति के अध्यक्ष बल्लू बलराम तथा सचिव सोनू जायसवाल ने बताया कि इस वर्ष हरिहरगंज में रामनवमी का पर्व पूरे उत्साह और भक्ति भाव के साथ मनाया जाएगा। पूजा को लेकर अभी से ही तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।पदाधिकारियों ने कहा कि रामनवमी हिंदू धर्म का अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है और इसे शांतिपूर्ण तथा भव्य तरीके से मनाने के लिए सभी श्रद्धालुओं का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने लोगों से बढ़-चढ़कर भाग लेने और पर्व को सफल बनाने की अपील की। इस मौके पर अध्यक्ष बल्लू बलराम, सचिव सोनू जायसवाल, कोषाध्यक्ष करण राजवीर, उपाध्यक्ष राजेश शौंडिक, पूजा मंत्री सौरव पाठक, मुन्ना विश्वकर्मा, सुमन पाठक, अरविंद पासवान, डॉ० संजय कुमार, पुरुषोत्तम जायसवाल, अजय सिंह, निरंजन गुप्ता, सत्येंद्र शाह, अमित कुमार, बंटी कुमार, शंकर वर्मा सहित कई लोग उपस्थित थे।

### दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर में युवक की मौत, चालक फरार

**हुसैनाबाद।** हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के गम्हरिया गांव के पास दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर में एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान कुर्मिपुर निवासी निरंजन ठाकुर (35 वर्ष) के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार निरंजन ठाकुर भैरोपुर गांव से एक मुंडन कार्यक्रम में शामिल होकर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान गुरुवार की देर शाम गम्हरिया गांव के समीप उनकी मोटरसाइकिल की दूसरी मोटरसाइकिल से टक्कर हो गई। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल निरंजन ठाकुर को पहले हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए मेदिनीराय चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोनों मोटरसाइकिलों को जब्त कर लिया है, जबकि दूसरा मोटरसाइकिल चालक दुर्घटना के बाद मौके से फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा शव को अंत्यपरीक्षण के लिए भेज दिया गया है।

### परीक्षा तिथि में बदलाव विश्वविद्यालय प्रशासन की विफलता : सरवर आलम, आइसा

**हुसैनाबाद।** नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय में सत्र 2022-26 के चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा तिथि में अचानक बदलाव किए जाने को लेकर छात्रों में काफी नाराजगी देखी जा रही है। इस संबंध में ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन के छात्र नेता सरवर आलम ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर गंभीर सवाल उठाए हैं। सरवर आलम ने कहा कि पहले विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा की तिथि 17 मार्च निर्धारित की गई थी। उसी के अनुसार छात्र-छात्राओं ने अपनी तैयारी पूरी कर ली थी और विश्वविद्यालय की ओर से प्रवेश पत्र भी जारी कर दिया गया था। इसके बावजूद बाद में अचानक परीक्षा की नई तिथि 28 मार्च घोषित कर दी गई, जिससे छात्रों में भ्रम और असंतोष की स्थिति उत्पन्न हो गई है। उन्होंने कहा कि जब प्रवेश पत्र जारी हो चुका था, तब परीक्षा तिथि में बदलाव करना छात्रों के साथ अन्याय है। इसके साथ ही दूर-दराज क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों को यात्रा और आवास की समस्या का भी सामना करना पड़ता है। सरवर आलम ने कहा कि इस तरह की अव्यवस्था विश्वविद्यालय प्रशासन की लापरवाही और विफलता को दशार्ती है। उन्होंने मांग की कि सत्र 2022-26 के चतुर्थ सेमेस्टर के छात्रों को ध्यान में रखते हुए परीक्षा कार्यक्रम स्पष्ट, स्थिर और व्यवस्थित रखा जाय, ताकि छात्रों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन से आग्रह किया कि भविष्य में परीक्षा से संबंधित निर्णय लेते समय छात्रों की सुविधा और हितों का विशेष ध्यान रखा जाय।

#### उपायुक्त ने की समाज कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा

# आंगनबाड़ी केंद्रों को स्कूल भवन में स्थानांतरित करने का निर्देश

**झारखंड दर्शन संवाददाता**

**मेदिनीनगर।** पलामू जिला समाहरणालय स्थित सभागार में - उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला समाज कल्याण कार्यालय के अंतर्गत संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं की अद्यतन स्थिति का विस्तार से अवलोकन करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि जिले में कुल 2629 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं, जिनमें से 947 आंगनबाड़ी केंद्र किराए के भवनों में संचालित हो रहे हैं। इस दौरान उपायुक्त ने शेष 119 आंगनबाड़ी केंद्रों को कोलोकेशन के माध्यम से स्कूल भवनों में शत-प्रतिशत स्थानांतरित कराने का निर्देश दिया। बैठक में सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिया कि 20 मार्च तक सभी लंबित आवेदनों को प्राप्त कर उनका भुगतान सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही 184 आंगनबाड़ी केंद्र भवनों के निर्माण कार्य की परियोजना-वार प्रगति का भी अवलोकन किया गया। उपायुक्त ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों में शौचालय निर्माण, वर्षा जल संरक्षण तथा पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने की प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्यपालक अभियंता को निर्देश दिया कि इस माह के अंत तक सभी लंबित कार्य पूर्ण किए जाएं। इसके अलावा आंगनबाड़ी केंद्रों के विद्युतीकरण कार्यों की भी समीक्षा की गई। बैठक में पोषण ट्रैकर के सभी संकेतकों, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना तथा समर कार्यक्रम से संबंधित प्रतिवेदनों की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को निर्देश दिया कि जिले के सभी 2629 आंगनबाड़ी केंद्रों में सेविका और सहायिका की उपलब्धता का समेकित प्रतिवेदन उपलब्ध कराया जाए तथा इस माह के अंत तक सभी रिक्त केंद्रों में सेविका और सहायिका का चयन सुनिश्चित किया जाए।

## अकीदत के साथ अदा की गई अलविदा की नमाज, अमन-चैन और भाईचारे के लिए मांगी गई दुआ

**झारखंड दर्शन संवाददाता**

**बरवाडीह।** पवित्र रमजान माह के आखिरी जुमे पर अदा की जाने वाली अलविदा की नमाज शुक्रवार को बरवाडीह सहित पूरे क्षेत्र में अकीदत और एहतराम के साथ अदा की गई। इस अवसर पर मस्जिदों में बड़ी संख्या में नमाजी जुटे और देश-दुनिया में अमन-चैन, खुशहाली तथा आपसी भाईचारे के लिए दुआ मांगी गई। अलविदा की नमाज को लेकर मस्जिदों में विशेष तैयारियां की गई थीं। नमाजियों के लिए साफ-सफाई, पेयजल और बैठने की समुचित व्यवस्था की गई थी। बरवाडीह प्रखंड के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों की विभिन्न मस्जिदों में मुस्लिम समुदाय के लोग बड़ी संख्या में नमाज अदा करने पहुंचे। नमाज से पूर्व उलेमाओं ने तकरीर करते हुए रमजान माह की अहमियत और रोजे की फजीलत पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रमजान का महीना इबादत, सब्र और इंसानियत की सेवा का महीना है। इस पवित्र महीने में हर मुसलमान को पूरे सम्मान और सच्चे दिल से रोजा रखना चाहिए तथा अधिक से अधिक इबादत करनी चाहिए। उलेमाओं ने जकात की अहमियत पर भी जोर देते हुए कहा कि अल्लाह ने नमाज और रोजे की तरह ही जकात को भी फर्ज किया है। असहाय लोगों की मदद करना है। जकात देने से गरीबों को सहारा मिलता है, माल में बरकत आती है और समाज में आपसी भाईचारा मजबूत होता है। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का संदेश दिया।

#### अधूरे एनएच-39 बाइपास पर टोल वसूली का मामला

## सांसद वीडी राम ने एनएचएआई चेयरमैन से हस्तक्षेप की मांग की

**झारखंड दर्शन संवाददाता**

**मेदिनीनगर।** पलामू संसदीय क्षेत्र के सांसद विष्णु दयाल राम ने मेदिनीनगर के समीप अधूरे एनएच-39 बाइपास पर टोल वसूली शुरू किए जाने के मुद्दे को लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के चेयरमैन संतोष कुमार यादव से मुलाकात कर अपनी आपत्ति दर्ज कराई है। उन्होंने इस संबंध में पत्र लिखकर स्थानीय लोगों को हो रही परेशानियों से अवगत कराया और टोल वसूली को तत्काल रोकने की मांग की।सांसद ने कहा कि उक्त टोल प्लाजा भोगू-शंखा खंड के एनएच-39 पर स्थित है, जो रांची-वाराणसी कॉरिडोर के अंतर्गत भारतमाला परियोजना का हिस्सा है। इस टोल प्लाजा से 7 मार्च 2026 से टोल वसूली शुरू कर दी गई है, जबकि इस खंड का सड़क निर्माण कार्य अभी पूरी तरह से पूरा नहीं हुआ है। विशेष रूप से टोल प्लाजा के आसपास का क्षेत्र अभी अधूरा है। टोल प्लाजा से रांची की ओर लगभग चार किलोमीटर तक का हिस्सा निमार्णाधीन है, जिसकी शुरूआत टोल प्लाजा से करीब 100 मीटर की दूरी से ही हो जाती है।उन्होंने बताया कि इससे पहले भी दुबिया खंड, जोरकट, चियांकी, पोखराहा, जोड़, सिंगरा कला, लोहड़ा, पंडवा और राजहरा सहित आसपास के गांवों में अधूरे पड़े निर्माण कार्यों के संबंध में एनएचएआई अधिकारियों को अवगत कराया गया था। इसके बावजूद इन क्षेत्रों में कार्य की प्रगति धीमी और असंतोषजनक बनी हुई है।सांसद ने यह भी बताया कि मेदिनीनगर शहर को राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़ने के लिए एनएचएआई द्वारा एक कनेक्टिंग रोड बनाने की योजना है, जो जिला मुख्यालय की सुगम आवाजाही के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

## डिग्री महाविद्यालय हुसैनाबाद में स्नातक प्रथम सेमेस्टर की रसायन शास्त्र परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न

**झारखंड दर्शन संवाददाता**

**हुसैनाबाद।** डिग्री महाविद्यालय हुसैनाबाद में शुक्रवार को स्नातक प्रथम सेमेस्टर की रसायन शास्त्र विषय की परीक्षा शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हुई। परीक्षा के दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य सह केंद्राधीक्षक डॉ० राम कुमार प्रसाद ने परीक्षा कक्षों का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के क्रम में उन्होंने सभी वीक्षकों को सख्त निर्देश दिया कि परीक्षा पूरी तरह कदाचारमुक्त एवं अनुशासित वातावरण में संपन्न कराई जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस दौरान उन्होंने परीक्षा केंद्र की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया तथा परीक्षार्थियों को शांतिपूर्ण वातावरण में परीक्षा देने की सुविधा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

परीक्षा के दौरान प्रतिनियुक्त वीक्षकों में पंचम कुमार सिंह, अनिल कुमार पासवान, सुरेंद्र कुमार सिंह, अनिल कुमार सिंह, कबिंद्र कुमार पासवान, वीरेंद्र पाल, राजकुमार राम, पप्पू पासवान, बसंत राम, धीरेन्द्र राम, उमेश कुमार, राजेश कुमार, गोविंदा प्रसाद सिंह, मोहम्मद इरफान, प्रो० चंदन पांडेय, तनु सिंह, ओमप्रकाश सिंह, अरुण प्रताप सिंह तथा मोनू कुमार सिंह सहित अन्य शिक्षक एवं कर्मी उपस्थित थे।

## रक्तदान से किसी जरूरतमंद को मिल सकता है जीवनदान : प्रो. बच्चन ठाकुर

**झारखंड दर्शन संवाददाता**

**मेदिनीनगर।** राष्ट्रीय नाई महासभा पलामू के जिला अध्यक्ष तथा पांकी के विधायक डॉ० कुशवाहा शशिभूषण मेहता के सक्रिय सहयोगी प्रो० बच्चन ठाकुर ने मंगलवार को मेदिनीनगर स्थित सदर अस्पताल में रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान माना जाता है। एक व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद के लिए जीवनदान साबित हो सकता है। प्रो० ठाकुर ने कहा कि हमारे और आपके द्वारा दान किया गया रक्त किसी गंभीर रूप से बीमार या दुर्घटना के शिकार व्यक्ति की जान बचा सकता है। इसलिए प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान अवश्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक अत्यंत पुनीत कार्य है और इसे महादान की संज्ञा दी जाती है। उन्होंने कहा कि रक्तदान करने से मन में आत्मसंतोष और खुशी की अनुभूति होती है, क्योंकि यह नहीं पता होता कि हमारा दिया हुआ रक्त किस जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन की रक्षा कर देगा। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से अपील करते हुए कहा कि वे रक्तदान शिविरों में बढ़-चढ़कर भाग लें और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाएं। उन्होंने आगे कहा कि स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए समाज के सभी वर्गों को आगे आकर सहयोग करना होगा। जब सभी लोग मिल-जुलकर स्वास्थ्य के क्षेत्र में सकारात्मक प्रयास करेंगे, तभी एक स्वस्थ और सशक्त समाज का निर्माण संभव हो सकेगा।

## सीएनजी और एलपीजी की किल्लत से वाहन चालकों व छोटे कारोबारियों की बढ़ी परेशानी

**झारखंड दर्शन संवाददाता**

**मेदिनीनगर।** पलामू पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और उससे उत्पन्न वैश्विक ऊर्जा संकट का असर अब पलामू जिला मुख्यालय मेदिनीनगर में भी देखने को मिलने लगा है। केंद्र सरकार द्वारा देश में एलपीजी, सीएनजी, पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता होने की बात कही जा रही है, लेकिन जमीनी स्थिति इससे कुछ अलग नजर आ रही है।पिछले कई दिनों से शहर में सीएनजी से चलने वाले वाहनों को गैस की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है।वाहन चालकों को घंटों लाइन में लगने के बाद सीएनजी मिल पा रहा है। शहर के सीएनजी पंपों पर सुबह से ही वाहनों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। कई बार वाहन चालकों का आधे से अधिक समय केवल गैस भरवाने की प्रक्रिया में ही बीत जाता है।इस स्थिति का सबसे अधिक असर ऑटो चालकों पर पड़ रहा है। उनका कहना है कि घंटों लाइन में लगने के कारण उनकी रोजाना की कमाई पर सीधा प्रभाव पड़ रहा है। पहले जहां वे दिनभर में कई फेरे लगा लेते थे, वहीं अब समय का बड़ा हिस्सा गैस लेने में ही खर्च हो जा रहा है। इससे उनकी आय में कमी आ रही है और यात्रियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।हालांकि पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता पहले की तुलना में फिलहाल सामान्य बताई जा रही है, लेकिन घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलेंडर को लेकर भी कुछ स्थानों पर परेशानी की खबरें सामने आ रही हैं। शहर के छोटे-छोटे होटल, ढाबे और ठेला लगाने वाले व्यवसायियों को एलपीजी गैस सिलेंडर समय पर नहीं मिलने से अपने कामकाज में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यहां तक की घरेलू गैस सिलेंडर के उपभोक्ताओं की भी परेशानी की खबरें आ रही है। स्थानीय कारोबारियों का कहना है कि यदि ऊर्जा आपूर्ति की स्थिति में जल्द सुधार नहीं हुआ, तो इसका असर छोटे व्यवसायों और आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर और अधिक पड़ सकता है।विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रहे युद्ध और ऊर्जा बाजार में बढ़ती अस्थिरता का प्रभाव धीरे-धीरे स्थानीय बाजारों तक पहुंच रहा है। ऐसे में आवश्यक है कि प्रशासन और संबंधित एजेंसियां आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए ठोस कदम उठाएं, ताकि आम जनता को अनावश्यक परेशानियों से बचाया जा सके।

#### अधूरी सड़क पर टोल वसूली से जनता परेशान

## सांसद विष्णु दयाल राम ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अध्यक्ष से की शिकायत

**झारखंड दर्शन संवाददाता**

**मेदिनीनगर।** पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम ने नई दिल्ली में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अध्यक्ष संतोष कुमार यादव से मुलाकात कर पत्र के माध्यम से पलामू संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत मेदिनीनगर नगर निगम के समीप अधूरी राष्ट्रीय राजमार्ग-39 बाइपास सड़क पर टोल वसूली शुरू किए जाने से जनता को हो रही कठिनाइयों से अवगत कराया। सांसद श्री राम ने बताया कि भोगू-शंखा खंड स्थित यह टोल प्लाजा रांची-वाराणसी गलियारे के अंतर्गत भारतमाला परियोजना का हिस्सा है। इस टोल प्लाजा से 7 मार्च से टोल वसूली प्रारंभ कर दी गई है, जबकि सड़क निर्माण कार्य अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि टोल प्लाजा के आसपास का क्षेत्र अभी अधूरा है तथा टोल प्लाजा से रांची की ओर लगभग चार किलोमीटर तक सड़क का हिस्सा अभी भी निमार्णाधीन है। इसकी शुरूआत टोल प्लाजा से लगभग 100 मीटर की दूरी से ही होती है। सांसद ने बताया कि इससे पहले भी दुबियाखंड, जोरकट, चियांकी, पोखराहा, जोड़, सिंगरा कला, लोहड़ा, पंडवा तथा राजहरा गांवों में अधूरे निर्माण कार्यों को लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को अवगत कराया गया था, लेकिन इन क्षेत्रों में कार्य की प्रगति अभी भी धीमी और असंतोषजनक बनी हुई है। इसके अतिरिक्त मेदिनीनगर शहर को राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़ने के लिए प्रस्तावित संपर्क मार्ग का निर्माण कार्य भी अब तक शुरू नहीं किया गया है। वहीं पोखराहा तथा जोड़ गांव में प्रस्तावित दो ऊपरी पुलों का निर्माण भी लंबित है, जो यातायात को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। सांसद ने कहा कि इन परिस्थितियों के कारण स्थानीय लोगों में असंतोष बढ़ रहा है। आसपास के गांवों के ग्रामीण और किसान प्रतिदिन कम दूरी तय कर मेदिनीनगर आते-जाते हैं। ऐसे में सड़क निर्माण कार्य अधूरा रहते हुए टोल वसूली शुरू होने से लोगों की परेशानियां और बढ़ गई हैं। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अध्यक्ष से अनुरोध किया है कि जब तक सड़क निर्माण कार्य पूरी तरह से समाप्त नहीं हो जाता, तब तक टोल वसूली बंद की जाए तथा सभी लंबित परियोजनाओं को शीघ्र शुरू कर समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाय।

# विद्यार्थियों की पढ़ाई ही शिक्षकों की पहली प्राथमिकता : आयुक्त

**झारखंड दर्शन संवाददाता**

**मेदिनीनगर।** प्रमंडलीय आयुक्त कुमुद सहाय ने शुक्रवार को चैनपुर स्थित राजकीय बुनियादी विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, उपस्थिति पंजी, मध्याह्न भोजन तथा अन्य अभिलेखों की गहन जांच की गई। निरीक्षण के दौरान कई गंभीर गड़बड़ियां सामने आने पर आयुक्त ने प्राचार्य और शिक्षकों के प्रति कड़ी नाराजगी जताते हुए व्यवस्था में तत्काल सुधार लाने का सख्त निर्देश दिया। निरीक्षण के क्रम में आयुक्त ने विद्यालय की विभिन्न कक्षाओं का अवलोकन किया। इस दौरान कुछ शिक्षक अनुपस्थित पाए गए, जिसके कारण कई छात्राएं कक्षा से बाहर शोर-शराबा करती नजर आईं। आयुक्त ने कक्षाओं में जाकर छात्राओं से सामान्य प्रश्न पूछे, परंतु कई छात्राएं सरल प्रश्नों का भी संतोषजनक उत्तर नहीं दे सकीं। ऐसी स्थिति पर उन्होंने संबंधित वर्ग शिक्षकों और प्राचार्य को सही ढंग से अध्यापन कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की पहली जिम्मेदारी विद्यार्थियों की गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई सुनिश्चित करना है। आयुक्त ने विद्यार्थियों की उपस्थिति पंजी, मध्याह्न भोजन की दैनिक खपत-सह-स्टॉक पंजी तथा दैनिक उपस्थिति सारांश सहित विभिन्न अभिलेखों की जांच की। जांच के दौरान कई पंजी अद्यतन नहीं पाए गए। मार्च माह के कॉलम पूरी तरह खाली थे। मध्याह्न भोजन से संबंधित अभिलेखों में भी प्रविष्टियां स्पष्ट नहीं थीं तथा पहले भरे गए कई कॉलम संदेहास्पद प्रतीत हुए। इस पर आयुक्त ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि पंजियों को खाली रखना और माह के अंत में एक साथ भरना गंभीर अनियमितता है और यह स्वेच्छाचारिता को दशार्ता है। उन्होंने सभी अभिलेखों और पंजियों को प्रतिदिन अद्यतन रखने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने यह भी पाया कि प्राचार्य कक्ष के सामने ही वाहनों की पार्किंग की गई है। इस पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए वाहन पार्किंग को व्यवस्थित ढंग से करने का निर्देश दिया। उन्होंने प्राचार्य को विद्यालय के शिक्षकों और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों पर पूर्ण नियंत्रण रखने को कहा और निर्देश दिया कि पठन-पाठन की गुणवत्ता में सुधार लाया जाए तथा विद्यालय में अनुशासन बनाए रखा जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शिक्षण कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों की उपस्थिति पंजी की जांच में कई गड़बड़ियां भी सामने आईं। कई विद्यार्थियों की वास्तविक उपस्थिति कम पाई गई, जबकि पंजी में अधिक दर्ज थी। इतना ही नहीं, 14 मार्च की तिथि के सामने कई छात्राओं के नाम के आगे पहले से ही अनुपस्थित दशार्ते हुए क्रॉस लगा दिया गया था, जबकि निरीक्षण की तिथि 13 मार्च थी। इस पर आयुक्त ने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए इसे गंभीर लापरवाही बताया। आयुक्त ने विद्यालय के रसोईघर का भी निरीक्षण किया और विद्यार्थियों के लिए तैयार मध्याह्न भोजन तथा स्टॉक में रखे चावल की जांच की। चावल की बोरियों को चूहों द्वारा कुतरा हुआ पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी जताई और कहा कि मध्याह्न भोजन योजना विद्यार्थियों के पोषण से जुड़ी महत्वपूर्ण योजना है, इसलिए इसके संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने विद्यार्थियों को निर्धारित मेन्यू के अनुसार स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने तथा खाद्यान्न का सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता में कमी के कारण विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, तो इसके लिए विद्यालय के प्राचार्य स्वयं जिम्मेदार होंगे।

## बाल विवाह रोकने गई प्रशासनिक टीम से ग्रामीणों ने की हाथापाई

**झारखंड दर्शन संवाददाता**

**मेदिनीनगर।** जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के तलेया बभंडी इलाके में बाल विवाह रोकने पहुंची प्रशासनिक टीम के साथ ग्रामीणों और परिजनों ने जमकर हाथापाई की. टीम की गाड़ी पर हमला किया गया और सरकारी कर्मियों के साथ मारपीट की कोशिश हुई. हंगामे के बीच दो नाबालिग लड़कियों को ग्रामीणों एवं परिजनों ने छुड़ा लिया औक लेकर भाग गए।जिला प्रशासन को सूचना मिली थी कि चैनपुर थाना क्षेत्र के तलेया बभंडी में दो नाबालिग लड़कियों की शादी कराई जा रही है. इनमें से एक लड़की लोहरदगा जिले की रहने वाली है, जबकि दूसरी चैनपुर थाना क्षेत्र की है. सूचना मिलते ही चैनपुर के प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) एवं पुलिस बल के साथ प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची. टीम ने वहां से दोनों नाबालिग लड़कियों का रेस्क्यू किया।जैसे ही टीम लड़कियों को लेकर जाने लगी, ग्रामीण और परिजन उग्र हो गए. भीड़ ने प्रशासनिक टीम को कार्रवाई नहीं करने दी और गाड़ी को घेर लिया. ग्रामीणों ने हंगामा किया तथा अधिकारियों के साथ हाथापाई शुरू कर दी. इसी दौरान ग्रामीणों और परिजनों ने मौके का फायदा उठाकर दोनों नाबालिग लड़कियों को छुड़ाकर फरार हो गए।चैनपुर के प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रदीप दास ने बताया कि डीसीपी से मिली जानकारी के आधार पर बाल विवाह रोकने के लिए कार्रवाई की जा रही थी।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शनिवार 14 मार्च 2026 E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

## संक्षिप्त खबरें

### पिछले विश्वकप की तरह खेलते तो शायद ही जीत मिलती : सूर्यकुमार यादव

**मुम्बई।** भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव का मानना है कि समय के साथ ही खेल की रफ्तार भी बदल रही है, ऐसे में आक्रामक अंदाज अपनाना सफल रहा। वहीं अगर अगर भारतीय टीम पिछले टी20 विश्व कप की तरह खेलती तो उसे इसबार शायद ही जीत मिलती। सूर्या का कहना है कि पिछली बार जब रोहित शर्मा और विराट कोहली के समय भारतीय टीम जीती थी तब हालात अलग थे। वहीं अब अलग हैं।कप्तान रोहित और कोच राहुल द्रविड़ के नेतृत्व में भारतीय टीम का खेल बेहद संतुलित और अनुभव पर आधारित माना जाता था। यह रणनीति 2024 तक प्रभावी रही पर दो साल बाद टी20 क्रिकेट की बदलती मांगों के सामने यह थोड़ी धीमी और पारंपरिक लगने लगी। इसी कारण सूर्यकुमार और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने इस बार खिलाड़ियों को निडर होकर खेलने को कहा। इससे टीम में यह साफ संदेश दिया गया कि अब कोई भी खिलाड़ी निजी उपलब्धियों के पीछे न जाकर टीम की जीत के लिए खेलेगा। इसी कारण जरूरत के अनुसार किसी भी खिलाड़ी को किसी भी क्रम पर उतारा गया। सूर्यकुमार ने कहा, हमें पता था कि 2024 टी20 विश्व कप में जिस तरह का क्रिकेट हमने खेला था, वह आगे काम नहीं करेगा। इसलिए हमने तय किया कि अब व्यक्तिगत रिकॉर्ड पर ध्यान नहीं देंगे, हमारा ध्यान सिर्फ मैच जीतना होगा। इसी कारण सेमीफाइनल तक हमारे किसी भी खिलाड़ी का नाम सबसे ज्यादा रन बनाने वालों या सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों की सूची में नहीं था पर इसके बाद भी हम जीत रहे थे। इस कारण है कि हर खिलाड़ी योगदान दे रहा था। उन्होंने आगे कहा कि इस सोच को टीम में शुरू से ही मजबूत करना जरूरी था।

### आर्मंड डुप्लांटिस ने 15वीं बार तोड़ा विश्व रिकॉर्ड

**उप्साला (स्वीडन)।** स्वीडन के स्टार पोल वॉल्टर आर्मंड डुप्लांटिस ने गुरुवार को एक बार फिर इतिहास रचते हुए पोल वॉल्ट का विश्व रिकॉर्ड 15वीं बार तोड़ दिया। उन्होंने उप्साला में आयोजित प्रतियोगिता में 6.31 मीटर की शानदार छलांग लगाकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। 26 वर्षीय डुप्लांटिस ने यह ऊंचाई अपने पहले ही प्रयास में पार कर ली। इससे पहले उन्होंने 5.65 मीटर, 5.90 मीटर और 6.08 मीटर की ऊंचाई भी पहले प्रयास में ही पार की। इसके बाद उन्होंने बार को सीधे 23 सेंटीमीटर बढ़ाकर विश्व रिकॉर्ड ऊंचाई 6.31 मीटर कर दिया और पहली ही कोशिश में इसे पार कर लिया। डुप्लांटिस 2020 में 6.17 मीटर की छलांग लगाने के बाद से ही इस रिकॉर्ड के मालिक बने हुए हैं और लगातार इसे बेहतर करते आ रहे हैं। यह दूसरी बार है जब उन्होंने स्वीडन की धरती पर विश्व रिकॉर्ड बनाया है। इससे पहले उन्होंने जून 2025 में स्टॉकहोम में 6.28 मीटर की छलांग लगाई थी। रिकॉर्ड बनाने के बाद डुप्लांटिस ने दर्शकों से कहा कि अपने देश में यह उपलब्धि हासिल करना उनके लिए बेहद खास है। उन्होंने कहा कि वह अपने लिए, अपने परिवार के लिए और स्वीडन के लोगों के लिए कूदते हैं।

### इंडियन वेल्स 2026: स्वितोलिना ने स्वियातेक को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

# साबालेंका और सिनर भी आगे

एजेंसी

**मैक्सिको सिटी।** यूक्रेन की स्टार टेनिस खिलाड़ी एलीना स्वितोलिना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पोलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी इगा स्वियातेक को 6-2, 4-6, 6-4 से हराकर इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट 2026 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। वहीं विश्व नंबर एक आर्यना साबालेंका भी क्वार्टरफाइनल जीतकर अंतिम चार में पहुंच गईं।

मैच की शुरुआत में स्वियातेक लय में नहीं दिखीं और उन्होंने पांच डबल फॉल्ट किए। इसका फायदा उठाते हुए स्वितोलिना ने तीन बार सर्विस ब्रेक करते हुए मात्र 38 मिनट में पहला सेट 6-2 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में स्वियातेक ने शानदार वापसी की और मुकाबले को निर्णायक सेट तक पहुंचाया। हालांकि तीसरे सेट में स्वितोलिना ने एकमात्र सर्विस ब्रेक हासिल कर बढ़त बना ली और आत्मविश्वास के साथ मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली।

जीत के बाद स्वितोलिना ने कहा कि यह मुकाबला बेहद कठिन था और स्वियातेक हमेशा उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए मजबूर करती हैं। उन्होंने बताया कि सात साल बाद इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचकर वह बेहद खुश हैं। महिला वर्ग में शीर्ष वरीय

आर्यना साबालेंका ने कनाडा की 19 वर्षीय खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको को 7-6 (0), 6-4 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पहले सेट के टाईब्रेक में साबालेंका ने बिना कोई अंक गंवाए जीत दर्ज की।

अब साबालेंका का सामना चेक गणराज्य की लिंडा नोस्कोवा से होगा। नोस्कोवा ने ऑस्ट्रेलिया की क्वालीफायर तालिया गिब्सन को 6-2, 4-6, 6-2 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पुरुष एकल वर्ग में जर्मनी के चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने फ्रांस के आर्थर फिल्स को 6-2, 6-3 से हराया। अब उनका सामना इटली के विश्व नंबर दो खिलाड़ी यानिक सिनर से होगा, जिन्होंने अमेरिका के लर्नर टियन को 6-1, 6-2 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

# सनराइजर्स लीड्स का एक्स खाता निलंबित

एजेंसी

**नई दिल्ली।** सनराइजर्स लीड्स का आधिकारिक एक्स खाता गुरुवार को कुछ ही घंटों में निलंबित कर दिया गया। यह कार्रवाई उस समय हुई जब फ्रेंचाइजी ने द हंड्रेड 2026 की नीलामी में पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद को अपनी टीम में शामिल किया।अबरार अहमद इस प्रतियोगिता में किसी भारतीय स्वामित्व वाली फ्रेंचाइजी द्वारा चुने जाने वाले पहले पाकिस्तानी खिलाड़ी बन गए हैं। हालांकि इस फैसले के बाद सोशल मीडिया पर कई प्रशंसकों ने टीम के मालिक और फ्रेंचाइजी की आलोचना करते हुए तीखी प्रतिक्रिया दी।

नीलामी में अबरार अहमद को 1 लाख 90 हजार पाउंड (करीब 2.3 करोड़ रुपये) में खरीदा गया था। इसके कुछ ही समय बाद सनराइजर्स लीड्स का आधिकारिक एक्स खाता निलंबित हो गया।मंच की ओर से निलंबन का कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया है, लेकिन खाते पर जाने पर संदेश दिखाई देता है कि यह खाता नियमों के उल्लंघन के कारण निलंबित कर दिया गया है।इस बीच सन टीवी नेटवर्क ने हाल ही में द हंड्रेड की फ्रेंचाइजी, जो पहले नार्दर्न सुपरचार्जेस के नाम से जानी जाती थी, में हिस्सेदारी खरीदी है। कंपनी ने इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड से 49 प्रतिशत और यार्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब से से 51 प्रतिशत हिस्सेदारी लेकर लगभग 10 करोड़ पाउंड में टीम का अधिग्रहण किया।नीलामी से पहले यह चर्चा थी कि आईपीएल फ्रेंचाइजी से जुड़ी टीमें पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर बोली लगाने से बचेंगी, और नीलामी की शुरूआती प्रक्रिया भी इसी ओर इशारा कर रही थी।

हालांकि बाद में अबरार अहमद को खरीदकर यह स्थिति बदल गई। गौरतलब है कि पाकिस्तानी खिलाड़ी 2009 के बाद से इंडियन प्रीमियर लीग में नहीं खेले हैं और दुनियाभर की टी20 लीगों में निवेश करने वाले आईपीएल फ्रेंचाइजी मालिक आम तौर पर पाकिस्तान के खिलाड़ियों को टीम में शामिल करने से बचते रहे हैं।

### डेफ क्रिकेट में दूसरे दिन खूब लगे चौके-छक्के नॉर्थ जोन और वेस्ट जोन ने जमाई धाक

एजेंसी

**इंदौर।** इंडियन डेफ क्रिकेट एसोसिएशन (आईडीसीए) की 7वीं वन डे नेशनल जोनल क्रिकेट चैंपियनशिप 2026 में दूसरे दिन शुक्रवार को मैदान पर रोमांच अपने पूरे रंग में नजर आया। द एमराल्ड हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को अपना बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सहयोग से आयोजित इस चैंपियनशिप में कैंपस के चार मैदानों पर दिनभर मुकाबले खेले गए, जहां खिलाड़ियों का जोश और प्रतिभा साफ झलकती रही।

दूसरे दिन के मुकाबलों में नॉर्थ जोन और वेस्ट जोन की टीमों ने अपने उम्दा प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचा। दोनों टीमों ने शानदार जीत दर्ज करते हुए टूर्नामेंट में अपनी दावेदारी और मजबूत कर ली और बढ़ चले हैं अपने हुनर का दमखम दिखाने।

पहले मैच में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी ईस्ट जोन की टीम, नॉर्थ जोन की कसी हुई गेंदबाजी के सामने ज्यादा देर टिक नहीं सकी और 36.4 ओवर में 128 रन बनाकर ऑल आउट हो गई।

# आईपीएल 2026: नई टीम के साथ कुछ नया बनाने की कोशिश करेंगे: ऋषभ पंत

एजेंसी

**नई दिल्ली।** ऋषभ पंत की कप्तानी वाली लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की तैयारी शुरू कर दी है। टीम के नए खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कप्तान पंत ने कहा कि सभी को एक-दूसरे से सीखते हुए इस सीजन के लिए कुछ नया बनाने की कोशिश करनी चाहिए।

एलएसजी की ओर से साझा किए गए एक वीडियो में पंत ने नए खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि टीम में पिछले साल के कई खिलाड़ी मौजूद हैं, जबकि कुछ नए चेहरे भी जुड़े हैं। ऐसे में सभी को आपस में बेहतर तालमेल बनाकर आगे बढ़ना होगा।

पंत ने कहा, हम सबको यहां मौजूद हर खिलाड़ी से जितना संभव हो उतना सीखने की कोशिश करनी चाहिए। अगर हम क्रिकेट के बारे में बातचीत नहीं करेंगे तो सुधार भी नहीं कर पाएंगे। इस सीजन के लिए हमें मिलकर कुछ बेहतर बनाने की कोशिश करनी होगी।

पिछले दिसंबर में हुए मिनी ऑक्शन में लखनऊ ने कई नए खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया। इनमें श्रीलंका के स्टार ऑलराउंडर वानिन्दु हसरंगा, दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नाट्र्जे, मुकुल चौधरी, नमन तिवारी, अक्षत रघुवंशी और ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंग्लिश शामिल हैं। इसके अलावा टीम ने ट्रेड के जरिए अर्जुन तेंदुलकर और भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को भी अपने साथ जोड़ा है। पंत की अगुवाई में पिछले सीजन में लखनऊ का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था। टीम ने लीग चरण में केवल छह मैच जीते और अंक तालिका में सातवें स्थान पर रही। हालांकि आखिरी लीग मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ पंत ने नाबाद 118 रन की शानदार पारी खेली थी, लेकिन टीम को इसका फायदा नहीं मिल सका।

पंत ने कहा कि किसी भी सीजन की शुरूआत में टीम का लक्ष्य जीतना होता है, लेकिन खिलाड़ियों के लिए यह भी जरूरी है कि वे अपने व्यक्तिगत और टीम के लक्ष्यों को लेकर स्पष्ट रहें। उन्होंने बताया कि अभी यह प्री-सीजन कैंप जैसा है, क्योंकि बाकी खिलाड़ी 15-16 मार्च के आसपास टीम से जुड़ेंगे। आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स अपने अभियान की शुरूआत 01 अप्रैल को पंजाब किंग्स के खिलाफ अपने घरेलू मैदान अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में करेगी। इसके बाद टीम 05 अप्रैल को हैदराबाद में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबला खेलेगी।

## अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने कुशल दास के निधन पर जताया शोक

एजेंसी

**नई दिल्ली।** अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने अपने पूर्व महासचिव कुशल दास के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। कुशल दास का शुक्रवार को 66 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके परिवार में पत्नी और दो पुत्र हैं।

पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट रहे कुशल दास को खेल प्रबंधन और प्रशासन का व्यापक अनुभव था। अपने शुरूआती पेशेवर जीवन में उन्होंने प्राइसवाटरहाउसकूपर्स, ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन और शेल जैसी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के साथ काम किया। वर्ष 1996 में वे वैश्विक खेल

विपणन और टेलीविजन निर्माण कंपनी आईएमजी में मुख्य वित्त अधिकारी के रूप में जुड़े, जब कंपनी ने भारतीय बाजार में प्रवेश किया। बाद में उन्होंने दुबई स्थित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद में भी मुख्य वित्त अधिकारी के रूप में कार्य किया।नवंबर 2010 में कुशल दास ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के महासचिव का पद संभाला और वर्ष 2022 तक एक दशक से अधिक समय तक इस पद पर रहे। उनके कार्यकाल के दौरान भारतीय फुटबॉल में कई महत्वपूर्ण बदलाव हुए और खेल के विकास को नई दिशा मिली। उनके कार्यकाल में भारत ने वर्ष 2017 में फीफा अंडर-17 विश्व कप की सफल मेजबानी की, जो भारतीय फुटबॉल के इतिहास की एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती है।

## ईरान को फुटबॉल विश्व कप 2026 में नहीं आना चाहिए : ट्रंप

▸▸ खिलाड़ियों की सुरक्षा पर जताई चिंता

एजेंसी

**वॉशिंगटन।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि ईरान की फुटबॉल टीम को आगामी फुटबॉल विश्व कप 2026 में हिस्सा नहीं लेना चाहिए, क्योंकि इससे खिलाड़ियों के जीवन और सुरक्षा को खतरा हो सकता है। ट्रंप की यह टिप्पणी उस बयान के दो दिन बाद आई है, जब उन्होंने विश्व फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष जियानी इन्फैन्टिनो से कहा था कि ईरान की टीम का इस प्रतियोगिता में स्वागत किया जाएगा। ट्रंप ने अपने सामाजिक मंच ट्रुथ सोशल पर लिखा कि ईरान की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का विश्व कप में स्वागत है, लेकिन उनका मानना है कि खिलाड़ियों की सुरक्षा को देखते हुए उनका वहां आना उचित नहीं होगा। दरअसल 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल द्वारा किए गए हमलों के बाद शुरू हुए युद्ध के कारण ईरान की इस वर्ष होने वाले पुरुष फुटबॉल विश्व कप में भागीदारी पर अनिश्चितता पैदा हो गई है। यह प्रतियोगिता कनाडा, मैक्सिको और अमेरिका की संयुक्त मेजबानी में आयोजित की जाएगी। विश्व फुटबॉल महासंघ के प्रमुख जियानी इन्फैन्टिनो ने इस सप्ताह बताया कि व्हाइट हाउस में ट्रंप के साथ हुई बैठक के दौरान ईरान की मौजूदा स्थिति पर भी चर्चा हुई थी। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने दोहराया कि ईरान की टीम का अमेरिका में होने वाली इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए स्वागत है।

## व्यापार

# वैश्विक चुनौतियों से निपटने को 'आर्थिक स्थिरीकरण कोष' स्थापित करेगी सरकार

एजेंसी

**नई दिल्ली।** केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि सरकार एक लाख करोड़ रुपये का 'आर्थिक स्थिरीकरण कोष' स्थापित करेगी। उन्होंने कहा कि यह कोष वैश्विक स्तर पर आने वाली अस्थिर चुनौतियों का मुकाबला और भारत की वित्तीय मजबूती को सुदृढ़ करने में करेगी।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अनुदान की अनुपूरक मांगों के दूसरे बैच पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि यह कोष पश्चिम एशिया में मौजूदा संकट जैसी आकस्मिक वैश्विक चुनौतियों से लगने वाले झटकों को झेलने के लिए एक 'बफर' के तौर पर काम करेगा। उन्होंने कहा कि एक लाख करोड़ रुपये का आर्थिक स्थिरीकरण कोष भारत को वैश्विक मुश्किलों का सामना करने के लिए वित्तीय सुदृढ़ता देगा। अनुदान की अनुपूरक मांगों के दूसरे बैच के जरिए सरकार ने मौजूदा वित्त वर्ष में 2.81 लाख करोड़ रुपये के सकल अतिरिक्त व्यय के लिए लोकसभा से मंजूरी मांगी है, जिसे सदन ने अपनी मंजूदी दे दी है। सीतारमण ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए राजकोषीय घाटा

संशोधित अनुमानों (आरई) के भीतर होगा। उन्होंने सदन को बताया कि मौजूदा वित्त वर्ष के लिए केंद्रीय बजट में 80,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त प्राप्तियों के साथ कुल अतिरिक्त नकदी व्यय 2.01 लाख करोड़ रुपये होगा। वित्त मंत्री ने सदन को बताया कि किसानों के लिए उर्वरकों की कोई कमी नहीं होगी और अनुदान की अनुपूरक मांगों में इसका पूरा ध्यान रखा गया है। निर्मला सीतारमण ने कहा कि जब मैं इस बारे में बात कर रही हूं कि सरकार किसी भी अप्रत्याशित घटना, जिसमें सप्लाई चेन में रुकावटें और एलपीजी शामिल हैं, का सामना करने की तैयारी कैसे कर रही है, तब भी वे (विपक्ष) मेरा जवाब सुनने को तैयार नहीं हैं।

## देश में पिछले माह यात्री वाहनों की थोक बिक्री 10.6 फीसदी बढ़ी : सियाम

एजेंसी

**नई दिल्ली।** देश में घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री फरवरी में सालाना आधार पर 10.6 फीसदी बढ़कर 4,17,705 इकाई पर पहुंच गई। फरवरी 2025 में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 3,77,689 इकाई रही थी। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के अनुसार फरवरी महीने में दोपहिया वाहनों की बिक्री 35.2 फीसदी बढ़कर 18,71,406 इकाई हो गई जबकि पिछले वर्ष इसी महीने यह 13,84,605 इकाई थी। इसके अलावा तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री पिछले महीने 29 फीसदी बढ़कर 74,573 इकाई हो गई, जो फरवरी 2025 में 57,788 इकाई थी। सियाम के मुताबिक पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से विनिर्माण एवं निर्यात प्रभावित हो सकते हैं। सियाम भारत में वाहन और इंजन निमार्ताओं का प्रतिनिधित्व करने वाली एक शीर्ष संस्था है, जो नीति निर्धारण, तकनीकी प्रगति और टिकाऊ मोबिलिटी पर काम करती है। यह ऑटो उद्योग को सरकार के साथ जोड़ती है, वाहन सुरक्षा और स्थिरता के लिए जिम्मेदार है।

# लगातार तीसरे दिन गिरा घरेलू शेयर बाजार, निवेशकों के 9.88 लाख करोड़ रुपये डूबे

### तीन दिन में सेंसेक्स में 3,642 अंक और निफ्टी में 1,110 अंक की गिरावट

एजेंसी

**नई दिल्ली।** घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे कारोबारी दिन बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। शुकरिवार को कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिसके कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में मामूली सुधार होता हुआ भी नजर आया, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली शुरू हो गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोनों सूचकांक लगातार गिरते चले गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.93 प्रतिशत और निफ्टी 2.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। पिछले तीन दिन से लगातार जारी कमजोरी के कारण इन तीन दिनों में सेंसेक्स 3,642.06 अंक और निफ्टी 1,110.50 अंक टूट चुके हैं।शुकरिवार को दिन भर के कारोबार के दौरान सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। ऑटोमोबाइल, पीएसयू बैंक, मीडिया और मेटल सेक्टर के शेयरों में शुकरिवार को जम कर बिकवाली होती रही। इसके अलावा आईटी, कैपिटल

गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, एफएमसीजी, फार्मास्यूटिकल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 2.06 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

शुकरिवार को शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब दस लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई।

## इजराइल ने हिजबुल्ला के कई ठिकानों को बनाया निशाना, दागे रॉकेट और मिसाइल

एजेंसी

**बेरूत।** अमेरिका-इजराइल के ईरान के खिलाफ 28 फरवरी से शुरू सैन्य अभियान के बाद मध्य पूर्व में युद्ध के बादल छंटते नहीं दिख रहे है। इस युद्ध में ईरान समर्थित लेबनान का आतंकी समूह हिजबुल्लाह भी कूद पड़ा है। इस वजह से इजराइल को लगातार दो मोर्चों ईरान और हिजबुल्लाह से सीधा सामना करना पड़ रहा है। इजराइल ने बेरूद के दक्षिण उपनगरों में ताजा हमले कर हिजबुल्ला के कई ठिकानों को निशाना बनाया है।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, लेबनान में हिजबुल्लाह और इजरायल के बीच तनातनी बरकरार है। इजराइल ने बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में आज तड़के रॉकेट, मिसाइल और ड्रोन दागे हैं। इजराइल ने कहा है कि वह लेबनान से हिजबुल्लाह को खत्म करने के लिए पूरी ताकत झोंक देगा। इसलिए अब बेरूत के बाहरी इलाकों में नए हमले किए गए हैं। इसके जवाब में हिजबुल्लाह ने भी रॉकेट दागे हैं। लेबनान के अधिकारियों के अनुसार, राजधानी बेरूत के दक्षिण में स्थित एक विश्वविद्यालय पर इजरायली हवाई में दो शिक्षाविदों की मौत हो गई।

# ईरान का अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर को निशाना बनाने का दावा

एजेंसी

**इस्तांबुल/वॉशिंगटन।** पश्चिम एशिया में ईरान के साथ अमेरिका-इजराइल के भीषण होते सैन्य टकराव के बीच ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने मिसाइल और ड्रोन हमले में अमेरिकी विमान वाहक पोत अब्राहम लिंकन (सीवीएन-72) को नुकसान पहुंचाया है। अमेरिका ने अभी तक ईरान के दावे की पुष्टि नहीं की है।

तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनादोलु (एए) के मुताबिक ईरान की आईआरजीसी ने दावा किया है कि उसने मिसाइल और ड्रोन हमले में अमेरिकी विमान वाहक पोत अब्राहम लिंकन (सीवीएन-72) को भारी नुकसान पहुंचाया है। आईआरजीसी ने अपने बयान में कहा कि क्षेत्र में चल रहे सैन्य अभियानों के दौरान अमेरिकी नौसेना के इस विमानवाहक पोत को निशाना बनाया गया। लेकिन हमले से हुए नुकसान या संभावित हताहतों के बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई।

इसी बीच, अमेरिकी टेलीविजन और रेडियो प्रसारक कोलंबिया ब्रॉडकास्टिंग सिस्टम (सीबीएस) ने नाम नहीं छापने की शर्त पर दो अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि इस सप्ताह की शुरूआत में एक अलग घटना में एक ईरानी जहाज अमेरिकी विमानवाहक पोत अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर अब्राहम लिंकन के काफी करीब पहुंच था। अमेरिकी नौसेना ने उस जहाज को दूर रहने की चेतावनी देने के लिए कार्रवाई की।

अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि एक अमेरिकी युद्धपोत से ईरानी जहाज पर नौसैनिक तोप से गोलीबारी की गई। पूरी तरह ऑटोमैटिक यह नौसैनिक तोप आमतौर पर डिस्ट्रॉयर और क्रूजर जहाजों के आगे के हिस्से में लगाई जाती है। हालांकि, शुरूआती गोलीबारी के दौरान निशाना चूक गया था। फिलहाल, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि ये गोलियां चेतावनी के तौर पर चलाई गई थीं या सीधे हमले के लिए। इसके बाद स्थिति को नियंत्रित करने के लिए हेलफायर मिसाइलों से लैस सैन्य हेलीकॉप्टर भेजा गया, जिसने ईरानी जहाज की ओर दो मिसाइलें दागीं। इस संबंध में अभी तक यह जानकारी सामने नहीं आई है कि उस जहाज को कितना नुकसान हुआ या उसके चालक दल की क्या स्थिति है।

अमेरिकी सैन्य अभियानों की निगरानी करने वाली इकाई अमेरिकी सेंट्रल कमांड से जब इस मामले पर प्रतिक्रिया मांगी गई तो रक्षा विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि फिलहाल उनके पास साझा करने के लिए कोई जानकारी नहीं है। अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर अब्राहम लिंकन, मध्य-पूर्व में तैनात दो अमेरिकी विमानवाहक पोतों में से एक है। लिंकन कैरियर स्ट्राइक ग्रुप जनवरी के अंत में इस क्षेत्र में पहुंचा था, तब राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे एक 'विशाल बेड़ा' बताया था।

## संक्षिप्त खबरें

### दिल्ली के उपराज्यपाल ने राष्ट्रपति से की मुलाकात

**नई दिल्ली।** दिल्ली के उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू ने शुक्रवार को यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। तरणजीत सिंह संधू ने एक्स पोस्ट में बताया कि आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करके उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। उन्होंने राष्ट्रपति के प्रोत्साहन के लिए उनका आभार व्यक्त किया। संधू ने कहा कि आज राष्ट्रपति भवन के प्रसिद्ध अमृत उद्यान की भी सैर की और वसंत ऋतु के फूलों का आनंद ले रहे दिल्लीवासियों से मिलकर अच्छा लगा। इसके अलावा उपराज्यपाल ने आज दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा से लोक निवास में मुलाकात की। इस दौरान सुरक्षा, कानून व्यवस्था, साइबर अपराध और उभरते अपरंपरागत मुद्दों से संबंधित चुनौतियों की समीक्षा की और नवीन दृष्टिकोणों सहित समाधानों पर चर्चा की।

### मणिपुरी महिला पर हमला मामले में दिल्ली पुलिस आयुक्त को एनएचआरसी का नोटिस

**नई दिल्ली।** मणिपुर की एक महिला पर दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में लड़कों के एक समूह की ओर से कथित हमले का राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर मामले पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने बताया कि मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 8 मार्च को यह घटना तब घटी जब पीड़िता (मणिपुर की एक महिला) इलाके के एक पार्क में अपनी दोस्त के साथ तस्वीरें ले रही थी। उसी दौरान दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में लड़कों के एक समूह ने पीड़िता पर अश्लील और नस्लीय टिप्पणी की जिसका उन्होंने विरोध किया लेकिन लड़कों के समूह ने उस महिला पर शारीरिक हमला कर दिया। आयोग ने रिपोर्ट में पीड़ित के स्वास्थ्य की स्थिति और जांच की प्रगति का विवरण भी शामिल करने को कहा है।

### विनय कुमार सक्सेना ने लद्दाख के चौथे उपराज्यपाल के रूप में शपथ ली

**लद्दाख।** दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने शुक्रवार को केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के नए उपराज्यपाल के रूप में शपथ ली। सीआईबीएस ऑडिटोरियम लेह में आयोजित एक समारोह में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण पल्ली ने सक्सेना को पद की शपथ दिलाई। समारोह में मुख्य सचिव लद्दाख, सभी प्रशासनिक सचिव और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। यूटी लद्दाख के चौथे एलजी के रूप में शपथ लेने के बाद वीके सक्सेना को लद्दाख पुलिस ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। उनकी नियुक्ति लद्दाख के उपराज्यपाल पद से कविंदर गुप्ता का इस्तीफा स्वीकार करने के बाद हुई। सक्सेना ने कविंदर गुप्ता का स्थान लिया हैं, जिन्हें जुलाई, 2025 में उपराज्यपाल लद्दाख के रूप में नियुक्त किया गया था। कविंदर गुप्ता को हिमाचल प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

### कांग्रेस केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक, आज आ सकती है असम की पहली सूची

**नई दिल्ली।** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल की मौजूदगी में शुक्रवार को असम विधानसभा चुनाव से जुड़ी पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक हुई। असम से सांसद एवं लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने पत्रकारों को बताया कि बैठक में सीटों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। अपेक्षा है कि कल तक उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी जाएगी। पार्टी ज्यादातर सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर देगी और इससे गठबंधन के दलों को आवंटित सीटों की भी जानकारी होगी। उल्लेखनीय है कि इस महीने के अंत या अगले महीने की शुरूआत में असम सहित पांच राज्यों के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा हो सकती है। गोगोई से झारखंड मुक्ति मोर्चा से गठबंधन के बारे में सवाल पूछा गया लेकिन उन्होंने इसके बारे में स्पष्ट उत्तर नहीं दिया।

### प्रधानमंत्री मोदी ने जोस एंटोनियो कास्ट को चिली का राष्ट्रपति बनने पर दी बधाई

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चिली के नवनियुक्त राष्ट्रपति जोस एंटोनियो कास्ट को पदभार संभालने पर शुभकामनाएं दीं और दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत करने की उम्मीद जताई। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संदेश में कहा कि वह भारत और चिली के बीच गर्मजोशी और मित्रतापूर्ण संबंधों को और मजबूत करने के लिए उनके साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार, तकनीक और ऊर्जा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की व्यापक संभावनाएं हैं। प्रधानमंत्री ने जोस एंटोनियो के सफल और प्रभावी कार्यकाल की कामना भी की।

# शिक्षा के क्षेत्र में नए मानक स्थापित करेगा उत्तर प्रदेश : राजनाथ सिंह

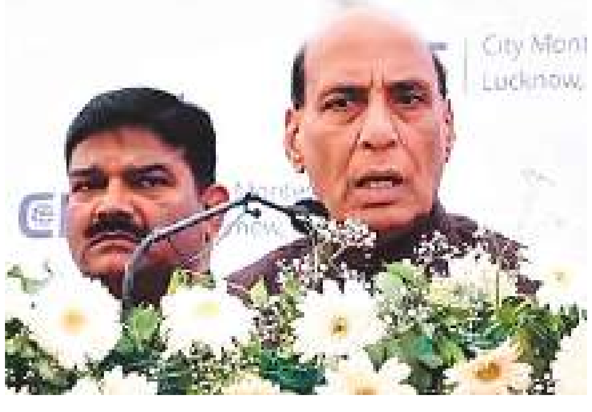

एजेंसी

**लखनऊ।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश, एक व्यापक दृष्टि के साथ आगे बढ़ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में हम सबने देखा है कि राज्य ने सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की है। इन्फ्रास्ट्रक्चर, इन्वेस्टमेंट, इण्डस्ट्री और एजूकेशन इन सभी क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश ने नई गति प्राप्त की है। मुझे विश्वास है कि इसी प्रकार के प्रयासों के कारण, आने वाले वर्षों में उत्तर प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में भी, नए मानक स्थापित करेगा। यहाँ के शैक्षणिक संस्थान, केवल प्रदेश के ही नहीं बल्कि पूरे देश के छात्रों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेंगे।

केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को लखनऊ के गोल्फ सिटी में सिटी मान्टेसरी स्कूल के नए भवन का उदघाटन के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। राजनाथ सिंह ने कहा कि जब किसी शहर की पहचान, उसकी सड़कों और इमारतों से आगे बढ़कर, उसके शैक्षिक और सांस्कृतिक संस्थानों से बनने लगती है, तब वह शहर वास्तव में समाज के भविष्य को आकार दे रहा होता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि आज प्रदेश में, केवल स्कूल और कालेज खोलने पर ही ध्यान नहीं दिया जा रहा। यहाँ एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसमें बच्चे पढ़ाई के साथ-साथ, एक सकारात्मक सीखने का वातावरण विकसित हो सके। उन्होंने कहा स्कूल केवल ज्ञान देने की जगह नहीं होता, वह मनुष्य निर्माण की प्रयोगशाला भी होता है। वहाँ केवल गणित,विज्ञान या भाषा नहीं सिखाई जाती, वहाँ जीवन के मूल्य भी सिखाए जाते हैं। हमको अपने बच्चों के शिक्षा के साथ-साथ व्यक्तित्व पर भी ध्यान देना जरूरी है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य है कि व्यक्ति अपने ज्ञान का उपयोग केवल अपने लिए नहीं बल्कि समाज की प्रगति के लिए भी करे। बच्चे स्कूल में पढ़ते जरूर हैं लेकिन उनका व्यक्तित्व घर में बनता है। स्कूल उन्हें ज्ञान और अनुशासन देता है, जबकि घर उन्हें जीवन का अनुभव, संवेदनशीलता और संस्कार देता है। अच्छी नौकरी, अच्छा पैकेज या किसी प्रतिष्ठित संस्थान में प्रवेश मिल जाना ही जीवन की पूरी सफलता नहीं है। वास्तविक सफलता तब होती है, जब व्यक्ति अपने ज्ञान और विचारों से, समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सके। बच्चों को केवल अंक लाने के लिए नहीं बल्कि जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार करना जरूरी है।

## पर्यटन उद्योग को राहत के लिए एलपीजी आपूर्ति बढ़ेगी : शेखावत

एजेंसी

**नई दिल्ली।** केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत और केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने शुक्रवार को केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी और पेट्रोलियम मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की वर्तमान स्थिति और उसके होटल तथा पर्यटन उद्योग पर पड़ रहे प्रभाव पर चर्चा की।

शेखावत ने कहा कि सरकार ने स्थिति को सामान्य करने के लिए त्वरित कदम उठाने का निर्णय लिया है। इसके तहत आज से ही व्यवसायों को उनकी औसत मासिक वाणिज्यिक गैस आवश्यकता का लगभग 20 प्रतिशत उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त होटलों और रेस्तरां को राहत देने के लिए गैस की अतिरिक्त आपूर्ति की व्यवस्था पर भी काम किया जा रहा है।

शेखावत ने कहा कि इस पूरे मामले पर लगातार नजर रखने के लिए पेट्रोलियम मंत्रालय और पर्यटन मंत्रालय के बीच समन्वय बनाए रखा जाएगा। उद्योग से जुड़े हितधारकों के साथ भी संवाद जारी रहेगा, ताकि उनकी समस्याओं का समय पर समाधान किया जा सके। शेखावत ने कहा कि वर्तमान दबाव वैश्विक स्तर पर चल रहे युद्ध के कारण उत्पन्न आपूर्ति व्यवधान का परिणाम है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने और साथ ही होटल-पर्यटन क्षेत्र को सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है।

## वाराणसी स्टेशन पर 3.54 करोड़ रु. का सोना बरामद, दो गिरफ्तार

एजेंसी

**वाराणसी।** वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन पर राजधानी एक्सप्रेस से जीआरपी थाना के पुलिसकर्मियों ने दो किलो से अधिक सोना बरामद किया है। यह सोना अफ्रीका से बांग्लादेश होते हुए भारत पहुंचा था। इस मामले में जीआरपी ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। उनसे पूछताछ की जा रही है।

जीआरपी कैंट थाना के निरीक्षक राजोल नागर ने बताया कि महाराष्ट्र के सातार के निवासी बालासो व पूना निवासी तेजस को कैंट रेलवे स्टेशन से जीआरपी पुलिस ने राजधानी एक्सप्रेस से पकड़ा है। यह दोनों शातिर किस्म के हैं और अक्सर इस तरह की घटनाओं में लिप्त पाए जाते हैं।

**● अफ्रीका से बांग्लादेश होते हुए पहुंचा था भारत**

उन्होंने बताया कि दोनों युवकों के पास से दो किलो से अधिक सोने के बिस्किट बरामद किये गए। बरामद सोने की कीमत करीब 3.54 करोड़ के करीब बताई जा रही है। इनके पास से बरामद सोना विशेष रूप से अफ्रीकी सोना है। पूछताछ में पता चला कि दोनों अफ्रीका से बांग्लादेश के रास्ते सोना लेकर भारत पहुंचे थे। जीआरपी पुलिस दोनों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

### पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास बीएसएफ ने बरामद किया संदिग्ध पैकेट

**जम्मू।** भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास शुक्रवार को जम्मू के आरएस पुरा सेक्टर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने एक संदिग्ध पैकेट बरामद किया है। माना जा रहा है कि इस पैकेट को एक पाकिस्तानी ड्रोन से गिराया गया था। शुरूआती जानकारी के अनुसार यह पैकेट सीमावर्ती इलाके में मिला, जिसका वजन लगभग 1500 ग्राम था। बीएसएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस की टीमों ने तुरंत इलाके को सुरक्षित कर लिया। बरामद किए गए पैकेट को अभी तक खोला नहीं गया है। एहतियाती कदम के तौर पर पैकेट को मेटल डिटेक्टर से उचित जांच के बाद ही खोला जाएगा, ताकि इसके अंदर किसी भी विस्फोटक सामग्री की संभावना को पूरी तरह से खत्म किया जा सके। बरामद किये गए पैकेट की जांच और तकनीकी परीक्षण जारी है। जम्मू जिले के बिश्नाह पुलिस स्टेशन के बदादुरपुर गांव के बाहरी इलाके में खेतों से बुधवार को एक जॉइंट ऑपरेशन में 12 करोड़ कीमत के हाई ग्रेड नारकोटिक्स (संदिग्ध ड्रोन ड्रॉपिंग) की भारी मात्रा बरामद की गई थी।

## बांग्लादेश में दो बसों में टक्कर, दूल्हा-दुल्हन समेत 14 की मौत, बीएनपी नेता के घर मातम

एजेंसी

**ढाका।** बांग्लादेश में मोंगला-खुलना हाइवे पर बांग्लादेश नेवी की एक बस और एक यात्री मिनसी बस के बीच आमने-सामने की टक्कर में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दूल्हा-दुल्हन और एक ही परिवार के कई सदस्य शामिल हैं। यह हादसा गुरुवार शाम करीब 4:00 बजे बेलाई पुल के पास हुआ। मिनी बस में शादी समारोह से लौट रहे एक ही परिवार के सदस्य सवार थे। विपरीत दिशा से आ रही नेवी की बस से मिनी बस की टक्कर के बाद चीख-पुकार मच गई।

बांग्लादेश की सरकारी न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस और अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाकी लोगों ने बाद में अलग-अलग अस्पतालों में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों में मोंगला उपजिला के वार्ड नंबर आठ से बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के अध्यक्ष अब्दुर रज्जाक, उनके बेटे और दूल्हे सब्बीर, दुल्हन मारजिया अख्तर मितु, मितु की दादी अनवारा बेगम, रज्जाक की पत्नी अंजुमारा बेगम, उनकी बेटियां लामिया और आइशी, आइशी के पति सामियुल, बहू पुतुल, पुतुल का बेटा अलीफ, ईरान, मिनी बस का ड्राइवर नईम, इब्राहिम सानी और एक अन्य अज्ञात व्यक्ति शामिल हैं।

काटाखाली हाइवे पुलिस स्टेशन प्रभारी अधिकारी मो. जफर अहमद ने बताया कि कोयरा से मोंगला की ओर जा रही मिनी बस की टक्कर नेवी की बस से हो गई। टक्कर में मिनी बस बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। खुलना मेडिकल कॉलेज अस्पताल डॉक्टर महनाज मोशर्रफ ने बताया कि एक ही परिवार के कई घायलों को अस्पताल लाया गया। इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। रूपसा उपजिला स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर राजेश ने बताया कि चार शवों को अस्पताल में रखा गया है। परिवार के सदस्यों ने बताया कि अब्दुर रज्जाक अपने छोटे बेटे सब्बीर की शादी कोयरा उपजिला के नक्शा गांव की मारजिया अख्तर मितु से करवाने के बाद रिश्तेदारों के साथ घर लौट रहे थे। इस हादसे से पूरे इलाके में शोक है।

**सीएम की सुरक्षा में इजाफा** > उत्तर प्रदेश सरकार ने खरीदा नया अगस्ता वेस्टलैंड एडब्ल्यू 139 हेलीकॉप्टर

# हेलीकाप्टर खराब मौसम और रात में भी उड़ने में सक्षम

मुख्यमंत्री योगी की अयोध्या यात्रा के बाद आया चर्चा में

एजेंसी

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सुरक्षित यात्रा के लिए अब प्रदेश सरकार के विमान बेड़े में इटली की लियोनार्डो कंपनी का सबसे एडवांस अगस्ता वेस्टलैंड एडब्ल्यू 139 हेलीकॉप्टर शामिल किया गया है। इसकी बेहतरीन उन्नत एवियोनिक्स, क्रैश सेफ्टी सिस्टम समेत अन्य खूबियों की वजह से राज्य सरकार ने इसे खरीदा है। मुख्यमंत्री योगी इसी हेलीकॉप्टर से राम नगरी अयोध्या गए थे। तभी से यह हेलीकाप्टर चर्चा में आया।

विशेषज्ञों के अनुसार हेलीकाप्टर में वैसे तो कई खासियत हैं, जो अन्य हेलीकाप्टरों में से इसे विशेष बनाती हैं। अगर इसके उड़ाने की बात करें तो इसे सामान्य पायलट नहीं उड़ा सकता है बल्कि अगस्ता हेलीकॉप्टर के संचालन के लिए विशेष दक्षता वाले कैप्टन की जरूरत होती है। इसलिए राज्य सरकार ने तीन पायलट कैप्टन अमित कुमार भूटानी, कैप्टन अक्षय जायसवाल और कैप्टन राजेश कुमार शर्मा को इटली भेजकर अगस्ता वेस्टलैंड एडब्ल्यू 139 की टेक्निकल और इसके अन्य पहलुओं को समझने की लिए ट्रेनिंग दिलाई है। इसमें इंस्ट्रमेंट ट्रेनिंग के साथ क्रिटिकल कंडिशन में इमरजेंसी लैंडिंग कराने का भी प्रशिक्षण शामिल है। सरकार ने इन तीनों पायलट के प्रशिक्षण पर 50.40 लाख रुपये खर्च किए हैं।

अगर अगस्ता वेस्टलैंड एडब्ल्यू 139 हेलीकॉप्टर की रफ्तार की बात करें तो यह अन्य सामान्य हेलीकाप्टरों से काफी तेज गति से उडता है। इसकी अधिकतम रफ्तार लगभग 310 किमी प्रति घंटा है। यह हेलीकाप्टर खराब मौसम और रात में भी उड़ान भरने में सक्षम है, जिससे इमरजेंसी हालात में भी इसका उपयोग संभव है। इसकी बनावट और सुरक्षा की बात करें तो इस विशेष हेलीकॉप्टर की बॉडी बुलेटप्रूफ है और हेलीकाप्टर में मशीनगन फिट करने की सुविधा भी है, जिसे जरूरत के हिसाब से फिट किया जा सकता है।

### दो पायलट के साथ 15 लोग कर सकते हैं सफर

अगस्ता वेस्टलैंड एडब्ल्यू 139 हेलीकॉप्टर में दो पायलट के साथ 15 लोगों के बैठने की क्षमता है। इसका केबिन 8.3 फीट चौड़ा 6.1 फीट ऊंचा है जबकि सामान्य हेलीकाप्टर का केबिन इतना बड़ा नहीं होता है। इस हेलीकॉप्टर में तीन ताकतवर इंजन लगे हैं। अगर कभी एक इंजन काम न करे तो दूसरे इंजन का इंमरजेंसी में उपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा यह क्रैश सेफ्टी सिस्टम से लैस है। डिजिटल ग्लास काकपिट और साउंडप्रूफ केबिन जैसी सुविधाएं भी हैं। इसकी खास बात यह है कि यह सफर के दौरान हवा में इंजन ईंधन भरने की क्षमता रखता है। उल्लेखनीय है कि अगस्ता वेस्टलैंड एडब्ल्यू 139 को अब लियोनार्डो एडब्ल्यू 139 के नाम से जाना जाता है। इसे इतालवी हेलीकाप्टर निमार्ता कंपनी अगस्ता वेस्टलैंड ने विकसित और निर्मित किया है और अब यह कंपनी लियोनार्डो का हिस्सा है। इस विमान की कीमत 100 करोड रुपये है।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, शनिवार 14 मार्च 2026



E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

## घर बैठे विदेशी डिग्री

# ऑनलाइन एजुकेशन

भारत में नौकरी के साथ-साथ पढ़ाई के बढ़ते चलन ने ऑनलाइन विदेशी विश्वविद्यालयों की चांदी कर दी है। पिछले कुछ सालों से नौकरीपेशा लोगों के साथ-साथ कालेज छात्र-छात्राएं भी ऑनलाइन डिग्री के प्रति काफी रुचि दिखा रहे हैं।

चाहे आप विश्व के किसी भी कोने में हों, सुविधानुसार घर या ऑफिस में बैठे-बैठे नामी-गिरामी अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों से विभिन्न विषयों में ऑनलाइन डिग्री हासिल कर सकते हैं। इन विश्वविद्यालयों में बिजनेस, टैक्नोलॉजी, यहां तक कि नर्सिंग जैसे प्रायोगिक विषयों में भी ऑनलाइन कोर्स उपलब्ध हैं। अब अगर आप सोच रहे हैं कि विभिन्न विश्वविद्यालयों में पढ़ाए जाने वाले विभिन्न कोर्सों के बारे में विस्तृत जानकारी कहां से मिलेगी तो हमारी बताई कुछ वैबसाइटों पर क्लिक कीजिए।

### यूनिवर्सिटी ऑफ फिनिक्स

यूनिवर्सिटी ऑफ फिनिक्स से बिजनैस टैक्नोलॉजी, एजुकेशन और नर्सिंग में दो-तीन वर्षों में ऑनलाइन डिग्री हासिल की जा सकती है। इसके अलावा यूनिवर्सिटी एम.ए. और पीएच.डी. की भी पढ़ाई करवाती है। यहां पढ़ाए जाने वाले ज्यादातर कोर्स विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत प्रोफैशनल्स को ध्यान में रख कर डिजाइन किए गए हैं।

नामांकन और कोर्सों के बारे में ज्यादा जानकारी के लिए www.uopxonline.com पर क्लिक करें।

### बोस्टन यूनिवर्सिटी

बोस्टन यूनिवर्सिटी का ऑनलाइन 'मास्टर ऑफ साइंस इन कम्प्यूटर इन्फॉर्मेशन सिस्टम' कोर्स अच्छा माना जाता है। हाल ही में यूनिवर्सिटी ने 'क्लिनिकल इन्वैस्टिगेशन' स्नातक स्तर का सर्टीफिकेट कोर्स शुरू किया है। इस क्षेत्र में प्रशिक्षित लोगों की दवा कम्पनियों में काफी मांग है। नामांकन और कोर्सों के बारे में ज्यादा जानकारी के लिए http://www.bu.edu पर क्लिक करें।

### वैस्टवुड कालेज

वैस्टवुड कालेज के ज्यादातर कोर्स बाजार में उपलब्ध नौकरियों को ध्यान में रख कर डिजाइन किए गए हैं। इनमें क्रिमिनल जस्टिस, इंडस्ट्रियल सर्विसेज डिजाइनिंग, कम्प्यूटर एंड इन्फर्मेशन टैक्नोलॉजी, हैल्थकेयर और एम.बी.ए. आदि शामिल हैं। नामांकन और कोर्सों के बारे में ज्यादा जानकारी के लिए www.westwood.edu पर क्लिक करें।

### केपेला यूनिवर्सिटी

केपेला यूनिवर्सिटी में शिक्षा के लगभग 80 क्षेत्रों में 700 से ज्यादा कोर्स उपलब्ध हैं। यूनिवर्सिटी बिजनैस व सूचना तकनीक में स्नातक स्तरीय कोर्स के अलावा मानव सेवा और साइकोलॉजी में अंतर स्नातक स्तरीय कोर्स भी करवाती है। नामांकन और कोर्सों के बारे में ज्यादा जानकारी के लिए www.capella.edu पर क्लिक करें।

### थंडरबर्ड स्कूल ऑफ इंटरनैशनल मैनेजमैंट

वॉल स्ट्रीट जनरल द्वारा विश्व स्तर पर इंटरनैशनल बिजनैस में नंबर वन कोर्स करार दिए गए थंडरबर्ड स्कूल में वैश्विक मैनेजमैंट में 60 से अधिक कोर्स उपलब्ध हैं। इसकी फैकल्टी में विश्व के अनेक प्रोफैशनल शामिल हैं। नामांकन और कोर्सों के बारे में ज्यादा जानकारी के लिए www.thunderbird.edu पर क्लिक करें।

चाय के लिए एक लोकप्रिय कहावत है लबसोज, लबरेज व लबबंद यानी चाय का ऐसा प्याला जो होंठों को गरमी दे, लबालब भरा हो व मिठास लिए हो। जिस चाय के प्याले से आप अपने ताजगी भरे दिन की शुरुआत करते हैं उसी के जरिए कॅरियर को भी नई ताजगी दी जा सकती है।

# टी मैनेजमेंट ताजगी भविष्य की...

चाय इंडस्ट्री में रोजगार के लिए बॉटनी, फूड साइंस, हॉर्टीकल्चर में बीएससी या एग्रीकल्चर साइंस के डिग्रीधारियों को प्राथमिकता दी जाती है। बिजनेस मैनेजमेंट या मार्केटिंग में विशेषज्ञता रखने वाले लोगों को मार्केटिंग के क्षेत्र में अवसर मिल सकते हैं।

चाय का नाम सुनते ही एक ताजगी का अनुभव होता है। खुशी की बात यह है कि भारत दुनिया में चाय का सबसे बड़ा उत्पादक, निर्यातक व उपभोक्ता देश है। यही कारण है कि इस क्षेत्र में कैरियर बनाने की भी अपार संभावनाएं हैं। यह बहुत ज्यादा प्रचलित कैरियर विकल्पों में से नहीं होने के बावजूद बेहद रुचिकर क्षेत्र जरूर है। टी मैनेजमेंट में चाय से जुड़े अलग-अलग तरह के कार्य शामिल हैं।

**कार्य का स्वरूप**

चाय इंडस्ट्री में पौधों की बुआई, प्रोसेसिंग, ऑक्शनिंग, ब्रांडिंग, मार्केटिंग व रिसर्च का काम होता है। पौधों के लिए सही मिट्टी तैयार करना और फर्टिलाइजर्स का सही चुनाव भी इनके काम में शामिल होता है। चाय की तैयार पत्तियां सही समय और तरीके से तोड़ना भी अपने आप में एक महत्वपूर्ण काम है। इसके बाद पत्तियों की प्रोसेसिंग का काम फैक्ट्रियों में होता है। यहां के बाद विभिन्न बागानों से आई पत्तियों की टेस्टिंग करके नीलामी के लिए भेजते हैं।

**कंप्यूटर की मदद**

वैसे तो चाय की गुणवत्ता पता लगाने के लिए टी टेस्टर्स होते हैं लेकिन अब इसके सटीक सम्मिश्रण के लिए कंप्यूटर की मदद भी ली जाती है। फिर भी टी टेस्टर्स के कथन को ही सर्वोपरि माना जाता है। भारत में असम, दार्जीलिंग और नीलगिरी में चाय के सबसे अच्छे बागान हैं। एक ही बागान में चाय की कई किस्में उगाई जा सकती हैं। यह एक मौसमी पौधा है, लिहाजा एक ही झाड़ से अलग-अलग सीजन में अलग-अलग तरह की पत्तियां निकलती हैं। इन्हें अलग तरीके से हैंडल भी किया जाता है।

**योग्यता**

**शैक्षणिक:** बुनियादी शिक्षा हासिल किए लोग भी टी इंडस्ट्री में शामिल हो सकते हैं। इसके बाद नौकरी के लिए जरूरी कौशल सीखा जा सकता है। हालांकि बॉटनी, फूड साइंस, हॉर्टीकल्चर में बीएससी या एग्रीकल्चर साइंस के डिग्रीधारियों को प्राथमिकता दी जाती है। बिजनेस मैनेजमेंट या मार्केटिंग में विशेषज्ञता रखने वाले लोगों को मार्केटिंग के क्षेत्र में अवसर मिल जाते हैं। टी टेस्टर्स को इस काम के लिए विधिवत प्रशिक्षण मिलता है। इसके अलावा इनमें नैसर्गिक प्रतिभा भी होती है। हालांकि दक्ष टैस्टर बनने के लिए वर्षों तक अभ्यास व प्रशिक्षण जारी रखना पड़ता है। इससे ही टेस्टिंग की कला निखरती है।

**व्यक्तिगत योग्यता:** इस क्षेत्र में दिलचस्पी रखने वालों को घर से बाहर रहते हुए काम करने की आदत होनी चाहिए। उनका शारीरिक तौर पर फिट व आत्मनिर्भर होना और उनमें लीडरशिप का गुण होना जरूरी है। चाय बाजार और उसके बदलते मापदंडों पर पकड़ होनी ही चाहिए। टी टेस्टर्स की स्वाद कलिकाएं बेहतर होनी चाहिए। टी ब्रोकर बनने की चाह रखने वालों को चाय बाजार पर पकड़ के साथ ही इसके उत्पादक और खरीदार दोनों से अच्छे संबंध बनाने होते हैं।

**रोजगार के अवसर**

दुनियाभर में भारत के चाय का सबसे बड़ा निर्यात होने के चलते यहां असीम संभावनाएं हैं। चाय कंपनियों, चाय बागान, टी ब्रोकिंग हाउस, टी एसोसिएशंस और टी बोर्ड ऑफ इंडिया में आपको कार्य करने के अच्छे मौके मिल सकते हैं। अनुभव प्राप्त टी प्लांटर आगे चलकर टी ब्रोकरेज में कदम रख सकता है। चाय सलाहकार बनकर भी व्यक्तिगत रूप से सुझाव देने का काम भी एक बेहतर विकल्प है। मुख्य तौर पर यहां निम्न कार्यों से जुड़ा जा सकता है।

**प्लांटेशन/फैक्ट्री मैनेजर:** बागान का नियंत्रण मैनेजरों के जिम्मे होता है। इनके काम में प्लांटेशन, रखरखाव, सही समय पर पत्तियों को चुनना, उन्हें पैक करवाकर नीलामी के लिए भेजना शामिल है।

**टी टेस्टर:** टी टेस्टिंग का क्षेत्र विशेषज्ञता की दरकार रखता है। इन्हें चाय के ढेर सारे फ्लेवर्स में से गुणवत्ता के आधार पर चुनाव करना होता है। इसकी एक खामी यह है कि तरह-तरह की चाय टेस्ट करने से आपकी पाचन शक्ति या दांतों पर विपरीत असर पड़ सकता है, क्योंकि तेजी के दिनों में एक दिन में 200-300 कप भी चखने पड़ सकते हैं।

**रिसर्च:** यहां रिसर्च का ज्यादातर काम बॉटनिस्ट, बायोटेक्नोलॉजिस्ट्स और दूसरे वैज्ञानिक करते हैं। इनके काम में अच्छी से अच्छी गुणवत्ता की चाय तैयार करना शामिल है।

**टी ब्रोकर:** टी ब्रोकर बिचौलियों का काम करते हैं, यानी वह उत्पादक और खरीदार के बीच सही तालमेल बैठाते हैं। यहां टी इंडस्ट्री का अनुभव काम आ सकता है।

**कंसल्टेंट:** टी बोर्ड ऑफ इंडिया और दूसरे टी एसोसिएशंस अपने यहां सलाह-सुझाव के लिए इन लोगों को नौकरी पर रखते हैं।

**पारिश्रमिक**

किसी अन्य क्षेत्र की तरह यहां भी अनुभव वेतन निर्धारण में जबर्दस्त भूमिका निभाता है। फिर भी प्रशिक्षुओं की शुरुआत 5 हजार रुपए से होती है जबकि अनुभव प्राप्त पेशेवर 25 हजार रुपए प्रतिमाह तक वेतन पा सकते हैं। विशेषज्ञों को 40-50 हजार तक की आय संभव है।

टी टेस्टिंग से जुड़े कार्य में चाय के ढेर सारे फ्लेवर्स में से गुणवत्ता के आधार पर चुनाव करना होता है।

### प्रशिक्षण देने वाले संस्थान

असम एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, जोरहट
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ प्लांटेशन मैनेजमेंट, बेंगलुरू
दीपरस इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, कोलकाता
दार्जीलिंग टी रिसर्च एंड मैनेजमेंट एसोसिएशन, दार्जीलिंग
असम दार्जीलिंग टी रिसर्च, दार्जीलिंग
बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ फ्यूचरिस्टिक स्टडीज, कोलकाता
द टी टेस्टर्स एकेडमी, कुन्नूर, केरल
यूपीएएसआई टी रिसर्च इंस्टीट्यूट, वलपरई।

## होम्योपैथी चिकित्सा

चिकित्सा के विभिन्न क्षेत्रों में अब करियर के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। मैडीकल लाइन में जाने के इच्छुक युवाओं के लिए करियर की दृष्टि से होम्योपैथी चिकित्सा का क्षेत्र भी अच्छा माना जाता है। होम्योपैथी चिकित्सा की बड़ी प्राचीन पद्धति है। सबसे प्रमुख बात यह है कि इसकी दवाओं का शरीर पर कोई साइड इफैक्ट नहीं होता। पुराने से पुराने रोगों के निदान में होम्योपैथी चिकित्सा कारगर सिद्ध हुई है। इसी कारण जहां लोगों का एलोपैथी के मुकाबले इस चिकित्सा के प्रति विश्वास बढ़ता जा रहा है वहीं युवाओं को करियर के रूप में इस चिकित्सा क्षेत्र में अच्छे अवसर मिलने की संभावना बलवती हुई है।वर्तमान समय में होम्योपैथी चिकित्सा का दायरा बढ़ा है। ऐसा माना जाता है कि इसकी शुरुआत जर्मनी से हुई थी और यह अमेरिका तक विस्तृत होते हुए भारत में भी फैल गई।

रोजगार के दृष्टिकोण से होम्योपैथी में डिग्री प्राप्त करने के बाद युवा चाहें तो अपना स्वयं का क्लीनिक खोलकर प्रैक्टिस शुरू कर सकते हैं या फिर किसी सरकारी अस्पताल अथवा स्वयंसेवी संगठन में नियुक्ति पा सकते हैं। शिक्षण क्षेत्र में नियुक्ति मिलने की संभावना रहती है नियुक्ति हेतु विज्ञापन विभिन्न राष्ट्रीय समाचारपत्रों में समय-समय पर प्रकाशित होते रहते हैं। इस क्षेत्र में प्रवेश पाने के लिए आवेदक को विज्ञान विषय सहित 12वीं कक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। इन्टर्नशिप सहित इस क्षेत्र में पढ़ाई की कुल समय सीमा पांच वर्ष की होती है। भारत के विभिन्न कालेजों में होम्योपैथी की पढ़ाई होती है। ऐसे प्रमुख संस्थानों की जानकारी समाचारपत्रों में मिलती रहती है।

कुछ संस्थानों के पते छात्रों की सुविधा हेतु यहां दे रहे हैं। इन संस्थानों से सम्पर्क कर विस्तृत जानकारी हासिल की जा सकती है। प्रवेश के लिए योग्यता, पाठ्यक्रम की अवधि तथा शुल्क आदि से सम्बंधित सभी बातें आवेदक को संस्थान से सम्पर्क कर पहले ही मालूम कर लेनी चाहिएं।

- के.एन.एच. मैडीकल कालेज, बारी रोड, भागलपुर, (बिहार)
- नैशनल होम्योपैथिक मैडीकल कालेज, लखनऊ, (उ.प्र.)
- आर.बी.टी.एस. गवर्नमैंट होम्योपैथिक मैडीकल कालेज एंड हॉस्पिटल, मुजफ्फरपुर, (बिहार)
- स्टेट कानपुर होम्योपैथिक मैडीकल कालेज, जी.एच.के. बिल्डिंग, कानपुर। (उ.प्र.)

# सफलता के लिए समर्पण जरूरी- रसील गुजराल

रसील गुजराल अंसल कासा पैराडॉक्स की क्रिएटिव हेड और एक सफल इंटीरियर डिजाइनर हैं। प्रसिद्ध चित्रकार और आर्कीटेक्ट सतीश गुजराल की बेटी रसील का कहना है कि इंसान को धन तक जाने वाले सबसे छोटे रास्ते की तलाश नहीं करनी चाहिए। यहां वह अपने जीवन से जुड़ी यादें ताजा करने के साथ-साथ अपनी सफलता का राज साझा कर रही हैं।

रसील ने बताया कि उन्होंने स्कूली शिक्षा देहरादून के एक बोर्डिंग स्कूल में प्राप्त की। उनका कहना है कि वहां उन्होंने अपने स्कूली दिनों के सबसे अच्छे पल बिताए। इसका कारण यह है कि वहीं उन्हें अपनी खूबियों को जानने का मौका मिला, उनमें सही मायनों में आत्मविश्वास पैदा हुआ। यहां उन्होंने पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी काफी अच्छा किया और उन्हें कई सोशल स्किल्स का ज्ञान भी मिला।

इंटीरियर डिजाइनिंग का प्रशिक्षण उन्होंने अपने पिता और अपने भाई मोहित गुजराल के आर्कीटैक्चरल ऑफिस में लिया। यहां उन्हें तकनीकी बातों का ज्ञान मिला जबकि उनकी रचनात्मकता को पंख फैलाने की पूरी आजादी दी गई। बेशक शुरुआत में उन्होंने कई गलतियां कीं परंतु वह समय रहते उन्हें सुधार भी लिया करती थीं। यहां उन्हें किसी संस्थान में थ्योरी और प्रैक्टीकल जैसे बंधनों में नहीं बंधना पड़ा। यहां उन्होंने इंटीरियर डिजाइनर से अधिक एक इंटीरियर आर्कीटैक्ट का प्रशिक्षण हासिल किया।

फैशन इंस्टीच्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी, न्यूयॉर्क के डीन के लिए रैजीडैंशियल इंटीरियर डिजाइनिंग का काम उनका पहला प्रोजैक्ट था। पहले प्रोजैक्ट की यादें सांझी करते हुए रसील ने कहा कि डीन 1986 में नैशनल इंस्टीच्यूट ऑफ फैशन टैक्नोलॉजी की स्थापना के लिए भारत आए हुए थे। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर डिजाइनिंग का अनुभव हासिल करने वाले व्यक्ति के साथ काम करना उनके लिए बहुत रोमांचपूर्ण रहा। चूंकि सारा काम भारतीय ब्यूरोक्रेसी से होकर किया जाना था, उन्हें इस दौरान कई बातों से पहली बार परिचित होने का मौका मिला।

उन्होंने कहा कि सबसे रोचक बात थी कि इस प्रोजैक्ट में कंसल्टैंट के तौर पर कार्य करने के लिए कभी उनकी फीस अदा नहीं की गई क्योंकि उन्हें बार-बार बिल क्लीयर करवाने के लिए लोगों के पास जाने में शर्म आती थी। उनका कहना है कि आत्मनिर्भरता किसी से सीखी नहीं जा सकती यह खुद सीखनी पड़ती है। खुद को लगातार चुनौतियों का सामना करने को प्रेरित करने और अतीत में हासिल सफलताओं से ढीले नहीं पड़ना जैसी बातें उन्होंने अपने पिता से सीखीं।

वह किसी भी प्रोजैक्ट का महत्व उसके आकार, सम्भावनाओं या मिलने वाली रकम से नहीं लगाती हैं। उनकी संतुष्टि उन प्रोजैक्ट्स को तत्कालीन आवश्यकताओं के अनुसार सबसे अच्छे ढंग से पूरा करने में निहित रहती है। उनका मानना है कि उनका एक मां-पत्नी-बेटी-किसी की मित्र होना ही उनको एक सम्पूर्ण इंसान बनाता है। उनके लिए जीवन का कोई एक भाग किसी अन्य भाग से अधिक महत्व नहीं रखता। उनके लिए सभी भूमिकाओं में संतुलन और सौहार्द बनाए रखना ही असली चुनौती है।

रसील का कहना है कि सफलता के लिए आपके परिवार का सहयोग बहुत महत्वपूर्ण है। साथ ही अपने काम से लगन और उसके प्रति समर्पण की भावना भी व्यक्ति में होनी चाहिए। अपने काम से लगाव ही व्यक्ति को सफल बनाता है।

## सीमाओं का पालन करें

कार्यस्थल पर कई कारणों से हमारे आत्मसम्मान को ठेस पहुंच सकती है। अक्सर हमें निजता के अतिक्रमण, नजरअंदाज या हमारा उपयोग किए जाने अथवा कई लोगों की बातों एवं तानों से आहत होने का सामना करना पड़ता है।

ध्यान देने वाली बात यह है कि अपनी निजता के उल्लंघन के लिए काफी हद तक हम खुद जिम्मेदार होते हैं। किसी भी व्यक्ति के प्रोफैशनल और पर्सनल विकास तथा इससे भी बढ़ कर उसके मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि वह कार्यस्थल पर अपने लिए तय निजी सीमा का उल्लंघन किसी को न करने दे।

कार्यस्थल पर निजी सीमा से तात्पर्य उस अंतर से है जो हमें अन्यों से अलग करता है। इसमें पर्सनल स्पेस, शारीरिक दूरी, संवाद, भावनात्मक एवं सामाजिक सीमाएं शामिल हैं।

किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व और निजी अधिकारों की रक्षा के लिए इन सीमाओं का पालन करना बेहद जरूरी हो जाता है।

कार्यस्थल पर हमारी अधिकतर परेशानियों का मुख्य कारण इन निजी सीमाओं की रक्षा नहीं कर पाना है। अक्सर किसी ग्रुप में फिट होने की कोशिश में हम अन्यों को इन सीमाओं का उल्लंघन करने की छूट दे देते हैं।

हम अपने सच्चे रूप को इस भय में छुपाए रखने का यत्न करते हैं कि कहीं हम अन्यों से दूर न हो जाएं। इस प्रकार के व्यवहार से हम अक्सर कुंठा के शिकार होते हैं। इसके विपरीत यदि हम अपनी एक निजी सीमा निर्धारित कर लें तो हम सुरक्षित रहने के साथ-साथ लोगों से अधिक प्रभावशाली ढंग से निपटने में सक्षम हो सकेंगे। सीमाओं की रक्षा करने वाले लोगों के सहकर्मियों से संबंध ऐसा नहीं कर पाने वालों से कई गुना बेहतर रहते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक निमिषा कुमारी द्वारा शिवा सांई पब्लिकेशन प्रा० लि० काठीटांड़, रातू रांची, झारखंड 835222 से मुद्रित व 364, को ऑपरेटिव कालोनी, बोकारो स्टील सिटी, बोकारो, 827003 से प्रकाशित।
प्रबंध संपादक विनय कुमार तिवारी* ( * पी आर बी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार ) आर एन आई न०- JHA/HIN/ 2018/ 76658 फोन न०8340571405, 9955023741